बोर्ड परीक्षा परिणाम उन्नयन हेतु ऐतिहासिक पहल ...

शेखावाटी मिशन : 100

पढ़ेगा इतिहास (कक्षा - 12) बढ़ेगा

राजस्थान राजस्थान

विभिन्न विषयों की
नवीनतम बुकलेट डाउनलोड
करने हेतु टेलीग्राम
QR CODE स्कैन करें

कार्यालय : संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा, चूरू संभाग, चूरू (राज.)

शेखावाटी मिशन - 100 मार्गदर्शक

अनुसूया सिंह

संयुक्त निदेशक (स्कूल शिक्षा)
चूरू संभाग, चूरू

महेन्द्र सिंह बड़सरा

संभागीय कॉर्डिनेटर शेखावाटी मिशन 100
संयुक्त निदेशक कार्यालय, चूरू संभाग, चूरू

संकलनकर्त्ता टीम : इतिहास

रामावतार भदाला

तकनीकी सहयोगी शेखावाटी मिशन 100

साकेत दुलड़

रा.उ.मा.वि. भारू (झुंझुनूं)

सुभाष सिंह बिजारणियां

रा.उ.मा.वि. मंढा–मदनी पलसाना (सीकर)

विकास आर्य

रा.उ.मा.वि. बजावा सुरों का (झुंझुनूं)

राजेन्द्र घटाला

रा.उ.मा.वि. तपीपत्या, खण्डेला (सीकर)

सोनाली चौधरी

रा.उ.मा.वि. कालेरा का बास (झुंझुनूं)

प्रश्न–पत्र की योजना

वर्ष 2023–24

कक्षा – 12th
विषय –इतिहास
अवधि – 3 घण्टे 15 मिनट पूर्णांक – 80

1. उद्देश्य हेतु अंकभार –

क्र.सं.	उद्देश्य	अंकभार	प्रतिशत
1.	ज्ञान	30	37.50
2.	अवबोध	26	32.50
3.	ज्ञानोपयोग / अभिव्यक्ति	19	23.75
4.	कौशल / मौलिकता	05	6.25
योग		80	100%

2. प्रश्नों के प्रकारवार अंकभार –

क्र. सं.	प्रश्नों का प्रकार	प्रश्नों की संख्या	अंक प्रति प्रश्न	कुल अंक	प्रतिशत (अंको का)	प्रतिशत (प्रश्नों का)	संभावित समय
1.	वस्तुनिष्ठ	14	01	14	17.50	28.00	15
2.	रिक्त स्थान	07	01	07	8.75	14.00	08
3.	अतिलघुत्तरात्मक	10	01	10	12.50	20.00	14
4.	लघुत्तरात्मक	12	02	24	30.00	24.00	35
5.	दीर्घउत्तरीय	04	03	12	15.00	8.00	63
6.	निबंधात्मक	2+1	4+5	13	16.25	6.00	50+10
	योग	50		80	100	100	195 मिनट

विकल्प योजना : खण्ड 'स' एवं 'द' में हैं

3. विषय वस्तु का अंकभार –

क्र.सं.	विषय वस्तु	अंकभार	प्रतिशत
1	हडप्पा सभ्यता (ईंटे, मनके व अस्थियां)	06	7.50
2	आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएं– राजा किसान और नगर	06	7.50
3	बंधुत्व जाति तथा वर्ग (लगभग 600 ई.पू.से 600 ई.)	06	7.50
4	विचारक, विश्वास और इमारतें	07	8.75
5	यात्रियों के नजरिए–समाज के बारे में उनकी समझ	06	7.50
6	भक्ति सूफी परंपराएं–धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धाग्रंथे	07	8.75
7	एक साम्राज्य की राजधानी बिजयनगर (14 वीं से 16 वीं सदी तक)	06	7.50
8	किसान जमींदार और राज्य कृषि समाज और मुगल साम्राज्य	06	7.50
9	उपनिवैशवाद और देहात–सरकारी, अभिलेखो का अध्ययन	06	7.50
10	विद्रोही और राज–1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान	06	7.50
11	महात्मा गांधी और राष्ट्रीय आंदोलन–सविनम अवज्ञा और उससे आगे	07	8.75
12	संविधान का निर्माण–एक नए युग की शुरूआत	06	7.50
13	मानचित्र कार्य	05	6.25
	योग	80	100

प्रश्न–पत्र ब्ल्यू प्रिन्ट

कक्षा – 12th | विषय :– इतिहास | पूर्णांक – 80

क्र.सं.	उद्देश्य इकाई / उप इकाई	ज्ञान						अवबोध						ज्ञानोपयोग / अभिव्यक्ति						कौशल / मौलिकता						योग
		वस्तुनिष्ठ	रिक्त स्थान	अतिलघुत्तरात्मक	लघुत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	वस्तुनिष्ठ	रिक्त स्थान	अतिलघुत्तरात्मक	लघुत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	वस्तुनिष्ठ	रिक्त स्थान	अतिलघुत्तरात्मक	लघुत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	वस्तुनिष्ठ	रिक्त स्थान	अतिलघुत्तरात्मक	लघुत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	
1	हडप्पा सभ्यता (ईंटे, मनके व अस्थियां)	1(1)														1(1)			4*(1)							6(3)
2	आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएं– राजा किसान और नगर					3*(1)			1(1)	1(1)				1(1)												6(4)
3	बंधुत्व जाति तथा वर्ग (लगभग 600 ई.पू.से 600 ई.)			1(1)				1(1)	1(1)	1(2)					1(1)											6(6)
4	विचारक, विश्वास और इमारतें		1(1)		2(1)						2(1)						2(1)									7(4)
5	यात्रियों के नजरिए–समाज के बारे में उनकी समझ	1(1)			2(1)					1(1)							2(1)									6(4)
6	भक्ति सूफी परंपराएं–धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धाग्रंथे	1(1)	1(1)					1(1)		1(1)								3*(1)								7(5)
7	एक साम्राज्य की राजधानी बिजयनगर (14 वीं से 16 वीं सदी तक)	1(1)	1(1)	1(1)				1(1)			2(1)															6(5)
8	किसान जमींदार और राज्य कृषि समाज और मुगल साम्राज्य		1(1)		2(1)			1(1)			2(1)															6(4)
9	उपनिवेशवाद और देहात–सरकारी, अभिलेखो का अध्ययन	1(1)			2(1)						2(1)			1(1)												6(4)
10	विद्रोही और राज–1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान	1(1)				3*(1)											2(1)									6(3)
11	महात्मा गांधी और राष्ट्रीय आंदोलन–सविनम अवज्ञा और उससे आगे	1(1)		1(1)								3*(1)					2(1)									7(4)
12	संविधान का निर्माण–एक नए युग की शुरूआत	1(1)		1(1)									4*(1)													6(3)
13	मानचित्र कार्य																								5(1)	5(1)
	योग	8(8)	4(4)	4(4)	8(4)	6(2)		4(4)	2(2)	5(5)	8(4)	3(1)	4(1)	2(2)	1(1)	1(1)	8(4)	3(1)	4(1)						5(1)	80(50)

विकल्पों की योजना :– खण्ड 'स' एवं 'द' में प्रत्येक में एक आंतरिक विकल्प है   नोटः– कोष्ठक के बाहर की संख्या 'अंकों' की तथा अंदर की संख्या 'प्रश्नों' के द्योतक है।

हस्ताक्षर

SHEKHAWATI MISSION-100 : 2023-24

अध्याय–1
हड़प्पा सभ्यता–ईंट, मनके व अस्थियां
अंक भार 6

सिंधु सभ्यता से जुड़े प्रमुख पुरास्थल स्थल –

पाकिस्तान – हड़प्पा, मोहनजोदड़ो, चन्हूदड़ो, बालाकोट, चोलीस्तान (थार रेगिस्तान से लगा पाकिस्तान का रेगिस्तानी क्षेत्र)। अफगानिस्तान– शोर्तुघई। बहरीन–दिलमुन, ओमान–मगान (अरब प्रायद्वीप के दक्षिणी पूर्वी छोर पर)। गुजरात – धोलावीरा, लोथल, नागेश्वर। राजस्थान – कालीबंगा, गणेश्वर–जोधपुरा (खेतड़ी)। हरियाणा–राखीगढ़ी, बनावली।

वस्तुनिष्ठ प्रश्नः–

1. हड़प्पा अथवा सिंधु घाटी सभ्यता की सबसे विशिष्ट पुरावस्तु है –
(a) हड़प्पाई मोहर (b) मृदभांड (c) आभूषण (d) औजार **(a)**

2. हड़प्पा सभ्यता में बाट सामान्यतः किस पत्थर से बनाए जाते थे–
(a) सेलखड़ी (b) चर्ट (c) शीप (d) शंख **(b)**

3. पुरोहित राजा की मूर्ति प्राप्त हुई है –
(a) हड़प्पा (b) मोहनजोदड़ो (c) बनावली (d) धोलावीरा **(b)**

4. भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण के पहले डायरेक्टर जनरल थे –
(a) कनिंघम (b) व्हीलर (c) जॉन मार्शल (d) जीएफ डील्स **(a)**

5. पुरातत्व की पद्धति में एक सैनिक शुद्धता का समावेश किसके द्वारा किया गया–
(a) कनिंघम (b) व्हीलर (c) जॉन मार्शल (d) एस एन राय **(b)**

6. मोहनजोदड़ो की सबसे विस्तृत इमारत है–
(a) स्नानागार (b) माल गोदाम/अन्नागार **(b)**
(c) स्नानागार (d) निम्न में से कोई नहीं

7. हड़प्पा सभ्यता/सिंधु घाटी सभ्यता की लिपि के संबंध में सत्य कथन है –
(a) यह एक भाव चित्रात्मक लिपि थी व सबसे लंबे अभिलेख में लगभग 26 चिन्ह हैं।
(b) ये लिपि दाएं से बाएं ओर लिखी जाती थी तथा लिपि आज तक पढ़ी नहीं जा सकी।
(c) इसने चित्रों की संख्या अधिक है लगभग 375 से 400। (d) उपरोक्त सभी **(d)**

लघुत्तरात्मक प्रश्नः–

1. हड़प्पाई मोहर किससे बनाई जाती थी ?

उत्तर– सेलखड़ी नामक पत्थर से।

2. हड़प्पाई मुहरो पर क्या उत्कीर्ण किया गया है ?

उत्तर–जानवरों के चित्र तथा एक लिपि के चिन्ह जिन्हें अभी तक पढ़ा नहीं जा सका।

3. हड़प्पा क्षेत्र में बसे लोगों के जीवन के विषय में हमें किस प्रकार जानकारी मिलती है/किन पुरावस्तुओं से जानकारी

शेखावाटी मिशन–100

मिलती है/पुरातात्विक साक्ष्य कौन–कौन से हैं?

उत्तर– उनके आवास, मृदभांड, आभूषण, औजार तथा मुहरें आदि।

4. मिट्टी के हल के प्रतिरूप कहां से मिले है?

उत्तर– बनवाली (हरियाणा) तथा चोलीस्तान (पाकिस्तान) से।

5. किस स्थल से जूते हुए खेत के साक्ष्य मिले हैं ?

उत्तर– कालीबंगन (राजस्थान)।

6. किस पुरास्थल से सिंचाई नहर के अवशेष मिले हैं ?

उत्तर– अफगानिस्तान में शोर्तुघई।

7. जलाशय/तालाब के साक्ष्य किस स्थल मिले हैं ?

उत्तर– गुजरात में स्थित धोलावीरा से।

8. सिंधु घाटी सभ्यता में अनाज पीसने का प्रमुख साधन क्या था –

उत्तर– अवतल चक्किया।

9. बाजरे के दाने कहां से प्राप्त हुए हैं?

उत्तर– गुजरात से।

10. हड़प्पा सभ्यता के शहरों की सबसे अनूठी विशेषता क्या थी ?

उत्तर– नियोजित जल प्रणाली।

शेखावाटी मिशन 100 की कक्षा 10 एवं 12 के विभिन्न विषयों की नवीनतम बुकलेट डाउनलोड करने हेतु टेलीग्राम QR CODE स्कैन करें

11. सिंधु सभ्यता में सड़कों तथा गलियों को किस पद्धति में बनाया गया था ?

उत्तर– "ग्रीड पद्धति" में सड़कें एक दूसरे को समकोण पर काटती थी।

12. हड़प्पा कालीन भवनों में भूमि तल पर बनी दीवारों में खिड़कियों की अनुपस्थिति किस बात की ओर इशारा करती है ?

उत्तर–हड़प्पाई लोगों द्वारा अपनी एकांतता को दिए जाने वाले महत्व को।

13. मोहनजोदड़ो की ऐसी सार्वजनिक संरचनाएं कौनसी हैं जिनका प्रयोग विशिष्ट सार्वजनिक प्रयोजन के लिए किया जाता था?

उत्तर–मालगोदाम और विशाल स्नानागार।

14. फॉयान्स क्या हैं?

उत्तर– घीसी हुई रेत अथवा बालू तथा रंग और चिपचिपे पदार्थ के मिश्रण को पकाकर बनाए गए पदार्थ जिनसे कीमती छोटे पात्र बनाए जाते थे।

15. पूरी तरह से शिल्प उत्पादन मे संलग्न बस्ती कौनसी थी?

उत्तर– चन्हूदड़ो।

16. मनको में छेद करने के उपकरण कहां से मिले है ?

उत्तर– चन्हूदड़ो, लोथल तथा धोलावीरा में।

17. शंख से बनी वस्तुओं के निर्माण के विशिष्ट केन्द्र कौनसे थे ?

उत्तर–नागेश्वर तथा बालाकोट।

18. लाजवर्द मणि का सबसे अच्छा स्रोत था ?

उत्तर–सुदूर अफगानिस्तान में शोर्तुघई के निकट।

19. कार्नेलियन कहां से प्राप्त किया जाता था?

उत्तर–गुजरात के भडौच में स्थित लोथल से।

20. हड़प्पा काल में मोहर निर्माण हेतु सेलखड़ी कहां से प्राप्त की जाती थी ?

उत्तरः–दक्षिणी राजस्थान तथा उत्तरी गुजरात से।

21. तांबे की असाधारण संपदा कहां से मिली है?

उत्तरः–गणेश्वर–जोधपुरा (खेतड़ी क्षेत्र) से।

22. हड़प्पावासी तांबा कहां से प्राप्त करते थे?

उत्तरः–खेतड़ी क्षेत्र के गणेश्वर–जोधपुरा से तथा अरब प्रायद्वीप के दक्षिण पूर्वी छोर पर स्थित ओमान से।

23. मेसोपोटामिया के लेखों में मगान का उल्लेख किसके लिए हुआ है ?

उत्तर–ओमान के लिए तांबे के एक स्रोत के संदर्भ में।

24. मेसोपोटामिया के लेख में दिलमून शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है ?

उत्तर– बहरीन द्वीप के लिए।

25. मेसोपोटामिया के लेखों में मेलूहा शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?

उत्तर– हड़प्पा सभ्यता के लिए (शाब्दिक अर्थ– नाविकों का देश)।

26. पुरातत्वविदों के अनुसार मेलूहा का हाजा पक्षी क्या था?

उत्तर–मोर।

27. मेसोपोटामिया के लेखों में नाविकों का देश किसे कहा गया है?

उत्तर–मेलूहा (हड़प्पा/सिंधु सभ्यता) को।

28. ऋग्वेद में उल्लेखित "पुर" शब्द का अर्थ है?

उत्तर– प्राचीन किला या गढ़।

29. पुरंदर किसे कहा गया है ?

उत्तर– आर्यों के युद्ध के देवता इन्द्र को पुरंदर अर्थात गढ़ विध्वंसक कहा गया है।

30. हड़प्पा के समान मुहरें मोहनजोदड़ो से किस पुरातत्ववेता ने खोजी ?

उत्तर–राखलदास बनर्जी।

शेखावाटी मिशन 100 की कक्षा 10 एवं 12 के विभिन्न विषयों की नवीनतम बुकलेट डाउनलोड करने हेतु टेलीग्राम QR CODE स्कैन करें

31. पूरे विश्व के समक्ष नवीन सभ्यता के रूप में सिंधु घाटी की खोज की घोषणा कब व किसके द्वारा की गई?

उत्तर–1924 में जॉन मार्शल द्वारा।

32. खुदाई में एक समान क्षैतिज इकाइयों के बजाय नई तकनीक टिले के स्तर विन्यास का अनुसरण का आरंभ किसके द्वारा किया गया?

उत्तर–आर ई एम व्हीलर द्वारा।

33. वेदियों के साक्ष्य कहां से मिले हैं ?

उत्तर–कालीबंगा और लोथल से।

34. किन संरचनाओं को अनुष्ठान के महत्व का माना गया है ?

उत्तर–मोहनजोदड़ो के विशाल स्नानागार तथा कालीबंगा व लोथल की वेदियों को।

35. ऋग्वेद का संकलन काल कब माना गया है ?

उत्तर–लगभग 1500 ई.पू. से 1000 ईसा पूर्व।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. सिंधु सभ्यता में शिल्प उत्पादन के विषय में जानकारी दीजिए/वर्णन कीजिए।

उत्तर–उन्नत शिल्प उद्योग हड़प्पा सभ्यता की एक प्रमुख विशेषता थी। शिल्प कार्यों में मुख्य रूप से मनके बनाना, शंख की कटाई, धातुकर्म, मोहर निर्माण तथा बाट बनाना सम्मिलित थे। चन्हूदड़ो एक ऐसी बस्ती थी जो लगभग पूरी तरह से शिल्प उत्पादन में संलग्न थी। मनकों के निर्माण में प्रयुक्त पदार्थों की पर्याप्त विविधता थी। कार्नेलियन, सुंदर लाल रंग का जैस्पर, स्फिटिक, क्वाट्रज, सेलखड़ी जैसे पत्थर, तांबा, कांसा तथा सोने जैसी धातु तथा शंख, फॉयान्स और पक्की मिट्टी सभी का प्रयोग मनके बनाने में होता था। कुछ मनके दो या दो से अधिक पत्थरों को आपस में जोड़कर बनाए जाते थे और कुछ सोने के टॉप वाले पत्थर के होते थे। इनको विभिन्न आकारों में बनाया जाता था जैसे चक्राकार, बेलनाकार, गोलाकार तथा खंडित, कुछ को उत्कीर्णन या चित्रकारी के माध्यम से सजाया भी गया था और कुछ पर रेखाचित्र उकेरे गए थे।

मनके बनाने की तकनीकों में प्रयुक्त पदार्थों के अनुसार भिन्नताएं थी। सेलखड़ी एक मुलायम पत्थर था जिस पर आसानी से कार्य हो जाता था। कुछ मनके सेलखड़ी चूर्ण के लेप को सांचे में ढालकर तैयार किए जाते थे। इससे ठोस पत्थरों से बनने वाले ज्यामितीय आकार के विपरीत विविध आकारों के मनके बनाए जाते थे । कार्नेलियन का लाल रंग, पीले रंग के कच्चे माल तथा उत्पादन के विभिन्न चरणों में मनको को आग में पकाकर प्राप्त किया जाता था । पत्थर के टुकड़ों के अपरिष्कृत खंडो को तोड़ने के पश्चात सल्क निकालकर अंतिम रूप दिया जाता था। घीसाई, पोलिस और उनमें छेद करने के साथ यह प्रक्रिया पूर्ण होती थी।

चन्हूदड़ो, लोथल और धोलावीरा में मनका निर्माण के विशेष उपकरण मिले हैं। साथ ही समुद्र तटीय बस्तियां जैसे– नागेश्वर, बालाकोट आदि शंख से बनी वस्तुओं के विशिष्ट केन्द्र थे। यहां से तैयार माल को मोहनजोदड़ो और हड़प्पा बड़े शहरों में पहुंचाया जाता था। प्रस्तर पिंड, शंख, तांबा अयस्क जैसे कच्चे माल, औजार, अपूर्ण वस्तुएं तथा त्याग दिए माल के आधार पर इन केन्द्रों की पहचान की गई है। हड़प्पा काल में शिल्प उत्पादन उन्नत अवस्था में था तथा यहां की वस्तुएं समकालीन सभ्यताओं जैसे– सुदूर ओमान व मेसोपोटामिया तक प्राप्त हुई हैं।

2. सिंधु घाटी सभ्यता में शिल्प उद्योग हेतु माल प्राप्त करने की नीतियों की विवेचना कीजिए। अथवा व्यापार की विशेषताओं विवेचना कीजिए।

उत्तर–हड़प्पावासी शिल्प उत्पादन हेतु कई तरीकों से माल प्राप्त करते थे तथा तैयार माल को बाहर भेजते थे। कुछ कच्चा माल जैसे– मिट्टी स्थानीय स्तर पर, पत्थर, लकड़ी, धातु, जलोढ़ मैदान से बाहर के क्षेत्रों से तथा समुद्र तटीय नागेश्वर और बालाकोट में जहां शंख आसानी से उपलब्ध था, वहां बस्तियों की स्थापना करके तथा सुदूर अफगानिस्तान में शोर्तूघई के निकट से नीले रंग की लाजवर्द मणी, लोथल से कार्नेलियन, दक्षिणी राजस्थान– उत्तरी गुजरात से सेलखड़ी तथा राजस्थान के खेतडी अंचल से तांबा तथा दक्षिणी भारत से सोना आयात किया जाता था। इसके अतिरिक्त स्थानीय समुदायों से संपर्क स्थापित कर कच्चा माल प्राप्त किया जाता था जिसके संकेत उन स्थानों में मिलने वाली हड़प्पाई पुरावस्तुएं है। खेतड़ी अंचल की गणेश्वर–जोधपुरा संस्कृति से तांबा प्राप्त किया जाता था। यहां तांबे की ऐसी असाधारण संपदा मिली है।

साथ ही विदेशों जैसे–अरब प्रायद्वीप के दक्षिणपूर्व छोर स्थित ओमान से भी तांबा मंगवाने के साक्ष्य मिले हैं। हड़प्पा सभ्यता का समकालीन अन्य सभ्यताओं के साथ व्यापार उन्नत अवस्था में था। समकालीन सभ्यता स्थलों पर मिली हड़प्पाई

शेखावाटी मिशन–100

पुरावस्तुएं जैसे मुहरें, बाट, मनके आदि विदेशी व्यापार की पुष्टि करती हैं।

प्राचीन मेसोपोटामिया के लेखों में हड़प्पा का "मेलुहा" नाविकों के देश के रूप में किया गया उल्लेख तथा मोहरों पर जहाजों तथा नाव का चित्रांकन इस बात की पुष्टि करते हैं कि हड़प्पा काल में व्यापार उन्नत अवस्था में था।

3. हड़प्पा सभ्यता की धार्मिक प्रथाओं/विश्वासों की व्याख्या किस प्रकार की गई है ? विवेचना कीजिए।

उत्तर–सबसे अधिक चुनौतियाँ धार्मिक प्रथाओं के पुनर्निर्माण में आती हैं। आरंभिक पुरातत्वविदों द्वारा कुछ वस्तुएं जो असामान्य अथवा अपरिचित प्रतीत होती हैं उन्हें धार्मिक महत्व का मान लिया जाता था। आभूषणों से लदी हुई नारी मृण्मूर्तियाँ, जिन्हें मातृ देवी की संज्ञा दी गई है। पुरुषों की दुर्लभ पत्थर से बनी मूर्तियां जिनमें वे एक लगभग मानकीकृत मुद्रा में बैठे हैं, को पुरोहित राजा की संज्ञा के आधार पर वर्गीकृत किया गया है।

इसी प्रकार अन्य संरचनाओं को अनुष्ठानिक महत्व का माना गया है। जिनमें विशाल स्नानागार तथा कालीबंगन तथा लोथल से प्राप्त वेदियां सम्मिलित हैं। कुछ मुहरों जिन पर भी अनुष्ठान के दृश्य बने हैं, के परीक्षण से धार्मिक आस्थाओं तथा प्रथाओं के पुनर्निर्माण का भी प्रयास किया गया है। कुछ अन्य जिन पर पेड़ पौधे उत्कीर्ण है, मान्यता अनुसार प्रकृति की पूजा की संकेत देते हैं और कुछ पर बनाए गए जानवर जैसे कि एक सींग वाला जानवर जिसे आमतौर पर एकश्रृंगी कहा जाता है।

कुछ मोहरों पर एक आकृति जिसमें पालथी मारकर योगी की मुद्रा में बैठा दिखाया गया है, को 'आद्य शिव' अर्थात हिंदू धर्म के प्रमुख देवताओं में से एक के आंरभिक रूप में संज्ञा दी गई है। इसके अतिरिक्त पत्थर की शंक्वाकार वस्तुओं को लिंग के रूप में वर्गीकृत किया गया है। हड़प्पाई धर्म के कई पुनर्निर्माण इस आधार पर किए गए हैं कि आरंभिक तथा बाद की परंपराओं में समानताएँ होती है। ऐसा इसलिए क्योंकि अधिकांश से पुरातत्वविद ज्ञात से अज्ञात की ओर बढ़ते हैं अर्थात वर्तमान से अतीत की ओर। हालांकि यह नीति पत्थर की चक्कीयों तथा पात्रों के संगत में संबंध में युक्तिसंगत हो सकती है लेकिन "धार्मिक प्रतीक" के संदर्भ में अधिक संदिग्ध रहती है। उदाहरण स्वरूप "आद्यशिव की मोहर।" आरंभिक धार्मिक ग्रंथ ऋग्वेद में रूद्र के रूप में मिलता है जो बाद की पौराणिक परंपराओं में शिव के लिए प्रयुक्त हुआ है। लेकिन शिव के विपरीत रुद्र को ऋग्वेद में पशुपति (सामान्य रूप से जानवर और विशेष रूप से मवेशियों के स्वामी) और न ही योगी के रूप में दिखाया गया है। दूसरे शब्दों में यह चित्रण ऋग्वेद में में दिए गए विवरण से मेल नहीं खाता है। कई पुनर्निर्माण अभी भी संदिग्ध हैं।

4. हड़प्पा संस्कृति की प्रमुख विशेषताओं की विवेचना कीजिए।

अथवा

उन तथ्यों पर प्रकाश डालिए जो यह इंगित करते हैं कि हड़प्पा सभ्यता/सिंधु घाटी सभ्यता में एक शासन प्रणाली मौजूद थी।

अथवा

हड़प्पा समाज में शासक वर्ग द्वारा किए जाने वाले संभावित कार्यों की विवेचना कीजिए।

उत्तर–हड़प्पा संस्कृति की प्रमुख विशेषतायें – (i) सुनियोजित नगर निर्माण– हड़प्पा सभ्यता से हमें विस्तृत तथा सुनियोजित नगर संरचनाएं प्राप्त होती हैं। इस सभ्यता में कई विशिष्ट भवन मिलते हैं जो सभ्यता के उत्कृष्ट नगर नियोजन को दर्शाते हैं। जिनमें मोहनजोदड़ो का माल गोदाम, विशाल स्नानागार, धोलावीरा का जलाशय, लोथल का गोदीबाड़ा, हड़प्पा का विशाल अन्नागार आदि प्रमुख हैं।

(ii) सुनियोजित जल निकास प्रणाली– आधुनिक नगर निगम सुविधाओं की तरह सभी बड़े स्थलों पर एक सुनियोजित जल निकास प्रणाली इसे न केवल समकालीन सभ्यताओं में सर्वश्रेष्ठ बनाती है बल्कि सामुदायिक स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता को अभिव्यक्त करती है।

(iii) सामाजिक जीवन व संगठित श्रम – स्थलों से प्राप्त किलेबंदी तथा दुर्ग से न केवल सुरक्षा के प्रति उनके दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करते हैं बल्कि समाज में एक सामाजिक विभेद, शासक वर्ग तथा जनसामान्य को भी इंगित करते हैं। साथ ही विशाल संरचनाएँ– मालगोदाम, विशिष्ट भवन, स्नानागार आदि निर्माण कार्य एक संगठित श्रम की तरफ भी इशारा करते हैं। प्राप्त पुरावस्तुओं से मातृसत्तात्मक समाज होने का लक्षण दिखाई देते हैं। आभूषण, मृदभांड तथा शवाधान भी सामाजिक विभेद व जीवन पर पर्याप्त प्रकाश डालते हैं।

(iv) सड़क तथा नाली निर्माण – नगरों की सड़कें व नालियां एक निश्चित योजना 'ग्रीड पद्धति' पर बनाई जाती थी जो एक दूसरी को समकोण पर काटती थी। सड़कें पर्याप्त चौड़ी थी व उनमें एक अद्वितीय एकरूपता सभी हड़प्पाई स्थलों पर देखी गई है।

(v) मुहर निर्माण – हड़प्पा सभ्यता से पर्याप्त संख्या में प्राप्त मुहरों की एकरूपता तथा समकालीन सभ्यता स्थलों से इनकी प्राप्ति बताती है कि ये मुहरें नागरिकों तथा व्यापारियों की सुविधा के लिए निर्मित की गई थी।

(vi) व्यापार – हड़प्पा सभ्यता में जल और थल दोनों ही व्यापार उन्नत थे तथा ओमान, बहरीन तथा मेसोपोटामिया से विदेशी व्यापारिक संबंधों की पुष्टि भी समकालीन पुरातात्विक साक्ष्यों व समकालीन सभ्यताओं के लेखों में हुए उल्लेखों से होती है।

(vii) बाट व माप– हड़प्पा सभ्यता में समरूप माप–तोल हेतु चर्ट से बने बाटों के एक समान मानदंड का प्रयोग किया जाता था। सभी स्थलों पर एक जैसे बाट मिले हैं। निचले मानदंड द्विआधारी व ऊपरी मानदंड दशमलव पद्धति आधारित थे।

(viii) लिपि – हड़प्पा सभ्यता में भावचित्रात्मक लिपि प्रचलित थी जिसमें चिन्हों का प्रयोग किया जाता था। ऐसा प्रतीत होता है कि यह लिपि दाएं से बाएं और लिखी जाती थी। यह अभी तक अपठित है।

(ix) धार्मिक जीवन– हड़प्पा से प्राप्त "पुरोहित राजा एवं मातृदेवी की मृण्मूर्तियां तथा मोहरों से आद्य शिव" की उपासना के संकेत मिलते हैं। इसके अतिरिक्त प्रकृति पूजा एवं पशु पक्षियों की पूजा तथा विशाल स्नानागार जैसी रचनाओं से सामूहिक अनुष्ठान एवं जल पूजा के भी साक्ष्य मिलते हैं।

(x) राजनीतिक व्यवस्था – उपरोक्त विशेषताओं को देखने से यह प्रतीत होता है कि जटिल निर्णय लेने एवं लागू करने, विशाल निर्माण, बड़े पैमाने पर श्रमिकों को संगठित करने के लिए एक संगठित सत्ता का अस्तित्व अवश्य ही रहा होगा। जबकि कुछ पुरातत्वविद इन तथ्यों को नकारते हैं, वहीं कुछ का मानना है कि संपूर्ण सभ्यता में एक ही राज्य था जो अभी तक सबसे अधिक प्रमाणिक मत माना जाता है। यह मत एक सुगठित शासन व्यवस्था की तरफ इशारा करता है।

5. एक नियोजित शहरी केन्द्र के रूप में मोहनजोदड़ो की विशेषताएं बताइए।

अथवा

"एक नियोजित शहर के रूप में मोहनजोदड़ो आधुनिक शहरी व्यवस्था से कहीं आगे था"। टिप्पणी कीजिए

अथवा

मोहनजोदड़ो के नगर नियोजन की वर्तमान समय में प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए।

उत्तर– मोहनजोदड़ो अपने नगर नियोजन में सबसे विशिष्ट एवं प्रसिद्ध पुरास्थल था, जिसे निम्न बिंदुओं से समझा जा सकता है–

(i) एक नियोजित शहर – दो भागो में विभाजित मोहनजोदड़ो एक नियोजित शहरी केन्द्र था जिसमें छोटा भाग जो ऊँचाई पर बनाया गया था, दुर्ग कहलाता था तथा दूसरा भाग निचला शहर था। पुरातात्विक उत्खनन से यह प्रतीत होता है की पहले शहर की विस्तृत निर्माण योजना बनाई गई तत्पश्चात निर्माण कार्य किया गया। निर्माण कार्य हेतु निश्चित

शेखावाटी मिशन–100

अनुपात की धूप में पका कर तैयार की गई ईंटों का उपयोग लिया गया था।

(ii) दुर्ग – दुर्ग पर सार्वजनिक उपयोग की विशाल संरचानाएं जैसे– विशाल स्नानागार एवं अन्नागार प्राप्त हुई हैं तथा सुरक्षा की दृष्टि से दुर्ग को चारों तरफ से दीवार द्वारा किलेबंदी की गई थी।

(iii) निचला शहर– निचले शहर को चबूतरों पर बनाया गया था। जो सुरक्षा के साथ–साथ नींव का कार्य भी करते थे। साथ ही सुरक्षा की दृष्टि से निचले शहर को भी दीवार से घेरा गया था जो सुरक्षा के प्रति दृष्टिकोण को उजागर करता है।

(iv) सड़कें व सुनियोजित जल निकास प्रणाली– आज की नगर निगम संस्थाओं की तरह की मोहनजोदड़ों में पर्याप्त चौड़ी सड़कों के साक्ष्य मिले हैं जो ग्रीड पद्धति पर बनाई गई थी। साथ ही ऐसा प्रतीत होता है कि पहले सड़कों व नालियों का निर्माण किया गया। तत्पश्चात उसके आसपास घरों का निर्माण किया गया। घरों के गंदे पानी को गलियों की नालियों से जोड़ने के लिए प्रत्येक घर की कम से कम एक दीवार का गली से सटा होना आवश्यक था जो सामुदायिक स्वास्थ्य एवं स्वच्छता की ओर नागरिकों की उच्च महत्वाकांक्षा को प्रदर्शित करता है।

(v) कुएँ – हड़प्पा के अधिकांश आवासों में कुएं मौजूद थे जो ऐसे कक्ष में बनाए गए थे, जिसमें बाहर से आया जा सकता था अर्थात जिनका प्रयोग राहगीरों द्वारा किया जा सकता था। विद्वानों के अनुसार मोहनजोदड़ों में लगभग 700 कुएँ थे।

(vi) गृह स्थापत्य – मोहनजोदड़ो के निचले शहर में आवासीय भवन थे। हर घर का ईटों का बना फर्श, अपना एक स्नानघर होता था, जिसकी नालियां दीवार के माध्यम से सड़क की नालियों से जुड़ी होती थी। भवनों में स्नानागार व छत पर जाने हेतु सीढ़ियां इत्यादि का निर्माण किया गया था। कई आवासों में एक आंगन था जिसके चारों और कमरे बने हुए थे। भूमि तल पर दीवारो में खिड़कियों की अनुपस्थिति व्यक्तिगत जीवन में निजता एवं एकांत को दिए जाने वाले महत्व को बताती है।

(vii) विशाल स्नानागार – दुर्ग से प्राप्त संरचनाओं में सार्वजनिक प्रयोजन हेतु विशाल स्नानागार आंगन में बना एक आयताकार जलाशय है। जो चारों तरफ गलियारे से घिरा हुआ है तथा जलाशय को जलबद्ध करने हेतु उन्नत तकनीकों का उपयोग किया गया है जो मोहनजोदड़ो की सामुदायिक स्वच्छता के प्रति जागरूकता को प्रदर्शित करता है।

उपर्युक्त विशेषताएं यह प्रदर्शित करती हैं कि मोहनजोदड़ो अपने समकालीन सभ्यता स्थलो से नगर नियोजन में कहीं आगे ही नहीं था वरन उसकी प्रासंगिकता वर्तमान समय के शहरी नियोजन से कमतर नहीं थी।

अध्याय –2

आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएं

अंक भार (6)

महाजनपद कालीन प्रमुख नगर–

मगध – आधुनिक बिहार, सबसे शक्तिशाली महाजनपद, राजगाह – राजाओं का घर/मगध की प्रारंभिक राजधानी मौर्य साम्राज्य के राजनीतिक केंद्र – राजधानी पाटलिपुत्र– पटना (आधुनिक बिहार की राजधानी/गंगा– सोन नदी के संगम पर), स्वर्ण गिरी– सोने का पहाड़ (कर्नाटक), कलिंग– आधुनिक उड़ीसा, उज्जयिनी – आधुनिक मध्यप्रदेश, तक्षशिला– वर्तमान पाकिस्तान में स्थित मौर्यकालीन राजनैतिक केंद्र जो लंबी दूरी वाले महत्वपूर्ण व्यापारिक मार्ग पर स्थित था।, पुहार– तमिलनाडु समुद्र तट पर स्थित बंदरगाह, तमिलकम– तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और केरल के कुछ हिस्से। माट–मथुरा के पास का क्षेत्र (उत्तर प्रदेश)।

शेखावाटी मिशन–100

वस्तुनिष्ठ प्रश्नः–

1. ईस्ट इंडिया कंपनी के एक अधिकारी जेम्स प्रिंसेप के संबंध में सत्य कथन हैः–

(a) जेम्स प्रिंसेप ने खरोष्ठी लिपि का अर्थ निकाला।

(b) अधिकांश अभिलेखों और सिक्कों पर पियदस्सी यानी मनोहर मुखाकृति वाले राजा का नाम लिखा है।

(b) कुछ अभिलेखों पर राजा का नाम अशोक भी लिखा है।

(d) उपरोक्त सभी। **(d)**

2. छठी शताब्दी ईसा पूर्व के संबंध में सत्य कथन हैः–

(a) भारतीय इतिहास में इसे एक महत्वपूर्ण परिवर्तनकारी काल माना जाता है।

(b) इसे आरंभिक राज्य, नगरों तथा लोहे के बढ़ते प्रयोग और सिक्कों के विकास के साथ जोड़कर देखा जाता है।

(c) इसी काल में बौद्ध एवं जैन सहित विभिन्न दार्शनिक विचारधाराओं का विकास हुआ।

(d) उपरोक्त सभी। **(d)**

3. मेगस्थनीज ने सैनिक गतिविधियों के संचालन के लिए एक समिति और ..... उप समितियों का उल्लेख किया है–

(a) 5 (b) 6 (c) 8 (d) 10 **(b)**

4. दक्कन और उससे दक्षिण के क्षेत्र में स्थित तमिलकम में किन सरदारों का उद्भव हुआ।

(a) चोल (b) चेर (c) पाण्डेय (d) उपरोक्त सभी। **(d)**

5. .....शासकों ने अपने नाम के आगे देवपुत्र की उपाधि लगाई है –

(a) कुषाण (b) मौर्य (c) गुप्त (d) सातवाहन **(a)**

6. .....शासकों ने प्रतिमा और नाम के साथ सबसे पहले सिक्के शासकों ने जारी किए थे –

(a) मौर्य (b) हिंद–यूनानी (c) गुप्त (d) कुषाण **(b)**

7. सोने के सिक्के बड़े पैमाने पर प्रथम शताब्दी ईस्वी मे.....ने जारी किए थे –

(a) मौर्य (b) कुषाण (c) गुप्त (d) वाकाटक **(b)**

8. आधुनिक भारतीय भाषाओं में प्रयुक्त लगभग सभी लिपियों का मूल..... है –

(a) ब्राह्मी लिपि (b) खरोष्ठी (c) अरामईक (d) यूनानी **(a)**

9. पश्चिमोत्तर अभिलेखों में प्रयुक्त लिपि है–

(a) खरोष्ठी (b) प्राकृत (c) पाली (d) संस्कृत **(a)**

रिक्त स्थान एवं अति लघुत्तरात्मक प्रश्नः–

1. ..... के नाम से प्रसिद्ध राज्यों में कई लोगों का समूह शासन करता था।

उत्तर– गण और संघ।

2. भगवान महावीर और भगवान बुद्ध ..... से संबंधित थे।

उत्तर– गणों।

3. छठी शताब्दी ईसा पूर्व से संस्कृत में ब्राह्मणों ने ..... नामक ग्रंथों की रचना शुरु की।

उत्तर– धर्मशास्त्र।

4. मौर्य साम्राज्य के संस्थापक ..... का शासन पश्चिमोत्तर ..... तक फैला था।

उत्तर–चंद्रगुप्त मौर्य, अफगानिस्तान और बलूचिस्तान।

शेखावाटी मिशन–100

5. धम्म के प्रचार के लिए अशोक ने..... नामक विशेष अधिकारियों की नियुक्ति की।

उत्तर– धम्म महामात्त।

6. सिलप्पादिकारम .....है।

उत्तर– तमिल महाकाव्य।

7. कुषाण शासकों की विशालकाय मूर्तियां कहां लगाई गई थी?

उत्तर– उत्तर प्रदेश में मथुरा के पास माट में।

8. कुषाण शासको को प्रेरित करने वाले चीनी शासक स्वयं को ..... कहते थे।

उत्तर– स्वर्ग–पुत्र।

9. गुप्त शासकों का इतिहास किन स्त्रोतों की सहायता से लिखा गया है?

उत्तर–साहित्य, सिक्कों और अभिलेखों तथा कवियों द्वारा अपने राजा या स्वामी की प्रशंसा में लिखी गई प्रशस्तियों की सहायता से।

10. इलाहाबाद स्तंभ लेख..... के नाम से प्रसिद्ध है।

उत्तर– प्रयाग प्रशस्ति।

11. हरिषेण कौन था ?

उत्तर–समुद्रगुप्त का राजकवि जिसने प्रयाग प्रशस्ति की रचना संस्कृत भाषा में की।

12. सुदर्शन झील का पुनर्निर्माण किसने करवाया ? ?

उत्तर– शक शासक रुद्रदामन ने।

13. जातक कथाएं कब व किस भाषा में लिखी गई थी?

उत्तर– जातक कथाएं पहली सहस्त्राब्दी ईसवी के मध्य/पाली भाषा में लिखी गई थी।

14. कुटिल राजा की कहानी जिससे प्रजा दुःखी रहती थी, किस जातक में बताई गई है?

उत्तर– गंदतिन्दु जातक में।

15. किसान खासतौर पर क्यों त्रस्त रहते थे?

उत्तर–क्योंकि शासक अपने राजकोष को भरने के लिए बड़े बड़े करो की मांग करते थे।

16. पाली भाषा में गणपति का प्रयोग किसके लिए किया जाता है ?

उत्तर–छोटे किसानों और जमीदारों के लिए।

17. आरंभिक तमिल संगम साहित्य में गांव के किन वर्गों का उल्लेख है?

उत्तर–वेल्लालर (बड़े जमीदार), उल्वर (हलवाहा) और दास अणिमई जैसे वर्गों का।

शेखावाटी मिशन 100 की कक्षा 10 एवं 12 के विभिन्न विषयों की नवीनतम बुकलेट डाउनलोड करने हेतु टेलीग्राम QR CODE स्कैन करें

18. मनुस्मृति क्या है?

उत्तर–आरंभिक भारत का सबसे प्रसिद्ध विधि ग्रंथ जिसे संस्कृत भाषा में दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व से दूसरी शताब्दी ईस्वी के बीच लिखा गया।

19. जातक कथाओं के अनुसार करों के बचने के लिए जनता क्या उपाय करती थी ?

उत्तर–इससे बचने के लिए एक उपाय जंगल की ओर भाग जाना होता था।

20. भूमि दान क्या थे ?

उत्तर–वे साधारण तौर पर धार्मिक संस्थाओं या ब्राह्मणों को दिए गए दान थे।

शेखावाटी मिशन–100

21. प्रभावती गुप्ता कौन थी ?

उत्तर–आरंभिक भारत के सबसे महत्वपूर्ण शासक चंद्रगुप्त द्वितीय की पुत्री जिसने अपने पति की मृत्यु के बाद शासन किया।

22. हर्षचरित के लेखक कौन थे ?

उत्तर– हर्षवर्धन के राजकवि बाणभट्ट।

23. किन लोगों पर अधिकारियों, सामंतों का नियंत्रण नहीं था ?

उत्तर–पशुपालक, संग्राहक, शिकारी, मछुआरे, शिल्पकार, घुमक्कड़ तथा एक ही स्थान पर रहने वाले और जगह–जगह घूम कर खेती करने वाले लोग।

24. उत्तरी कृष्ण मार्जित पात्र किसे कहा गया है?

उत्तर–उत्कृष्ट श्रेणी के मिट्टी के कटोरे और थालियां जिन पर चमकदार कली चढ़ी है।

25. श्रेणी क्या थी?

उत्तर– उत्पादकों और व्यापारियों के संघ।

26. मस्तथुवन, सत्थवाह और सेट्टी कौन थे ?

उत्तर–बड़े, सफल और धनी व्यापारी।

27. सबसे पहले कौन से सिक्के प्रयोग में लाए गए?

उत्तर–चांदी और तांबे के आहत सिक्के।

28. पंजाब और हरियाणा जैसे क्षेत्रों में.....ने भी अपने सिक्के जारी किए थे?

उत्तर–यौधेय कबायली गणराज्यों।

29. प्राचीनतम अभिलेख वस्तुतः..... में थे।

उत्तर– प्राकृत।

30. प्रतिवेदक कौन थे और इनकी नियुक्ति किसने आरंभ की?

उत्तर–सम्राट अशोक द्वारा नियुक्त लोगों के समाचार राजा तक पहुंचाने वाले संवाददाता।

31. अशोक के धर्म के सिद्धांत ..... थे।

उत्तर–सरल और सार्वभौमिक।

32. प्रभावती गुप्त का दंगुन गांव अभिलेख कब और किसके द्वारा उत्कीर्ण किया गया?

उत्तर– शासन के 13 वें वर्ष चक्रदास द्वारा।

33. प्रभावती गुप्त द्वारा दंगुन गांव का दान किसे किया गया ?

उत्तर–आचार्य चनालस्वामी को।

34. कुटुंबिन कौन होते थे ?

उत्तर–गांव के गृहस्थ और कृषक।

35. मौर्यकालीन सैनिक और प्रशासनिक संगठन के बारे में विस्तृत विवरण किस ग्रंथ में मिलते हैं?

उत्तर–अर्थशास्त्र में (चाणक्य/कौटिल्य द्वारा लिखित)

36. अग्रहार क्या है?

उत्तर–अग्रहार वह भूभाग था जो शासको द्वारा ब्राह्मणों को दान मे दिया जाता था और यह भूमि करमुक्त होती थी।

शेखावाटी मिशन 100 की कक्षा 10 एवं 12 के विभिन्न विषयों की नवीनतम बुकलेट डाउनलोड करने हेतु टेलीग्राम QR CODE स्कैन करें

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्नः–

1. मगध के शक्तिशाली राज्य के रूप में उदय के कारणों को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर–छठी शताब्दी ईस्वी पूर्व में आधुनिक बिहार स्थित मगध सबसे शक्तिशाली महाजनपद बना क्योंकि मगध क्षेत्र में उर्वरता के कारण उपज अच्छी होती थी। लोहे की खदानों (आधुनिक झारखंड) के भी समीप होने से उपकरण और हथियार बनाना सुलभ हो गया था। यहां आस–पास के जंगली क्षेत्रों में हाथी उपलब्ध थे जो सेना के एक महत्वपूर्ण अंग थे। गंगा और इसकी उप नदियों से आवागमन सस्ता एवं सुलभ था। साथ ही जैन और बौद्ध लेखकों के अनुसार मगध की महता का प्रमुख कारण विभिन्न शासकों की नीतियों को बताया गया है जिनमें बिंबिसार, अजातशत्रु और महापदमनंद जैसे प्रसिद्ध एवं अति महत्वाकांक्षी शासक तथा उनकी नीतियों को लागू करने वाले उनके योग्य मंत्री थे। जिनके परिणाम स्वरूप मगध का उदय एक शक्तिशाली महाजनपद के रूप में हुआ।

2. महाजनपदों की प्रमुख विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।

उत्तर–छठी शताब्दी ईस्वी पूर्व से अस्तित्व में आये अधिकांश महाजनपद राजा द्वारा शासित होते थे लेकिन कुछ महाजनपदों में गण और संघ के नाम से समूह शासन भी होता था। भूमि सहित अनेक आर्थिक स्रोतों पर राजा / गण का सामूहिक नियंत्रण होता था। प्रत्येक महाजनपद की किलेबंद राजधानी होती थी, जिसमें सुरक्षा एवं राज्य कार्य हेतु सेना व व्यवस्थित नौकरशाही होती थी। उस काल में रचित धर्मशास्त्रों के अनुसार राजा क्षत्रिय वर्ण से ही होना चाहिए था तथा अन्य सभी के लिए नियम निर्धारित थे। आर्थिक स्रोत के रूप में राजा किसानों, व्यापारियों और शिल्प कारों से कर वसूलते थे तथा पड़ोसी राज्यों पर आक्रमण भी संपत्ति जुटाने का एक वैध उपाय माना जाता था। कुछ महाजनपदों में स्थाई सेनाएं थी जबकि कुछ राज्य अभी भी कृषक वर्ग से की जाने वाली सहायक सेना पर निर्भर थे।

3. अभिलेख क्या हैं तथा उनका ऐतिहासिक महत्व बताइए।

उत्तर–वे प्राचीन लेख जो पत्थर, धातु या मिट्टी जैसी कठोर सतह पर खुदे होते हैं या लिखे होते हैं, अभिलेख कहलाते हैं। अभिलेख इतिहास जानने के प्रमुख स्रोत होते हैं। इनके माध्यम से शासक अपनी उपलब्धियों तथा राजाज्ञाओं को प्रजा तक पहुंचाते थे एवं शासक अपनी सभी महत्वपूर्ण गतिविधियों को अभिलेखों के माध्यम से ही प्रकाशित करवाते थे। अभिलेखों द्वारा हमें तत्कालीन समय की सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक एवं आर्थिक क्रियाकलापों के बारे में जानकारी मिलती है। उदाहरण स्वरूप सम्राट अशोक के अभिलेखों की तात्कालिक इतिहास लेखन में महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

4. अशोक द्वारा लागू किए गए प्रशासनिक सुधारों के बारे में बताइए।

उत्तर– अशोक मौर्य वंश का सबसे प्रतापी शासक था तथा उसने एक विशाल साम्राज्य की स्थापना की। अशोक ने साम्राज्य में विभिन्न स्थानों पर शिलालेख लगवा कर नागरिकों से संपर्क स्थापित किया और प्रतिवेदकों के माध्यम से जनता की सूचना एकत्र करने की व्यवस्था की। अशोक ने युद्ध नीति का त्याग कर धम्म नीति का अनुसरण किया। जनता के लिए कल्याणकारी कार्य करवाए एवं धम्म प्रचार के लिए धम्म महामात्त नामक विशेष अधिकारियों की नियुक्ति की तथा अपने धम्म के प्रचार के माध्यम से साम्राज्य को अखंड बनाए रखने का प्रयास किया।

5. भारतीय राजनीतिक इतिहास के अध्ययन में जेम्स प्रिंसेप के शोध कार्यों का योगदान बताइए।

उत्तर– जेम्स प्रिंसेप ईस्ट इंडिया कंपनी का अधिकारी था जिसने 1838 ई. में अशोककालीन ब्राह्मी लिपि का अर्थ निकाला तथा शिलालेख प्राप्त किए, जिनमें सम्राट अशोक का वर्णन था एवं बौद्ध ग्रंथों के सर्वाधिक लोकप्रिय शासक अशोक देवानां पियदस्सी के साथ उनका संबंध स्थापित किया। उनके शोध कार्य से भारतीय राजनीतिक इतिहास के अध्ययन को नई दिशा मिली क्योंकि विद्वानों ने प्रमुख राजवंशों की वंशावली की पुनर्रचना के लिए और अन्य भाषाओं के अभिलेखों तथा ग्रंथों के

शेखावाटी मिशन–100

अध्ययन हेतु इसका उपयोग किया। जिसके परिणाम स्वरूप बीसवीं शताब्दी तक भारत के इतिहास की राजनीतिक रूपरेखा स्पष्ट होकर हमारे सामने आई।

6. अशोक की धम्म नीति क्या थी?

उत्तर– नागरिकों के नैतिक उत्थान हेतु अशोक ने धम्म नीति लागू की। अशोक के धम्म के सिद्धांत बहुत ही साधारण एवं सार्वभौमिक थे जिसके अनुसार लोगों का जीवन इस संसार में और इसके बाद के संसार में अच्छा रहेगा तथा इसका उद्देश्य लोगों के जीवन को कल्याणकारी बनाना था। जिसमें मुख्य रूप से शामिल था– बड़ों का आदर करना, सन्यासियों तथा ब्राह्मणों के प्रति उदारता एवं सेवक और दासों के साथ उदार व्यवहार व दूसरे धर्मो के प्रति सहिष्णुता एवं परंपराओं का आदर । अशोक ने धम्म नीति के प्रचार के लिए धम्म महामात्त नामक राजकीय अधिकारियों की नियुक्ति की। साथ ही कई इतिहासकारों का यह भी मानना है कि अशोक ने धम्म से साम्राज्य को अखंड बनाए रखने का प्रयास किया।

7. छठी शताब्दी ईस्वी पूर्व से छठी शताब्दी ईस्वी तक कृषि के क्षेत्रों में आए मुख्य परिवर्तनों पर चर्चा कीजिए ?

उत्तर– छठी शताब्दी ईसा पूर्व से छठी शताब्दी ईस्वी में उत्पादकता को बढ़ाने के लिए लोहे के फाल वाले हल का प्रयोग, गंगा की घाटी में धान की रोपाई, सिंचाई के लिए कुओं, तालाबों, नहरों का निर्माण एवम् पंजाब और राजस्थान जैसे अर्द्धशुष्क जमीन वाले क्षेत्रों में खेती के लिए कुदाल का प्रयोग महत्वपूर्ण परिवर्तन थे जो इस काल में दृष्टिगोचर होते हैं। उपज बढ़ाने के साधनों पर नियंत्रण के कारण बड़े–बड़े जमींदार और ग्राम प्रधान अधिक शक्तिशाली हो गए तथा किसानों पर अधिक नियंत्रण स्थापित हुआ। शासक वर्ग ने भूमि दान के द्वारा कृषि को नए क्षेत्रों को प्रोत्साहित करने की नीति अपनाई।

8. मौर्य वंश के बारे में जानकारी प्राप्त करने के स्रोत बताइए।

उत्तर–मौर्य साम्राज्य के इतिहास की पुनर्रचना के लिए विभिन्न प्रकार के स्रोतों का उपयोग किया गया है। पुरातात्विक प्रमाणों में विशेष रूप से मूर्ति कला तथा समकालीन रचनाएं भी मूल्यवान स्रोत हैं। जैसे– (i) चंद्रगुप्त मौर्य के दरबार में यूनानी राजदूत मेगस्थनीज द्वारा लिखा गया वर्णन (इंडिका) जिसके कुछ अंश ही आज उपलब्ध हैं, (ii) एक अन्य स्रोत जिसका उपयोग किया जाता है, वह है– कौटिल्यकृत अर्थशास्त्र। साथ ही मौर्य शासकों का उल्लेख परवर्ती जैन, बौद्ध और पौराणिक ग्रंथों तथा संस्कृत ग्रंथों में भी मिलता है। ये सभी साक्ष्य बहुत उपयोगी हैं लेकिन पत्थरों और स्तंभ पर मिले अशोक के अभिलेख मौर्यकालीन इतिहास सबसे महत्वपूर्ण स्रोत माने जाते हैं।

9. आरंभिक इतिहासकारों के लिए मौर्य साम्राज्य क्यों महत्वपूर्ण था?

अथवा

मौर्य साम्राज्य का महत्व बताइए?

अथवा

बीसवीं सदी के राष्ट्रवादी नेताओं ने अशोक को प्रेरणा स्रोत क्यों माना?

उत्तर– इतिहासकारों ने जब भारत के आरंभिक इतिहास की रचना शुरू की तो मौर्य साम्राज्य को इतिहास का एक प्रमुख काल माना गया। इस समय भारत ब्रिटिश साम्राज्य के अधीन एक औपनिवेशिक देश था। उन्नीसवीं और आरंभिक बीसवीं सदी के भारतीय इतिहासकारों को प्राचीन भारत में एक ऐसे साम्राज्य की स्थापना की संभावना बहुत चुनौतीपूर्ण तथा उत्साहवर्धक लगी। साथ ही प्रस्तर मूर्तियों सहित मौर्यकालीन सभी पुरातत्व एक अद्भुत कला के प्रमाण थे जो साम्राज्य की पहचान माने जाते थे। अभिलेखों पर लिखें संदेश से इतिहासकारों को अनुभव हुआ कि अन्य राजाओं के अपेक्षा अशोक एक बहुत शक्तिशाली और परिश्रमी तथा लोक कल्याणकारी शासक था। यही कारण है कि बीसवीं सदी के राष्ट्रवादी नेताओं ने भी अशोक को प्रेरणा स्रोत माना।

शेखावाटी मिशन–100

10. साक्ष्य के रूप में अभिलेखों की क्या सीमाएं होती हैं ?

उत्तर–अभिलेखों में अक्षरों को कभी कभी हल्के ढंग से उत्कीर्ण किया जाता था, जिन्हें पढ़ पाना मुश्किल होता है। साथ अभिलेख नष्ट हो जाते हैं, जिनसे अक्षर लुप्त हो जाते हैं। इसके अलावा अभिलेखों के शब्दों के वास्तविक अर्थ के बारे में पूर्ण रूप से ज्ञान सदैव नहीं हो पाता क्योंकि कुछ अर्थ किसी विशेष स्थान या समय से संबंधित होते हैं। यह जरूरी नहीं है कि जिसे हम आज राजनीतिक और आर्थिक रूप से महत्त्वपूर्ण मानते हैं उन्हें अभिलेखों में अंकित किया ही गया हो क्योंकि प्रायः अभिलेख बड़े और विशेष अवसरों का वर्णन करते हैं तथा अभिलेख हमेशा उन्हीं व्यक्तियों के विचार व्यक्त करते हैं जो उन्हें बनवाते थे। आमजन के विषय में इनसे ज्यादा जानकारियां प्राप्त नहीं होती हैं तथा अभी तक जो अभिलेख प्राप्त हुए है वो संभवतः कुल अभिलेखों के अंश मात्र ही हैं।

पाठ–3
बंधुत्व, जाति तथा वर्ग
अंकभार–6

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. महाभारत के समालोचनात्मक संस्करण को तैयार करने में कितना समय लगा ?

(अ) 45 वर्ष (ब) 46 वर्ष (स) 47 वर्ष (द) 48 वर्ष **(स)**

2. महाभारत की मूल भाषा कौन–सी है ?

(अ) पाली भाषा (ब) संस्कृत (स) हिंदी (द) तमिल **(ब)**

3. किस राजवंश में राजाओं के नाम से पूर्व माताओं (मातृनाम) का नाम लिखा जाता था/ अथवा किन शासकों को उनके मातृनाम से जाना जाता था ?

(अ) सातवाहन (ब) गुप्त (स) मौर्य (द) शक **(अ)**

4. मनुस्मृति का संकलन किस भाषा में हुआ था ?

(अ) पाली भाषा (ब) हिन्दी भाषा (स) तमिल भाषा (द) संस्कृत भाषा **(द)**

5. धर्मसूत्र और धर्मशास्त्र विवाह के ..... प्रकारों को अपनी स्वीकृति देते हैं ?

(अ) 4 (ब) 6 (स) 8 (द) 10 **(स)**

6. सातवाहन कुल के सबसे प्रसिद्ध शासक कौन थे ?

(अ) गोतमी–पुत्त सिरी–सातकनि (ब) वसिथि–पुत्त सिरि–पुलुमायि

(स) गोतमि–पुत्त सामि–यन–सातकनि (द) इनमें से कोई नहीं **(अ)**

7. आरम्भिक संस्कृत परम्परा में महाभारत को किस श्रेणी में रखा जाता है ?

(अ) विज्ञान (ब) इतिहास (स) भूगोल (द) गणित **(ब)**

8. विशाल महाकाव्य महाभारत में वर्तमान में कितने श्लोक है ?

(अ) एक लाख श्लोक से अधिक। (ब) दो लाख से अधिक **(अ)**

(स) दस हजार से अधिक (द) पचास हजार से अधिक

9. पिता से पुत्र फिर पौत्र, प्रपौत्र को संपत्ति किस व्यवस्था के तहत मिलती है ? **(स)**

(अ) रूढ़िवादिता (ब) मातृवंशिकता (स) पितृवंशिकता (द) इनमें से कोई नहीं

10. विवाह के किस प्रकार में वैवाहिक संबंध समूह के मध्य ही होते हैं ?

शेखावाटी मिशन–100

(अ) बहिर्विवाह (ब) अंतर्विवाह (स) बहुपत्नी प्रथा (द) बहुपति प्रथा **(ब)**

11. वर्ण व्यवस्था को दैवीय व्यवस्था प्रमाणित करने के लिए किस वेद का उदाहरण दिया जाता था ?

(अ) ऋग्वेद (ब) यजुर्वेद (अ) सामवेद (द) अर्थर्ववेद **(अ)**

12. धर्मसूत्र और धर्मशास्त्रों मे कितने प्रकार के विवाह को सही/उत्तम माना जाता हैं ?

(अ) 2 (ब) 4 (स) 6 (द) 8 **(ब)**

13. साहित्य परंपरा में महाभारत के रचयिता कौन हैं ?

(अ) व्यास/वेदव्यास जी (ब) भाट सारथी (स) सूत (द) वाल्मीकि **(अ)**

14. वी.एस. सुकथांकर कौन थे ?

(अ) संस्कृत के विद्वान (ब) तमिल के विद्वान

(स) हिंदी के विद्वान (द) कन्नड़ के विद्वान। **(अ)**

15. चाण्डालों के बारे में कौन–सा कथन सत्य नहीं हैं ?

(अ) गांव से बाहर रहना (ब) लोहे के आभूषण पहनना

(स) फेंके हुए बर्तन का इस्तेमाल करना (द) यज्ञ में भाग लेना **(द)**

रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–

1. ..... में प्रसिद्ध संस्कृत विद्वान .....के नेतृत्व में महाभारत के समालोचनात्मक संस्करण को तैयार करने की महत्त्वाकांक्षी परियोजना की शुरुआत हुई ?

उत्तर– 1919 ई., वी.एस. सुकथांकर

2. अधिकतर राजवंश (लगभग छठी शताब्दी ई.पू. से) ..... प्रणाली का अनुसरण करते थे।

उत्तर – पितृवंशिकता

3. .....शौर्य, युद्ध और वर्षा के एक प्रमुख देवता थे।

उत्तर– इंद्र

4. धर्मसूत्रों और धर्मशास्त्रों में ..... के लिए आदर्श जीविका से जुड़े कई नियम मिलते हैं।

उत्तर– चारों वर्णों

5. शास्त्रों के अनुसार केवल ..... राजा हो सकते थे।

उत्तर– क्षत्रिय

6. आरंभिक अभिलेखों में से एक में प्रसिद्ध शक राजा ..... द्वारा सुदर्शन सरोवर के जीर्णोद्धार का वर्णन मिलता है।

उत्तर– रुद्रदामन/रुद्रदमन

7. पांचाल नरेश ..... ने एक स्वयंवर का आयोजन किया। ?

उत्तर– द्रुपद

8. महाश्वेता देवी की लघुकथा का शीर्षक ..... है।

उत्तर – कुंती ओ निषादी

9. शवों की अंत्येष्टि और मृत पशुओं को छूने वालों को ..... कहा जाता था।

उत्तर– चाण्डाल

10. ..... में चाण्डालों के कर्तव्यों की सूची मिलती है।

शेखावाटी मिशन–100

उत्तर– मनुस्मृति

11. महाभारत की मुख्य कथा ..... के बीच हुए युद्ध का चित्रण है।

उत्तर– दो परिवारों (कौरव और पांडव)

12. परिवार एक बड़े समूह का हिस्सा होते हैं जिन्हें हम ..... कहते हैं।

उत्तर– संबंधी

13. .....बांधवों के दो दलों कौरव और पाण्डव के बीच भूमि और सत्ता को लेकर हुए संघर्ष का चित्रण करती है।

उत्तर– महाभारत

14. प्रत्येक गोत्र एक .....के नाम पर होता था।

उत्तर– वैदिक ऋषि

15. सातवाहन शासक ..... भारत पर शासन करते थे ?

उत्तर– दक्षिण पश्चिम

16.. आप जाति शब्द से परिचित होंगे जो एक .....वर्गीकरण को दर्शाता है।

उत्तर– सोपानात्मक सामाजिक

17. .....और ..... में चारों वर्णों के लिए आदर्श जीविका से जुड़े कई नियम मिलते हैं।

उत्तर– धर्मसूत्रों और धर्मशास्त्रों

18. आख्यान में ..... का संग्रह है और उपदेशात्मक भाग में ..... के मानदंडों का चित्रण हैं।

उत्तर– कहानियों, सामाजिक आचार–विचार

19.. महाभारत की मूल कथा के रचयिता ..... थे।

उत्तर– भाट सारथी (महाभारत की मूल कथा के रचयिता भाट सारथी थे जिन्हें सूत कहा जाता था)

20. .....में पुरातत्ववेत्ता ने ..... मेरठ जिले के ..... नामक एक गांव में उत्खनन किया।

उत्तर– 1951–52, बी. बी. लाल, हस्तिनापुर

21.. बी.बी. लाल को हस्तिनापुर आबादी के .....के साक्ष्य मिले थे।

उत्तर– पाँच स्तरों

22. जाति ..... पर आधारित थी।

उत्तर– जन्म

23. .....को शंका की दृष्टि से देखा जाता था। इन्हें असंस्कृत भाषी, म्लेच्छ समझा जाता था।

उत्तर – यायावर पशुपालकों

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न–

1.. महाभारत के समालोचनात्मक संस्करण को तैयार करने का कार्य कब व किसके नेतृत्व में प्रारंभ हुआ?

उत्तर– 1919 ई. में प्रसिद्ध संस्कृत विद्वान वी.एस. सुकथांकर के नेतृत्व में महाभारत का समालोचनात्मक संस्करण तैयार करने की परियोजना की शुरुआत हुई।

2. महाभारत का युद्ध किन दो दलों के मध्य हुआ और क्यों हुआ? या महाभारत की मुख्य कथा किनके मध्य हुए युद्ध का चित्रण करती हैं ?

उत्तर– महाभारत का युद्ध कुरु जनपद के कुरु वंश से संबंधित दो दलों कौरव और पांडवों के बीच भूमि और

शेखावाटी मिशन–100

सता/शासन को लेकर हुआ।

3. इतिहासकार महाभारत ग्रंथ की विषयवस्तु को किन दो मुख्य शीर्षकों के अंतर्गत रखते हैं ?

उत्तर– इतिहासकार महाभारत ग्रंथ की विषयवस्तु को दो मुख्य शीर्षकों के अंतर्गत रखते हैंः–

(i) आख्यान– इसमें कहानियों का संग्रह है।

(ii) उपदेशात्मकः– इसमें सामाजिक आचार विचार के मापदण्डों का चित्रण हैं।

4. महाभारत का सबसे महत्वपूर्ण उपदेशात्मक अंश कौनसा है ?

उत्तर– महाभारत का सबसे महत्वपूर्ण उपदेशात्मक अंश भगवदगीता है, जहां कुरुक्षेत्र की युद्धभूमि में श्रीकृष्ण अर्जुन को उपदेश देते हैं।

5. महाभारत की सबसे चुनौतीपूर्ण उपकथा कौनसी है ?

उत्तर– महाभारत की सबसे चुनौतीपूर्ण उपकथा द्रौपदी से पांडवों के विवाह की है।

6. चाण्डाल किसे कहते हैं?

उत्तर– शवों की अंत्येष्टि और मृत पशुओं को छूने वालों को चाण्डाल कहा जाता था।

7. लगभग पांचवीं शताब्दी ईस्वी में चीन से भारत आए किस बौद्ध भिक्षु का कहना था कि अस्पृश्यों को सड़क पर चलते हुए करताल बजाकर अपने होने की सूचना देनी पड़ती थी ?

उत्तर– फा–शिएन

8. मनुस्मृति का संकलन कब और किस भाषा में हुआ ?

उत्तर– लगभग 200 ई. पू. से 200 ईस्वी के बीच संस्कृत भाषा में।

9. 1951–52 में किस पुरातत्ववेत्ता ने मेरठ जिले (उत्तरप्रदेश) के हस्तिनापुर नामक गांव में उत्खनन का कार्य किया ?

उत्तर– बी.बी. लाल ने

10. स्वयं को अनूठा ब्राह्मण और क्षत्रियों के दर्प का हनन करने वाला किस शासक ने बताया और वह किस राजवंश से संबंधित है ?

उत्तर– सातवाहन राजवंश के सबसे प्रसिद्ध शासक गोतमी पुत सिरि– सातकनि ने कहा

11. सातवाहन राजाओं को उनके मातृनाम (माता के नाम से उदभूत) से चिन्हित किया जाता था, तो क्या सातवाहन राजवंश में राज सिंहासन का उत्तराधिकार मातृवंशिक होता था ?

उत्तर– नहीं। सातवाहन राजाओं में राज सिंहासन का उत्तराधिकार पितृवंशिक ही होता था।

12. स्त्रीधन को परिभाषित कीजिए ?

उत्तर– विवाह के समय मिलें उपहारों पर स्त्रियों का स्वामित्व माना जाता था, इसे स्त्रीधन की संज्ञा दी जाती थी।

13. लगभग दूसरी शताब्दी ईस्वी में सुदर्शन झील/ सरोवर का जीर्णोद्धार किस शक शासक ने करवाया था ?

उत्तर– रुद्रदमन/रुद्रदामन ने

14. लगभग पांचवीं शताब्दी ईस्वी के किस अभिलेख से रेशम बुनकरों की एक श्रेणी का वर्णन मिलता है?

उत्तर– मंदसौर (मध्यप्रदेश) अभिलेख से

15. महाभारत का प्रथम पर्व/अध्याय कौनसा है ?

उत्तर– महाभारत का प्रथम अध्याय आदिपर्वन् है।

शेखावाटी मिशन–100

16. पुरुषसूक्त कहां से लिया गया हैं?

उत्तर – पुरुषसुक्त ऋग्वेद के दसवें मण्डल से लिया गया हैं।

17. दशपुर के नाम से किसे जाना जाता था ?

उत्तर– मंदसौर को

18. मंदसौर अभिलेख के अनुसार मंदसौर (मध्यप्रदेश) आयी रेशम बुनकरों की एक श्रेणी मूलतः कहाँ की निवासी थी ?

उत्तर– रेशम बुनकरों की एक श्रेणी मूलतः लाट (गुजरात) प्रदेश के निवासी थे और वहाँ से मंदसौर चले गए थे। मंदसौर को उस समय दशपुर के नाम से जाना जाता था।

19. ब्राह्मण ऋग्वेद के पुरुषसुक्त को वर्ण व्यवस्था को दैवीय व्यवस्था बताने के लिए बहुधा/प्रायः क्यों प्रयोग करते थे ?

उत्तर– अपनी मान्यता को प्रमाणित करने के लिए ब्राह्मण बहुधा ऋग्वेद के पुरुषसुक्त को इसलिए उध्दृत करते थे क्योंकि यह सुक्त उनकी श्रेष्ठता को प्रमाणित करता था। सूक्त के अनुसार ब्राह्मणों की उत्पत्ति ब्रह्मा के मुख से हुई इसलिए वह अन्य तीनों वर्णों से श्रेष्ठ है।

20. ब्राह्मणों द्वारा स्थापित दैवीय व्यवस्था में वर्ण कौन–कौन से थे ?

उत्तर– चार वर्ण थेः– **(i)** ब्राह्मण **(ii)** क्षत्रिय **(iii)** वैश्य **(iv)** शूद्र

21. कुरुओं की राजधानी का नाम बताइए ?

उत्तर– हस्तिनापुर

22. पांडवों की पत्नी द्रौपदी किसकी पुत्री थी ?

उत्तर– पांचाल नरेश द्रुपद की।

23. 'कुंती ओ निषादी लघुकथा' के लेखक कौन हैं?

उत्तर– बांग्ला लेखिका महाश्वेता देवी।

24. कौरव किसके पुत्र थे ?

उत्तर – कौरव धृतराष्ट्र एवं गांधारी के पुत्र थे।

शेखावाटी मिशन 100 की कक्षा 10 एवं 12 के विभिन्न विषयों की नवीनतम बुकलेट डाउनलोड करने हेतु टेलीग्राम QR CODE स्कैन करें

25. चारों वर्णों की उत्पत्ति का उल्लेख किस वैदिक ग्रंथ से मिलता है ?

उत्तर– सबसे प्राचीन वेद ऋग्वेद से (ऋग्वेद के 10 वें मंडल के पुरुषसुक्त में चारों वर्णों की उत्पत्ति का उल्लेख है)

26. कौरवों में ज्येष्ठ/ गांधारी का ज्येष्ठ पुत्र कौन था ?

उत्तर– दुर्योधन

27. किस सातवाहन शासक ने शक शासक रुद्रदमन/ रुद्रदामन के परिवार से विवाह संबंध स्थापित किए।

उत्तर– सातवाहन शासक गोत्तमी–पुत्त सिरी सातकनि ने

28. मज्झिमनिकाय किस भाषा में रचित हैं और किस धर्म से संबंधित है ?

उत्तर– पालि भाषा में रचित है, बौद्ध धर्म से संबंधित है।

29. किस बौद्ध ग्रंथ से राजा अवन्तिपुत्र और बुद्ध के अनुयायी कच्चन के बीच हुए संवाद का उल्लेख मिलता है ?

उत्तर– बौद्ध ग्रंथ मज्झिमनिकाय में

30. कुरु वंश के राजकुमारों को धनुर्विद्या की शिक्षा कौन देते थे? / कुरु वंश के राजकुमारों के गुरु कौन थे ?

उत्तर– द्रोणाचार्य / द्रोण (द्रोण के प्रिय शिष्य अर्जुन थे)

31. बहिर्विवाह पद्धति, अंतर्विवाह पद्धति से किस प्रकार भिन्न है ? अथवा बहिर्विवाह और अंतर्विवाह पद्धति से आप क्या

समझते हैं

उत्तर– (i) बहिर्विवाह पद्धतिः अपने गोत्र से बाहर विवाह करने को बहिर्विवाह पद्धति कहते हैं।

(ii) अंतर्विवाह पद्धतिः– अंतर्विवाह पद्धति में वैवाहिक संबंध अपने ही गोत्र, कुल में स्थापित होते हैं।

32. बहिर्विवाह पद्धति की कोई दो विशेषताएं बताइये ?

उत्तर– (i) इस विवाह पद्धति में वैवाहिक संबंध अपने गोत्र से बाहर स्थापित किए जाते हैं।

(ii) इस विवाह पद्धति में कन्यादान अर्थात विवाह में कन्या की भेंट को पिता का महत्वपूर्ण धार्मिक कर्तव्य माना गया।

33. मनुस्मृति में उल्लेखित पहली और चौथी विवाह पद्धति को समझाइये ?

उत्तर–(i) पहली विवाह पद्धति ब्रह्म विवाहः इसमें पिता वर को घर बुलाकर अपनी कन्या को सौंप देता था।

(ii) चौथी विवाह पद्धति प्रजापत्य विवाहः– इस विवाह के अन्तर्गत कन्या का पिता वर को कन्या प्रदान करते हुए यह आदेश देता था कि दोनों साथ–साथ मिलकर अपने कर्तव्यों का निर्वाह करें।

34. मनुस्मृति में उल्लेखित पाँचवी और छठीं विवाह पद्धति को समझाइये ? ?

उत्तर– (i) पाँचवीं विवाह पद्धति – असुर विवाहः यह विक्रय विवाह था। इसमें कन्या का पिता वर से कन्या का मूल्य लेकर बेच देता था।

(ii) छठीं विवाह पद्धति – गंधर्व विवाहः यह प्रेम विवाह था। इसमें स्त्री और पुरुष के बीच अपनी इच्छा से संयोग होता था।

35. क्या अधिकतर राजवंश पितृवंशिकता प्रणाली का अनुसरण करते थे ? इस प्रणाली में क्या विभिन्नताएं थीं ?

उत्तर– हाँ, अधिकतर राजवंश पितृवंशिकता प्रणाली (लगभग छठी शताब्दी ई.पू. से) का अनुसरण करते थे। – पितृवंशिकता प्रणाली में विभिन्नताएंः– हालांकि इस प्रथा में विभिन्नता थी कभी पुत्र के न होने पर एक भाई दूसरे का उत्तराधिकारी हो जाता था तो कभी बंधु – बांधव सिंहासन पर अपना अधिकार जमाते थे। कुछ विशेष परिस्थितियों में स्त्रियों जैसे प्रभावती गुप्त सत्ता का उपयोग करती थीं

36. गोत्र प्रणाली के दो नियमों का उल्लेख कीजिए?

उत्तर– (i) विवाह के पश्चात् स्त्रियों को पिता के स्थान पर पति के गोत्र का माना जाता था।

(ii) एक ही गोत्र के सदस्य आपस में विवाह संबंध नहीं रख सकते थे (यानि बहिर्विवाह पद्धति)

37. वर्ण और जाति में कोई दो अंतर बताईए ?

उत्तर– **वर्ण**	**जाति व्यवस्था**
(i) वर्णों की संख्या चार है।	**(i)** वर्ण मात्र चार थे, परंतु जातियों की कोई निश्चित संख्या नहीं थी।
(ii) वर्ण व्यवस्था को दैवीय व्यवस्था माना गया।	**(ii)**जाति जन्म पर आधारित व्यवस्था थी

38. मनुस्मृति में उल्लेखित चाण्डालों के कोई दो कर्तव्य बताइये ?

उत्तर– (i) बधिक (जल्लाद) के रूप में कार्य करते थे।

(ii) संबंधियों से विहीन मृतकों/शवों की अंत्येष्टि करना।

39. चाण्डालों को वर्ण व्यवस्था वाले समाज में सबसे निम्न कोटि/निचली श्रेणी में क्यों रखा जाता था ?

उत्तर– चाण्डालों को शवों की अंत्येष्टि करने तथा मृत पशुओं को छूने के कारण दूषित माना जाता था तथा उनके स्पर्श को भी अपवित्र माना जाता था। इस कारण उन्हें समाज की सबसे निचली श्रेणी में रखा जाता था।

40. मनुस्मृति में पुरुषों के लिए धन अर्जित करने के कितने तरीकों का वर्णन हैं ? किन्हीं दो का उल्लेख कीजिए।

शेखावाटी मिशन–100

उत्तर– मनुस्मृति के अनुसार पुरुष सात तरीकों से धन अर्जित कर सकता है– **(i)** विरासत **(ii)** खोज

41. मनुस्मृति में स्त्रियों के लिए धन अर्जित करने के कितने तरीकों का वर्णन हैं ? किन्हीं दो का उल्लेख कीजिए।

उत्तर– मनुस्मृति के अनुसार स्त्रियां छः तरीकों से धन अर्जित कर सकती है।

(i) वैवाहिक अग्नि के सामने मिली भेंट, **(ii)** वधूगमन के समय मिली भेंट

42. पितृवंशिकता एवं मातृवंशिकता में अंतर बताईए ? अथवा पितृवंशिकता और मातृवंशिकता किसे कहते हैं ?

उत्तर– (i) पितृवंशिकताः– वह वंश परम्परा जो पिता के बाद पुत्र, फिर पौत्र, प्रपौत्र आदि से चलती है, उसे पितृवंशिकता कहते हैं।

(ii) मातृवंशिकताः– मातृवंशिकता का अर्थ है वह वंश परम्परा, जो माँ से जुड़ी होती हैं।

43. 600 ईसा पूर्व से 600 ईस्वी तक के मध्य आर्थिक और राजनीतिक जीवन में हुए अनेक परिवर्तनों ने समकालीन समाज पर क्या प्रभाव छोड़ा ?

उत्तर– (i) वन क्षेत्रों में कृषि का विस्तार हुआ जिससे वहाँ रहने वाले लोगों की जीवनशैली में परिवर्तन हुआ।

(ii) शिल्प विशेषज्ञों के एक विशिष्ट सामाजिक समूह का उदय हुआ।

(iii) संपत्ति के असमान वितरण ने सामाजिक विषमताओं को अधिक प्रखर बनाया।

44. इतिहासकार किसी ग्रंथ का / साहित्यिक स्त्रोत का विश्लेषण करते समय अनेक पहलुओं पर विचार करते हैं। उन पहलुओं का उल्लेख कीजिए ?

उत्तर– (i) ग्रंथ की भाषा **(ii)** ग्रंथ की विषयवस्तु **(iii)** लेखक की जानकारी **(iv)** ग्रंथ का रचनाकाल

पाठ– 4
विचारक, विश्वास और इमारतें
अंकभार–7

रिक्त स्थान की पूर्ति करो–

1. ईसा..... पूर्व का काल विश्व इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ माना जाता है।

उत्तर – प्रथम सहस्त्राब्दी

2. .....अग्नि, इंद्र, सोम आदि कई देवताओं की स्तुति का संग्रह है।

उत्तर–ऋग्वेद

3. समकालीन बौद्ध ग्रंथों में हमें ..... संप्रदायों या चिंतन परंपराओं का उल्लेख मिलता है।

उत्तर–64

4. जैन धर्म की सबसे महत्त्वपूर्ण अवधारणा यह है कि ..... है।

उत्तर– संपूर्ण विश्व प्राणवान

5. .....उस युग के सबसे प्रभावशाली शिक्षकों में से एक थे।

उत्तर– बुद्ध

6. बौद्ध दर्शन के अनुसार विश्व..... है।

उत्तर– अनित्य

7. अंड के ऊपर एक..... होती है।

उत्तर– हर्मिका

@SHEKHAWAT IMISSION100
शेखावाटी मिशन 100 की कक्षा 10 एवं 12 के विभिन्न विषयों की नवीनतम बुकलेट डाउनलोड करने हेतु टेलीग्राम QR CODE स्कैन करें

8. हाथी ..... और .....के प्रतीक माने जाते थे।

उत्तर– शक्ति, ज्ञान

9. बोधिसत्तों को .....जीव माना गया।

उत्तर– परम करुणामय

10. वैष्णववाद में ..... अवतारों की कल्पना है।

उत्तर– दस

11. कैलाशनाथ मंदिर..... में है।

उत्तर– एलोरा (महाराष्ट्र)

12. शाहजहां बेगम की उत्तराधिकारी ..... हुई।

उत्तर– सुल्तानजहां बेगम

@SHEKHAWAT IMISSION100
शेखावाटी मिशन 100 की कक्षा 10 एवं 12 के विभिन्न विषयों की नवीनतम बुकलेट डाउनलोड करने हेतु टेलीग्राम QR CODE स्कैन करें

13. यदि आप दिल्ली से भोपाल की यात्रा करेंगे तो ..... के खूबसूरत स्तूप को देखेंगे।

उत्तर– साँची

14. ..... और..... जैसे जटिल यज्ञ सरदार और राजा किया करते थे।

उत्तर– राजसूय, अश्वमेध

15. जैन परम्परा के अनुसार महावीर स्वामी से पहले ..... शिक्षक हो चुके थे।

उत्तर– 23

16. .....वे महापुरुष थे जो पुरुषों और महिलाओं को जीवन की नदी के पार पहुंचाते हैं।

उत्तर– तीर्थंकर

17. जैन साधु और साध्वी ..... करते थे।

उत्तर– पाँच व्रत

18. बुद्ध की शिक्षाओं को ..... में दी गई कहानियों के आधार पर पुनर्निर्मित किया गया है।

उत्तर– सुत्त पिटक

लघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. ईसा पूर्व प्रथम सहस्त्राब्दी का काल विश्व इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ क्यों माना जाता है ?

उत्तर– (i) इस काल में ईरान में जरथुस्त्र, चीन में खुंगत्सी, यूनान में सुकरात, प्लेटो, अरस्तु, भारत में महावीर स्वामी, महात्मा बुद्ध आदि कई चिंतकों का उद्‌भव हुआ।

(ii) इसी समय गंगा घाटी में नए राज्य और शहर उभर रहे थे और सामाजिक एवं आर्थिक जीवन में कई तरह के बदलाव आ रहे थे।

2. जैन साधु और साध्वी द्वारा कौनसे पाँच व्रत/पंच महाव्रत का पालन किया जाता है ?

उत्तर– पंच महाव्रतः– (i) अहिंसा–जैन धर्म के पंच महाव्रतों में अहिंसा जैन दर्शन का केंद्र बिन्दु है।

(ii) सत्य (iii) अस्तेय–चोरी नहीं करना (iv) अपरिग्रह–धन संग्रह न करना (v) ब्रह्मचर्य (अमृषा)

3. जैन दर्शन के अहिंसा और संपूर्ण विश्व प्राणवान है, के सिद्धांत को समझाइए ?/ जैन दर्शन के किन्हीं दो प्रमुख सिद्धांतों का उल्लेख कीजिए ?/ जैन दर्शन की सबसे महत्त्वपूर्ण अवधारणा कौन–सी है और जैन दर्शन के किस सिद्धांत ने संपूर्ण भारतीय चिंतन परंपरा को प्रभावित किया?

शेखावाटी मिशन–100

उत्तर– (i) अहिंसाः– जैन धर्म के पंच महाव्रतों में अहिंसा जैन दर्शन का केंद्र बिन्दु है। जैन दर्शन में अहिंसा के सिद्धांत ने संपूर्ण भारतीय चिंतन परंपरा को प्रभावित किया है।

(ii) संपूर्ण विश्व प्राणवानः– जैन दर्शन की सबसे महत्वपूर्ण अवधारणा यह है कि संपूर्ण विश्व प्राणवान है। यह माना जाता है कि पत्थर, चट्टान और जल में भी जीवन होता है।

4. तीर्थंकर से आप क्या समझते हैं ?/ तीर्थंकर का अर्थ क्या है? और जैन धर्म में कुल कितने तीर्थंकर हुए ?

उत्तर– (i) जैन धर्म में वे महापुरुष जो पुरूषों और महिलाओं को जीवन की नदी के पार पहुँचाते है, तीर्थंकर कहलाते है।

(ii) जैन धर्म में कुल 24 तीर्थंकर हुए और जैन परम्परा के अनुसार महावीर स्वामी से पहले 23 शिक्षक/तीर्थंकर हो चुके थे। महावीर स्वामी 24 वें और अंतिम तीर्थंकर हुए थे ?

5. बुद्ध के संदेश भारत से बाहर कहां तक फैले ?/ बुद्ध के संदेश भारत के बाहर किन किन देशों में फैले ? नाम लिखिए।

उत्तर–बुद्ध के संदेश पूरे भारतीय उपमहाद्वीप में और उसके बाद मध्य एशिया होते हुए चीन, कोरिया, जापान और श्रीलंका से समुद्र पार कर म्यांमार, थाइलैंड और इंडोनेशिया तक फैले।

6. सिद्धार्थ/बुद्ध द्वारा संन्यास का रास्ता क्यों अपनाया गया, कारण लिखिए ?

उत्तर–सिद्धार्थ द्वारा संन्यास का रास्ता अपनाने के कारण–एक दिन जब सिद्धार्थ अपने सारथी के साथ नगर भ्रमण कर रहे थे, तब उन्होंने मार्ग में क्रमशः चार दृश्य देखें–(i) जर्जर शरीर युक्त वृद्ध व्यक्ति (ii) बीमार व्यक्ति (iii) मृत व्यक्ति/लाश (iv) प्रसन्न मुद्रा में संन्यासी

इनमें से प्रथम तीन दृश्यों को देखकर बुद्ध को अनुभूति हुई कि मनुष्य के शरीर का क्षय और अंत निश्चित है, जबकि प्रसन्नचित्त संन्यासी को देखकर लगा कि उसे मानो बुढ़ापे, बीमारी और मृत्यु से कोई परेशानी नहीं थी। इन दृश्यों को देखकर बुद्ध ने संन्यास का रास्ता अपनाने का निश्चय किया।

7. बुद्ध के अनुसार निर्वाण का अर्थ क्या है ?

उत्तर–बौद्ध धर्म के अनुसार मानव जीवन का चरम लक्ष्य है –निर्वाण प्राप्ति, निर्वाण का शाब्दिक अर्थ है दीपक का बुझ जाना, समूल नष्ट हो जाना अर्थात् जीवन–मरण के चक्र से मुक्त हो जाना, अहं और इच्छा का खत्म हो जाना।

8. बौद्ध परंपरा के अनुसार अपने शिष्यों के लिए बुद्ध का अंतिम निर्देश क्या था ?

उत्तर– "तुम सब अपने लिए खुद ही ज्योति बनो क्योंकि तुम्हें खुद ही अपनी मुक्ति का रास्ता ढूँढना है।"

9. बुद्ध ने किसके कहने/आग्रह पर महिलाओं को बौद्ध संघ में आने की अनुमति दी और बौद्ध संघ में प्रवेश करने वाली प्रथम महिला कौन थी ?

उत्तर– (i) बुद्ध ने अपने प्रिय शिष्य आनंद के कहने पर महिलाओं को बौद्ध संघ में आने की अनुमति दी।

(ii) बुद्ध की उपमाता (मौसी) महाप्रजापति गोतमी बौद्ध संघ में आने वाली पहली भिक्षुणी/महिला थी।

10. बौद्ध संघ की कार्यप्रणाली को संक्षेप में समझाइए ?/बौद्ध संघ की संचालन पद्धति को स्पष्ट कीजिए ?

उत्तर– बौद्ध संघों की प्रणाली जनतंत्रीय थी। संघीय कार्यों में प्रत्येक भिक्षु के अधिकार समान थे। संघ की सभा में रखे जाने वाले प्रस्ताव पर सदस्य बातचीत के माध्यम से एकमत होने की कोशिश करते थे। जिस विषय पर सदस्यों में मतभेद होता था, तो मतदान द्वारा निर्णय लिया जाता था।

11. बौद्ध भिक्षुओं और भिक्षुणियों के लिए नियमों का संग्रह किस ग्रंथ में मिलता है, किन्हीं दो नियमों का उल्लेख कीजिए ?

उत्तर– (i) विनय पिटकः– इस बौद्ध ग्रंथ में बौद्ध संघ संबंधी नियम, भिक्षु–भिक्षुणियों के आचार विचार तथा विधि निषेधों का संग्रह है।

शेखावाटी मिशन–100

(ii) (अ) एक भिक्षु के पास तीन वस्त्र, एक भिक्षापात्र, छुरा, सुई, कमर में बांधने के लिए एक छोटी पेटी और एक कमण्डल यही 8 व्यक्तिगत सम्पत्ति होती थी।

(ब) बौद्ध श्रमणों के आहार विहार संबंधी अनुशासन में बौद्ध भिक्षुओं को भिक्षा मांगने, भोजन का निमंत्रण स्वीकार करने, मठ में भेजी भेंट ग्रहण करने की अनुमति थी।

12. बौद्ध धर्म का तीव्रता से विस्तार होने के क्या कारण थे/ बुद्ध के जीवनकाल में और उनकी मृत्यु के बाद भी बौद्ध धर्म तेजी से फैला, कारण लिखिए ?/ आपकी दृष्टि में बौद्ध धर्म के तेजी से प्रसार के क्या कारण थे ? किन्हीं दो कारणों का उल्लेख कीजिए। अथवा आपके मतानुसार स्त्री– पुरुष बौद्ध संघ में क्यों जाते थे। कारण लिखिए ?

उत्तर–बुद्ध के जीवनकाल में और उनकी मृत्यु के बाद भी बौद्ध धर्म तेजी से फैला। इसका कारण यह था कि लोग समकालीन धार्मिक प्रथाओं से असंतुष्ट थे और उस युग में तेजी से हो रहे सामाजिक बदलावों ने उन्हें उलझनों में बाँध रखा था। बौद्ध शिक्षाओं में जन्म के आधार पर श्रेष्ठता की बजाय जिस तरह अच्छे आचरण और मूल्यों को महत्त्व दिया गया उससे महिलाएं और पुरुष इस धर्म की तरफ आकर्षित हुए। बौद्ध धर्म में खुद से छोटे और कमजोर लोगों की तरफ मित्रता और करुणा के भाव को महत्त्व देने के आदर्श काफी लोगों को भाए। इस कारण बहुत से स्त्री– पुरुष बौद्ध संघ में जाते थे।

13. स्तूप से आप क्या समझते हैं? ईसा पूर्व दूसरी सदी तक किन तीन स्थानों पर स्तूप बनाए जा चुके थे ?

उत्तर– बुद्ध के अस्थि अवशेषों या उनके द्वारा प्रयुक्त सामानों को किसी स्थान विशेष पर रखकर उन पर जिस अर्ध– वृत्ताकार इमारत का निर्माण किया गया, उन्हें ही स्तूप कहते है।

–स्तूप का शाब्दिक अर्थ है –ढेर/थूहा/टीला

–ईसा पूर्व दूसरी सदी तक भरहुत, साँची और सारनाथ जैसी जगहों पर स्तूप बनाए जा चुके थे।

14. बौद्ध दर्शन की दो प्रमुख मान्यताओं का उल्लेख कीजिए ?/ महात्मा बुद्ध की शिक्षाओं का उल्लेख कीजिए?/ बौद्ध दर्शन के प्रमुख सिद्धांतों में से विश्व अनित्य हैं और मध्यम मार्ग को समझाइए ?

उत्तर– (i) विश्व अनित्यः– बौद्ध दर्शन के अनुसार विश्व अनित्य है और लगातार बदल रहा है, यह आत्मा विहीन है क्योंकि यहाँ कुछ भी स्थायी या शाश्वत नहीं है। इस क्षणभंगुर दुनिया में दुःख मनुष्य के जीवन का अंतर्निहित तत्व है।

(ii) मध्यम मार्गः– बुद्ध के अनुसार घोर तपस्या और विषयासक्ति के बीच मध्यम मार्ग अपनाकर मनुष्य दुनिया के दुःखों से मुक्ति पा सकता है।

(iii) अनीश्वरवादः– बुद्ध ने ईश्वर को सृष्टिकर्ता के रूप में स्वीकार नहीं किया। उनका मानना है कि प्रत्येक वस्तु विशिष्ट परिस्थिति तथा कारण से उत्पन्न होती हैं। समाज का निर्माण इन्सानों ने किया था।

(iv) निर्वाणः– निर्वाण प्राप्ति, निर्वाण का शाब्दिक अर्थ है– दीपक का बुझ जाना, समूल नष्ट हो जाना अर्थात् जीवन–मरण के चक्र से मुक्त हो जाना, अहं और इच्छा का खत्म हो जाना।

15. बौद्ध धर्म के प्रवर्तक कौन थे, उनके जीवन और उनसे जुड़े स्थानों का संक्षिप्त परिचय दीजिए ? अथवा बौद्ध धर्म में लुम्बिनी, बोधगया, सारनाथ और कुशीनगर नामक स्थानों का क्या ऐतिहासिक महत्व है ?

उत्तर– बौद्ध धर्म के प्रवर्तक महात्मा बुद्ध थे। महात्मा बुद्ध के बचपन का नाम सिद्धार्थ था। बुद्ध के पिता शुद्धोधन कपिलवस्तु के शाक्य गणराज्य के प्रधान थे। लुम्बिनी बुद्ध का जन्म स्थान, बोधगया जहाँ बुद्ध ने ज्ञान प्राप्त किया, सारनाथ जहाँ बुद्ध ने ज्ञान प्राप्ति के बाद प्रथम उपदेश दिया, कुशीनगर जहाँ बुद्ध ने निब्बान/मृत्यु प्राप्त किया।

16. स्तूप क्यों या कहाँ बनाए जाते थे ? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर–बुद्ध के जीवन से जुड़ी जगहों एवं बौद्ध धर्म में कुछ अन्य स्थानों को पवित्र माना गया। इन पवित्र स्थानों पर स्तूपों का

शेखावाटी मिशन–100

निर्माण किया गया। सुत्त पिटक के हिस्से महापरिनिब्बान सुत्त से पता चलता है कि महात्मा बुद्ध के सबसे प्रिय शिष्य आनंद ने बार–बार आग्रह करके बुद्ध से उनके अवशेषों को संजोकर रखने की अनुमति ले ली थी। अशोकावदान नामक एक बौद्ध ग्रंथ के अनुसार असोक ने बुद्ध के अवशेषों के हिस्से हर महत्वपूर्ण शहर में बाँटकर उनके ऊपर स्तूप बनाने का आदेश दिया।

17. स्तूप की संरचना को समझाइए ?

उत्तर– स्तूप का प्रारम्भिक स्वरूप अर्द्ध गोलाकार मिलता है।

इसमें एक चबूतरे (मेधि) के ऊपर उल्टे कटोरे की आकृति का एक टीला बनाया जाता है, जिसे अण्ड कहते है। अण्ड स्थापत्य कला की दृष्टि से स्तूप का सबसे विशिष्ट तथा प्रधान भाग है। अण्ड की चोटी सिरे पर चपटी होती है, जिसके ऊपर धातु पात्र रखा जाता था। इसे हर्मिका कहते है। हर्मिका के बीच में एक यष्टि लगाई जाती थी। यष्टि के ऊपरी सिरे पर तीन छत्र लगाये जाते थे। स्तूप के चारों तरफ की दीवार को वेदिका कहा जाता है। कालांतर में वेदिका के चारों दिशाओं में प्रवेशद्वार भी बनाये गये तथा उन पर मेहराबदार तोरण लगाये गये।

18. स्तूप कैसे बनाए गए थे ? चर्चा कीजिए।

उत्तर– स्तूपों की वेदिकाओं और स्तंभों पर मिले अभिलेखों में स्तूप बनाने और सजाने के लिए दिए गए दान का पता चलता हैं। इन स्तूपों को बनाने में राजाओं (जैसे सातवाहन शासक), शिल्पकारों, व्यापारियों, श्रेणियों, भिक्षुओं और भिक्षुणियों ने दान दिया। इनके दान और सहयोग से ही स्तूप बनाए गए थे।

19. थेरी से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर–बौद्ध धर्म में ऐसी महिलाएं जिन्होंने निर्वाण प्राप्त कर लिया हो, थेरी कहलाती है।

20. किस मत/दर्शन में बोधिसत्त की अवधारणा उभरी ? बोधिसत्त की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए ?/बोधिसत्त कौन थे ?

उत्तर–(i) महायान बौद्ध मत में बोधिसत्त की अवधारणा उभरी।

(ii) बोधिसत्तों को परम करुणामय जीव माना गया जो अपने सत्कर्मों से पुण्य कमाते थे। इस पुण्य का प्रयोग दुनिया को दुखों से मुक्ति दिलाने एवं दूसरों की सहायता के लिए करते थे।

21. वैष्णव और शैव परम्परा में अंतर बताइए ?

उत्तर–वैष्णव परंपरा में विष्णु को सबसे महत्वपूर्ण देवता माना जाता है जबकि शैव परम्परा में शिव को सबसे महत्वपूर्ण देवता माना जाता है।

22. मंदिर स्थापत्य में गर्भगृह और शिखर से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर–(i) गर्भगृहः– मंदिर के जिस कमरे में देवता की मूर्ति स्थापित होती थी उसे गर्भगृह कहा जाता था।

(ii) शिखरः– मंदिर के गर्भगृह के ऊपर एक ऊँचा ढाँचा बनाया जाता था उसे शिखर कहा जाता था।

23. साँची क्यों बच गया, जबकि अमरावती नष्ट क्यों हो गया, बताइए ?

उत्तर–अमरावती की खोज 1797 ई. में हुई, जबकि साँची की खोज 1818 ई. में हुई। अमरावती की खोज के समय विद्वान इस बात के महत्त्व को नहीं समझ पाए थे कि किसी पुरातात्त्विक अवशेष को उठाकर ले जाने की बजाय खोज की जगह पर ही संरक्षित करना कितना महत्वपूर्ण था। भोपाल की बेगमों ने साँची के रख–रखाव के लिए धन का अनुदान दिया, जबकि अमरावती के लिए ऐसी व्यवस्था नहीं हो पायी।

24. फ्रांसीसी साँची के पूर्वी तोरणद्वार को फ्रांस क्यों ले जाना चाहते थे और इसे फ्रांस ले जाने की अनुमति किससे माँगी ?/फ्रांसीसी साँची स्तूप के पूर्वी तोरणद्वार को फ्रांस ले जाने के लिए क्यों बहुत उत्सुक थे?

शेखावाटी मिशन–100

उत्तर– फ्रांसीसियों ने सबसे अच्छी हालत में बचे साँची के पूर्वी तोरणद्वार को फ्रांस के संग्रहालय में प्रदर्शित करने के लिए उसे फ्रांस ले जाना चाहते थे। फ्रांसीसियों ने साँची के पूर्वी तोरणद्वार को फ्रांस ले जाने की इजाजत शाहजहां बेगम से मांगी।

25. साँची के स्तूप को किसने संरक्षण प्रदान किया ?

उत्तर– साँची के स्तूप को भोपाल के शासकों ने संरक्षण प्रदान किया जिनमें शाहजहाँ बेगम एवं सुल्तानजहाँ बेगम आदि प्रमुख थीं।

26. ईसा की प्रथम सदी के बाद बौद्ध अवधारणाओं और व्यवहार में कौनसे बदलाव नजर आते हैं ?/महायान बौद्ध मत के विकास के कारण बौद्ध अवधारणाओं और व्यवहार में कौनसे बदलाव नजर आते हैं ?

उत्तर– (i) महायान बौद्ध मत में एक मुक्तिदाता की कल्पना की गई, जो मुक्ति दिलवा सकें।

(ii) इसमें बुद्ध को महापुरुष न मानकर एक देवता माना गया। बुद्ध और बोधिसत्तों की मूर्तियों की पूजा महायान का एक महत्वपूर्ण अंग बन गई।

(iii) इसमें बोधिसत्त की अवधारणा उभरने लगी।

27. वाल्टर एलियट कौन था?

उत्तर– वाल्टर एलियट गुंटूर (आंध्र प्रदेश) के कमिश्नर थे जिन्होंने 1854 में अमरावती की यात्रा की तथा यह निष्कर्ष निकाला कि अमरावती का स्तूप बौद्धों का सबसे विशाल व शानदार स्तूप था।

28. उपनिषद् क्या थे ? इनसे हमें क्या पता चलता है ?/उपनिषदों के दार्शनिक विचारों के बारे में बताइए ?

उत्तर– उपनिषद् जीवन, मृत्यु एवं परब्रह्म से सम्बन्धित गहन विचारों वाले ग्रन्थ थे। इनसे हमें पता चलता है कि लोग जीवन का अर्थ, मृत्यु के पश्चात् जीवन की सम्भावना एवं पुनर्जन्म के बारे में जानने को उत्सुक थे। वे यह भी पता लगाना चाहते थे कि अतीत के कर्मों का पुनर्जन्म के साथ क्या सम्बन्ध है।

29. क्या आप बता सकते हैं कि भिक्षुओं और भिक्षुणियों के लिए नियम क्यों बनाए गए?

उत्तर– महात्मा बुद्ध ने अपने शिष्यों के लिए संघ की स्थापना की। संघ ऐसे भिक्षुओं की संस्था थी जो धम्म के शिक्षक बन गये थे। बाद में भिक्षुणियों को भी सम्मिलित होने की अनुमति दे दी गयी। इस कारण धीरे–धीरे संघ में भिक्षुओं और भिक्षुणियों की संख्या में वृद्धि होने लगी। फलस्वरूप संघ में अनुशासन व व्यवस्था बनाए रखने के लिए भिक्षुओं और भिक्षुणियों के लिए नियम बनाए गए।

30. थेरीगाथा के बारे में आप क्या जानते हैं?

उत्तर– थेरी गाथा बौद्ध ग्रन्थ सुत्त पिटक का एक भाग है जिसके अन्तर्गत भिक्षुणियों द्वारा रचित छन्दों का संकलन किया गया है। इससे उस समय की महिलाओं के सामाजिक एवं आध्यात्मिक जीवन के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त होती है।

31. पुरातत्ववेत्ता एच. एच. कोल प्राचीन कलाकृतियों के बारे में क्या सोच रखते थे ?

उत्तर– पुरातत्ववेत्ता एच. एच. कोल प्राचीन कलाकृतियों को उठा ले जाने के विरुद्ध थे। वे इस लूट को आत्मघाती मानते थे। उनका मानना था कि संग्रहालयों में मूर्तियों की प्लास्टर कलाकृतियाँ रखी जानी चाहिए जबकि असली कृतियाँ खोज के स्थान पर ही रखी जानी चाहिए।

32. 600 ई. पू. से 600 ई. तक के विचारों एवं विश्वासों की दुनिया के पुनर्निर्माण के लिए इतिहासकार किन–किन स्रोतों का प्रयोग करते हैं?

उत्तर– (i) साहित्यिक ग्रन्थ–बौद्ध, जैन तथा ब्राह्मण ग्रन्थ (ii) भौतिक साक्ष्य–इमारतें व अभिलेख।

शेखावाटी मिशन–100

33. प्रारंभिक मूर्तिकारों ने बुद्ध को मानव रूप में न दिखाकर उनकी उपस्थिति प्रतीकों के माध्यम से दर्शाने का प्रयास किया, उन प्रतीकों के बारे में बताइए ? / बौद्ध धर्म में उपासना के प्रतीकों के बारे में बताइए ?/ बुद्ध की उपस्थिति प्रतीकों के माध्यम से किस प्रकार दर्शाने का प्रयास किया गया है ? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– कई प्रारंभिक मूर्तिकारों ने बुद्ध को मानव रूप में न दिखाकर उनकी उपस्थिति प्रतीकों के माध्यम से दर्शाने का प्रयास किया।

उदाहरणः– (i) बोधि वृक्षः– बुद्ध की ध्यान की दशा का प्रतीक बन गया।

(ii) स्तूपः– बुद्ध के महापरिनिब्बान का प्रतीक बन गया।

(iii) धर्मचक्रः– बुद्ध द्वारा सारनाथ में दिए गए पहले उपदेश का प्रतीक था।

34. सबसे प्राचीन कृत्रिम गुफाएं ईसा पूर्व तीसरी सदी में किसने एवं कहां बनवाई और ये गुफाएं किस संप्रदाय के संतों के लिए बनाई गई थीं ?

उत्तर–तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में निर्मित बराबर (बिहार) की गुफाएं सबसे प्राचीन कृत्रिम गुफाएं हैं। बराबर की गुफाओं का निर्माण मौर्य शासक असोक ने करवाया। बराबर की गुफाएं असोक के आदेश पर आजीविक संप्रदाय के संतों के लिए बनाई गई थीं।

35. भौतिकवादी/लोकायत परंपरा के सिद्धांतों का वर्णन कीजिए ?

उत्तर– भौतिकवादी परंपराः–

(i) भारतीय इतिहास में सर्वप्रथम अजित केस कंबलिन् ने ही पूर्ण भौतिकवादी सिद्धांत का प्रतिपादन किया।

(ii) भौतिकवादी सिद्धांत के अनुसार कार्यों का पुण्य या पाप के रूप में कोई संचित फल नहीं मिलता, मृत्यु के बाद सब कुछ नष्ट हो जाता है।

(iii) शरीर के पांचों तत्व मरने के बाद ब्रह्माण्डीय तत्त्वों में विलीन हो जाते हैं तथा पुनर्जन्म नहीं होता।

36. आजीविक परंपरा/नियतिवादी सिद्धांतों का वर्णन कीजिए ?

उत्तर– मक्खलि गोसाल आजीवक सम्प्रदाय के प्रवर्तक माने जाते है। आजीवकों के अनुसार समस्त प्राणी नियति/भाग्य के अधीन हैं। मनुष्य के जीवन पर उसके कर्मों का कोई प्रभाव नहीं पड़ता यानि मानव प्रयत्न अप्रभावी हैं। मनुष्य के सुख और दुःख पूर्व निर्धारित है, जिन्हें संसार में बदला नहीं जा सकता।

37. साँची स्तूप का पूर्वी तोरणद्वार भोपाल से बाहर जाने से कैसे बच गया ?

उत्तर– फ्रांसीसियों ने सबसे अच्छी हालत में बचे साँची के पूर्वी तोरणद्वार को फ्रांस के संग्रहालय में प्रदर्शित करने के लिए शाहजहां बेगम से फ्रांस ले जाने की इजाजत मांगी। कुछ समय के लिए अंग्रेजों ने भी ऐसी ही कोशिश की। सौभाग्यवश फ्रांसिसी और अंग्रेज दोनों ही बड़ी सावधानी से बनाई गई पूर्वी तोरणद्वार की प्लास्टर प्रतिकृतियों से संतुष्ट हो गए। इस प्रकार मूल कृति भोपाल में अपनी जगह पर ही रही।

38. अवतारवाद की अवधारणा को समझाइए ?

उत्तर– अवतारवाद की परंपरा में यह माना जाता था कि पापियों के बढ़ते प्रभाव के चलते जब दुनिया में अव्यवस्था और नाश की स्थिति जा जाती थी तब विश्व की रक्षा के लिए भगवान अलग–अलग रूपों में अवतार लेते थे।

– कई अवतारों को मूर्तियों के रूप में दिखाया गया है। वैष्णववाद में विष्णु के 10 अवतारों की कल्पना की गई है। जैसेः– लगभग छठी शताब्दी ईस्वी की विष्णु के वराह अवतार की मूर्ति, जिसमें विष्णु को पृथ्वी देवी को बचाते हुए दिखाया गया है, एहोल (कर्नाटक) से मिली है। शिव को उनके प्रतीक लिंग के रूप में बनाया गया था।

39. वैष्णव वाद और शैववाद के उदय से जुड़े मंदिरों के निर्माण के बारे में बताइए ?/प्रारंभिक मंदिरों की विशेषताएं बताइए ?

शेखावाटी मिशन–100

उत्तर– (i) देवी–देवताओं की मूर्तियों को रखने के लिए सबसे पहले मंदिर बनाए गए। शुरू के मंदिर एक चौकोर कमरे के रूप में थे, जिन्हें गर्भगृह कहा जाता था।

(ii) गर्भगृह में एक दरवाजा होता था, जिससे उपासक मूर्ति की पूजा करने के लिए भीतर प्रविष्ट हो सकता था।

(iii) गर्भगृह के ऊपर एक ऊँचा ढाँचा बनाया जाने लगा जिसे शिखर कहा जाता था।

(iv) कुछ समय बाद मंदिरों के साथ विशाल सभास्थल, ऊँची दीवारें और तोरण भी जुड़ गए।

40. भक्ति किसे कहते हैं ?

उत्तर– आराध्य देव की पूजा में उपासना और ईश्वर के बीच का रिश्ता प्रेम और समर्पण का रिश्ता माना जाता था। जिसे भक्ति कहते हैं।

पाठ–5
यात्रियों के नजरियें
अंकभार–6

1. किन्हीं चार भाषाओं के नाम लिखिए, जिनका अल–बिरूनी को अच्छा ज्ञान था।

उत्तर– (i) अरबी **(ii)** फारसी **(iii)** संस्कृत **(iv)** हिब्रू

2. 14 वीं शताब्दी में भारत आने वाला सर्वाधिक प्रसिद्ध यात्री कौन था ? वह किस देश का रहने वाला था ?

उत्तर– (i) 14 वीं शताब्दी में भारत आने वाला सर्वाधिक प्रसिद्ध यात्री इब्न बतूता था।

(ii) वह मोरक्को का रहने वाला था।

3. अल बिरूनी का जन्म कब और कहाँ हुआ था ?

उत्तर– (i) 973 ई. में **(ii)** उज़्बेकिस्तान में स्थित ख्वारिज्म में ।

4. अल बिरूनी किस शासक के साथ गजनी आया था ? अथवा अल बिरुनी को ख्वारिज्म से बंदी बनाकर गजनी कौन ले आया था ?

उत्तर– (i) महमूद गजनवी

(ii) अल– बिरुनी को 1017 ई० में महमूद गजनवी ने ख्वारिज्म में बंदी बना लिया था और अपने साथ गजनी ले आया था।

5. 1332–33 में भारत के लिए प्रस्थान करने से पहले इब्न बतूता किन क्षेत्रों की यात्राएँ कर चुका था ?

उत्तर– (i) मक्का **(ii)** सीरिया **(iii)** इराक **(iv)** फारस **(v)** यमन **(vi)** ओमान

6. जौहरी ज्यौं – बैप्टिस्ट तैवर्नियर कहां का निवासी था, जिसने कम से कम.....भारत की यात्रा की ।

उत्तर–फ्रांस का, छः बार।

7. अल–बिरूनी द्वारा कौनसी पुस्तक लिखी गई ? उसकी भाषा कौनसी हैं और वह कितने अध्यायों में विभाजित हैं ?

उत्तर– (i) किताब–उल–हिन्द

(ii) अरबी भाषा में (अल बिरूनी ने अपने लेखन में अरबी भाषा का ही प्रयोग किया था।)

(iii) 80 अध्यायों में विभाजित हैं

8. इब्न बतूता ने किन दो भारतीय शहरों का वर्णन किया है, उनका नाम लिखिए ?

उत्तर– (i) देहली / दिल्ली **(ii)** दौलताबाद

शेखावाटी मिशन–100

9. इब्न बतूता का यात्रा वृत्तांत किस नाम से जाना जाता है, उसकी भाषा कौनसी हैं? इब्न बतूता के श्रुतलेखों को लिखने के लिए किसे नियुक्त किया गया था ?

उत्तर– (i) रिहला **(ii)** अरबी भाषा में **(iii)** इब्न जुजाई को

10. ..... के रास्ते होकर इब्न बतूता सन् 1333 में स्थल मार्ग से ..... पहुँचा।

उत्तर– मध्य एशिया, सिंध ।

11. इब्न बतूता भारत कब आया ? उस समय भारत में किस शासक का शासन था ?

उत्तर– (i) 1333 ई. में

(ii) तुगलक वंश के शासक मुहम्मद बिन तुगलक का

12. सती प्रथा को विस्तृत वर्णन के लिए किस विदेशी यात्री ने चुना? अथवा किस विदेशी यात्री ने लिखा कि हालाँकि कुछ महिलाएं प्रसन्नता से मृत्यु को गले लगा लेती थीं, अन्य को मरने के लिए बाध्य किया जाता था?

उत्तर– फ्रांस्वा बर्नियर ने।

13. मुहम्मद बिन तुगलक द्वारा किस विदेशी यात्री को दिल्ली का काजी नियुक्त किया गया था ?

उत्तर– इब्न बतूता को।

14. इब्न बतूता के निवास स्थान का नाम लिखिए ? इब्न बतूता ने अपनी यात्राएं कब आरंभ की थीं और वह अपने निवास स्थान वापस कब पहुँचा ?

उत्तर– (i) जन्म स्थान / निवास स्थान तैंजियर मोरक्को (उत्तरी अफ्रीका) में।

(ii) इब्न बतूता ने अपनी यात्राएँ 1325 ई० में यानि 22 वर्ष की आयु में शुरू की

(iii) इब्न बतूता 1354 में अपने घर मोरक्को वापस पहुँचा।

15. इब्न बतूता दिल्ली के अलावा किस स्थान पर भी काजी के पद पर रहा ?

उत्तर– मालद्वीप ।

16. सबसे प्रसिद्ध यूरोपीय लेखकों में एक नाम ..... का है जिसने ..... में व्यापार और समाज का एक विस्तृत विवरण लिखा ।

उत्तर– दुआर्ते बरबोसा, दक्षिण भारत

17. मुहम्मद बिन तुगलक ने 1342 ई. में किस विदेशी यात्री को मंगोल शासक के पास सुल्तान के दूत के रूप में चीन जाने का आदेश दिया ?

उत्तर– इब्न बतूता को ।

18. बर्नियर के अनुसार भारत और यूरोप के बीच मूल भिन्नताओं/असमानताओं में से दो कौन–सी है ?

उत्तर– (i) बर्नियर के अनुसार भारत में निजी भूस्वामित्व का अभाव था, जबकि यूरोप में यह मुख्य रूप से विद्यमान था।

(ii) बर्नियर के अनुसार भारत में केवल दो ही वर्ग थे– अमीर व गरीब और मध्यम वर्ग का अभाव था।

19. चीन के विषय में किस विदेशी यात्री के वृत्तांत की तुलना मार्कोपोलों के वृत्तांत से की जाती हैं ?

उत्तर– इब्न बतूता के वृत्तांत की।

20. यदि आप इब्न बतूता के स्थान पर होते तो अपने विवरण में किन दो भारतीय वानस्पतिक उपजों का वर्णन करना पसंद करते ? अथवा इब्न बतूता कौनसी दो वानस्पतिक उपजों का वर्णन करता है ?

उत्तर– नारियल और पान का ।

शेखावाटी मिशन–100

21. कौनसा विदेशी यात्री भारत में जो कुछ देखता था उसकी तुलना यूरोप से करता था ?

उत्तर– फ्रांस्वा बर्नियर।

22. ताराबबाद क्या हैं ?

उत्तर– इब्न बतूता के विवरण अनुसार दौलताबाद में पुरुष और महिला गायकों के लिए एक बाजार था, जिसे ताराबबाद कहते हैं।

23. बर्नियर द्वारा मुगलकालीन शहरों को क्या नाम दिया गया ?

उत्तर– शिविर नगर ।

24. कौनसा विदेशी यात्री भारतीय डाक प्रणाली की कार्यकुशलता को देखकर चकित हुआ ??

उत्तर– इब्न बतूता

25. इब्न बतूता के अनुसार भारत में कितने प्रकार की डाक व्यवस्था थी ? उनका नाम लिखिए ।

उत्तर– दो प्रकार की । **(i)** अश्व (घोड़ा) डाक व्यवस्था (उलुक) **(ii)** पैदल डाक व्यवस्था (दावा)

26. जब .....सिंध पहुँचा तो उसने ..... के लिए भेंट स्वरूप घोड़े, ऊँट तथा दास खरीदें ।

उत्तर– इब्न बतूता, मुहम्मद बिन तुगलक ।

27. इब्न बतूता के अनुसार दिल्ली शहर के कितने द्वार/दरवाजे थे ? इनमें से सबसे विशाल दरवाजा कौनसा था ?

उत्तर– (i) 28 द्वार/ दरवाजा हैं **(ii)** सबसे विशाल दरवाजा– बदायूँ दरवाजा

28. किस विदेशी यात्री ने मुगलकालीन कारखानों की कार्यप्रणाली का विस्तृत वर्णन किया था ?

उत्तर– फ्रांस्वा बर्नियर ने ।

29. दासों के बारे में विस्तृत वर्णन किस विदेशी यात्री ने किया है ?

उत्तर– इब्न बतूता ने ।

30. ट्रैवल्स इन द मुगल एम्पायर किसकी रचना हैं? इसका प्रकाशन कब, कहाँ और किस भाषा में हुआ ?

उत्तर– (i) फ्रांस्वा बर्नियर की।

(ii) ट्रैवल्स इन द मुगल एम्पायर का प्रकाशन 1670–71 में फ्रांस में फ्रांसीसी भाषा में हुआ।

31. बर्नियर ने अपनी प्रमुख कृति को किसको समर्पित किया था? 1670 ई० से 1675 ई० के मध्य बर्नियर की रचना ट्रैवल्स इन द मुगल एंपायर का अनुवाद कौनसी भाषाओं में हुआ था।

उत्तर– (i) फ्रांस के शासक लुई 14 वें को

(ii) 1670 ई से 1675 ई० के मध्य ट्रैवल्स इन द मुगल एंपायर का अनुवाद **(a)** अंग्रेजी **(b)** डच **(c)** जर्मन एवं **(d)** इतालवी भाषाओं में हुआ था।

32. फ्रांस्वा बर्नियर कौन था ?

उत्तर– (i) फ्रांस्वा बर्नियर फ्रांस का निवासी था। बर्नियर 17 वीं शताब्दी में भारत आने वाले विदेशी यात्रियों में सर्वाधिक प्रसिद्ध था।

(ii) फ्रांस का रहने वाला फ्रांस्वा बर्नियर एक चिकित्सक, राजनीतिक, दार्शनिक तथा इतिहासकार था।

(iii) फ्रांस्वा बर्नियर मुगल शासक शाहजहां के समय 1656 ई. में भारत आया। वह 1656 ई. 1668 तक भारत में 12 वर्ष तक रहा।

33. किस विदेशी यात्री ने मुगलकालीन शहरों को शिविर नगर कहा।

शेखावाटी मिशन–100

उत्तर– फ्रांस्वा बर्नियर ने ।

34. कौनसा विदेशी यात्री विशेष रूप से भारत की व्यापारिक स्थितियों से प्रभावित था और उसने भारत की तुलना ईरान और आंटोमन साम्राज्य से की ?

उत्तर– जौहरी ज्यों– बेप्टिस्ट तैवर्नियर । (फ्रांसीसी यात्री)

35. फ्रांस्वा बर्नियर किस अवधि तक (कितने समय तक) भारत में रहा? उस अवधि में भारत में किस राजवंश (किस शासक का शासन था) का शासन था ?

उत्तर– (i) 1656 ई. से 1668 ई. तक (बारह वर्ष तक)।

(ii) मुगल वंश का शासन था । (मुगल शासक शाहजहां के समय भारत आया था)

36. बलाहार से आपका क्या अभिप्राय है ?

उत्तर– बलाहार से अभिप्राय भूमिहीन श्रमिकों से है।

37. उस इतालवी चिकित्सक का नाम बताइए, जो भारत आने के बाद कभी भी यूरोप वापस नहीं गए और भारत में ही बस गए ?

उत्तर– मनूकी, इटली का निवासी था।

38. बर्नियर के अनुसार मुगल काल में भूमि का मालिक कौन था ?

उत्तर– बर्नियर के अनुसार मुगल काल में सम्राट सारी भूमि का स्वामी था।

39. 14 वीं और 17 वीं शताब्दी में भारत आने वाले सर्वाधिक प्रसिद्ध यात्री कौन थे ? अथवा ग्यारहवीं शताब्दी से लेकर सत्रहवीं शताब्दी के दौरान भारत की यात्रा करने वाले किन्हीं तीन प्रसिद्ध यात्रियों के नाम लिखें।

उत्तर– (i) 11 वीं शताब्दी में अल– बिरूनी **(ii)** 14 वीं शताब्दी में इब्न बतूता

(iii) 17 वीं शताब्दी में फ्रांस्वा बर्नियर

40. फ्रांस्वा बर्नियर द्वारा ट्रेवल्स इन द मुगल एम्पायर को लिखने का उद्देश्य क्या था ?

उत्तर– (i) उसने भारत में जो कुछ देखा उसकी यूरोप एवं विशेष रूप से फ्रांस में व्याप्त स्थितियों से तुलना करना तथा भिन्नता को उजागर करना।

(ii) यूरोप के नीति निर्माताओं को प्रभावित करना ताकि वे सही निर्णय ले सकें।

लघुतरात्मक प्रश्न–

1. उलुक और दावा क्या हैं / उलुक एवं दावा में अंतर स्पष्ट कीजिए ? अथवा इब्न बतूता भारत में कितने प्रकार की डाक प्रणाली का उल्लेख करता है, संक्षिप्त वर्णन कीजिए ?

उत्तर– इब्न बतूता के विवरण अनुसार भारत में दो प्रकार की डाक व्यवस्था थी।

(i) अश्व (घोड़ा) डाक व्यवस्था को उलुक कहा जाता था, जबकि पैदल डाक व्यवस्था को दावा कहा जाता था।

(ii) अश्व डाक व्यवस्था में प्रति चार मील की दूरी पर एक अवस्थान होता था जबकि पैदल डाक व्यवस्था में प्रति एक मील पर तीन अवस्थान होते थे।

2. इब्न बतूता भारतीय डाक प्रणाली की कार्यकुशलता देखकर चकित क्यों हुआ ? उल्लेख कीजिए । अथवा इब्न बतूता के अनुसार भारतीय डाक प्रणाली की दो विशेषताए / लाभ लिखिए ?

उत्तर– (i) इब्न बतूता के अनुसार डाक प्रणाली इतनी कुशल थी कि जहां सिंध से दिल्ली की यात्रा में 50 दिन लगते थे, वहीं गुप्तचरों की खबरें सुल्तान तक इस डाक व्यवस्था के माध्यम से मात्र 5 दिन में पहुंच जाती थी ।

शेखावाटी मिशन–100

(ii) डाक प्रणाली से व्यापारियों के लिए न केवल लंबी दूरी तक सूचना भेजना और उधार प्रेषित करना संभव हुआ बल्कि अल्प सूचना पर माल भेजना भी।

3. बर्नियर ने भूमि पर राजकीय स्वामित्व को राज्य तथा उसके निवासियों दोनों के लिए हानिकारक/विनाशकारी क्यों माना। दो कारण या दोष बताईए ? या भूस्वामित्व पर बर्निचर के विचारों का संक्षिप्त विवेचन कीजिए ? अथवा बर्नियर के अनुसार भारत में निजी भूस्वामित्व के अभाव के क्या परिणाम निकले ?

उत्तर– इब्न बतूता के अनुसार भारत और यूरोप के बीच मूल भिन्नताओं में से एक भारत में निजी भूस्वामित्व का अभाव था । बर्नियर ने भूमि पर राजकीय स्वामित्व को राज्य तथा उसके निवासियों, दोनों के लिए हानिकारक माना।

(i) बर्नियर के अनुसार भूधारक अपने बच्चों को भूमि नहीं दे सकते थे। इसलिए वे उत्पादन के स्तर को बनाए रखने के प्रति उदासीन थे ।

(ii) राजकीय भूस्वामित्व ने बेहतर भूधारकों के वर्ग के उदय को रोका, जो भूमि के रखरखाव व बेहतरी के प्रति सजग रहते।

4. बर्नियर के अनुसार उपमहाद्वीप में किसानों को किन–किन समस्याओं से जूझना पड़ता था ? तीन समस्याओं का उल्लेख कीजिए। अथवा फ्रांस्वा बर्नियर के अनुसार भारतीय किसानों की स्थिति कैसी थी ?

उत्तर– फ्रांस्वा बर्नियर ने भारत के कृषकों की शोचनीय दशा का वर्णन किया है।

(i) उपजाऊ कृषि क्षेत्र बहुत ही सीमित थे। अधिकांश भूमि बंजर तथा रेतीली थी ।

(ii) कृषि योग्य भूमि का एक बड़ा भाग श्रमिकों के अभाव में कृषि विहिन रह जाता है।

(iii) गवर्नर श्रमिकों व किसानों पर अत्यधिक अत्याचार करते हैं और इस अत्याचार के कारण श्रमिकों की मौत हो जाती थी।

(iv) गरीब किसान लोग अपने लालची स्वामियों की मांगों को पूरा करने में असमर्थ हो जाते हैं, तो उन्हें जीविका के साधनों के साथ–साथ अपने बच्चों से भी हाथ धोना पड़ता हैं। उनके बच्चों को दास बना लिया जाता है।

5. फ्रांस्वा बर्नियर किस प्रकार मुगल दरबार से नजदीकी रूप से जुड़ा रहा ? या फ्रांस्वा बर्नियर का संक्षिप्त परिचय दीजिए ?

उत्तर– बर्नियर एक चिकित्सक, राजनीतिक, दार्शनिक तथा एक इतिहासकार था।

– बर्नियर मुगलकाल में भारत आया । वह 1656 ई. से 1668 ई. तक भारत में 12 वर्ष तक रहा ।

– बर्नियर मुगल दरबार से नजदीकी रूप से जुड़ा रहा, पहले सम्राट शाहजहां के ज्येष्ठ पुत्र दारा शिकोह के चिकित्सक के रूप में और बाद में मुगल दरबार के एक आर्मीनियाई अमीर दानिशमंद खान के साथ एक बुद्धिजीवी तथा वैज्ञानिक के रूप में।

6. अल बिरूनी द्वारा वर्णित फारस के चार सामाजिक वर्गों का उल्लेख कीजिए ? या फारस के सामाजिक वर्गों का उल्लेख करने के पीछे अल बिरूनी का क्या उद्देश्य था ?

उत्तर– **(i)** घुड़सवार और शासक वर्ग **(ii)** भिक्षु, आनुष्ठानिक पुरोहित तथा चिकित्सक

(iii) खगोलशास्त्री तथा अन्य वैज्ञानिक **(iv)** कृषक तथा शिल्पकार

अल बिरूनी यह दिखाना चाहता था कि ये सामाजिक वर्ग भारत तक ही सीमित नहीं थे, बल्कि ये अन्य देशों में भी थे।

7. किताब–उल–हिन्द पर टिप्पणी कीजिए ?

उत्तर– अरबी में लिखी गई अल बिरूनी की कृति किताब–उल–हिन्द की भाषा सरल और स्पष्ट है। किताब–उल–हिन्द 80 भागों में विभाजित हैं। किताब– उल–हिन्द एक विस्तृत ग्रंथ है, जो धर्म और दर्शन, त्यौहारों, खगोल विज्ञान, कीमिया

शेखावाटी मिशन–100

(रसायनशास्त्र में कृत्रिम सोना बनाने की विधि) कानून, सामाजिक जीवन आदि विषयों से संबंधित है।

8. इब्न बतूता ने उपमहाद्वीप के कौनसे दो शहरों का दौरा किया, जिनका वर्णन अपने यात्रा वृत्तांत में किया हैं? अथवा इब्न बतूता ने भारतीय शहरों के सम्बन्ध में जो लिखा है, उस पर प्रकाश डालिए।

उत्तर– इब्न बतूता के अनुसार भारतीय शहर उन लोगों के लिए व्यापक अवसरों से भरपूर थे, जिनके पास आवश्यक इच्छा, संसाधन तथा कौशल है। इब्न बतूता के अनुसार शहर घनी आबादी वाले, समृद्ध, सम्पन्न थे।

(i) दिल्ली– इब्न बतूता दिल्ली को एक बड़ा शहर, विशाल आबादी वाला तथा भारत में सबसे बड़ा शहर बताता है। इसके अनुसार शहर के चारों ओर बनी प्राचीर की चौड़ाई 11 हाथ है। दिल्ली शहर के 28 द्वार/दरवाजा है और इनमें से बदायूँ दरवाजा सबसे विशाल है।

(ii) दौलताबाद (महाराष्ट्र) इब्न बतूता के अनुसार दौलताबाद (महाराष्ट्र में) भी कम नहीं था और आकार में दिल्ली को चुनौती देता था। इसके अनुसार दौलताबाद में पुरुष और महिला गायकों के लिए एक बाजार है, जिसे ताराबबाद कहते है। यह सबसे विशाल और सुंदर बाजारों में से एक है।

9. इब्न बतूता एक हठीला यात्री था ? कथन की व्याख्या कीजिए। अथवा इब्न बतूता ने अपने निवास स्थान मोरक्को जाने से पूर्व किन–किन क्षेत्रों की यात्राएं की, बताइए।

उत्तर– इब्न बतूता एक हठीला यात्री था जिसने उत्तर पश्चिमी अफ्रीका में अपने निवास स्थान मोरक्को वापस जाने से पूर्व कई वर्ष उतरी अफ्रीका, पश्चिमी एशिया, मध्य एशिया के कुछ भाग, भारतीय उपमहाद्वीप तथा चीन की यात्रा की थी। इन यात्राओं से ना तो उसे घबराहट हुई और ना ही थकान।

10. इब्न बतूता के अनुसार दासों में काफी विभेद था? स्पष्ट कीजिए। अथवा इब्न बतूता ने दास–दासियों का वर्णन किस प्रकार किया हैं?

उत्तर– इब्न बतूता के अनुसार बाजारों में दास किसी भी अन्य वस्तु की तरह खुले आम बेचे जाते थे और नियमित रूप से भेंट स्वरूप दिए जाते थे ।

इब्न बतूता के विवरण से प्रतीत होता है कि दासों में काफी विभेद था। सुल्तान की सेवा में कार्यरत कुछ दासियां संगीत गायन में निपुण थीं । सुल्तान अपने अमीरों पर नजर रखने के लिए दासियों को भी नियुक्त करता था । दासों को सामान्यतः घरेलू श्रम के लिए ही इस्तेमाल किया जाता था। दासों की कीमत, विशेष रूप से उन दासियों की जिनकी आवश्यकता घरेलू श्रम के लिए थी, बहुत कम होती थी।

11. सती प्रथा के कौनसे तत्वों ने बर्नियर का ध्यान अपनी ओर खींचा ? संक्षिप्त वर्णन कीजिए ।

उत्तर– बर्नियर ने सती प्रथा को विस्तृत विवरण के लिए चुना । उसने लिखा कि हालांकि कुछ महिलाएं प्रसन्नता से मृत्यु को गले लगा लेती थी, अन्य को मरने के लिए बाध्य किया जाता हैं। बर्नियर के अनुसार यह क्रुर प्रथा थी, जिसमें पति की मृत्यु होने पर विधवा स्त्री को जीवित ही अग्नि में भेंट चढ़ा दिया जाता था, इस प्रक्रिया में ब्राह्मण व घर की बड़ी महिलाएं भी भाग लेती थी । सती होने वाली विधवा के हाथ पैर बाँध दिये जाते थे ताकि वह सती स्थल से भाग न सकें ।

12. अल बिरूनी का संक्षिप्त परिचय दीजिए ? अथवा अल बिरूनी गजनी किस प्रकार पहुंचा ?

उत्तर– (i) जन्म – 973 ई. में, उज़्बेकिस्तान में स्थित ख्वारिज्म में ।

(ii) 1017 ई. में ख्वारिज्म पर आक्रमण के पश्चात् महमूद गजनवी ने अल– बिरूनी को अपने साथ अपनी राजधानी गजनी ले आया। अल बिरूनी ने 70 वर्ष की आयु में अपनी मृत्यु तक बाकी जीवन गजनी में ही बिताया ।

शेखावाटी मिशन–100

(iii) अल बिरूनी द्वारा अरबी भाषा में लिखी गई किताब–उल–हिन्द 80 अध्यायों में विभाजित हैं।

13. अपनी श्रेणी के अन्य सदस्यों/यात्रियों के मुकाबले इब्न बतूता किन बातों में अलग था ?

उत्तर – अपनी श्रेणी के अन्य सदस्यों के विपरित, इब्न बतूता पुस्तकों के स्थान पर यात्राओं से अर्जित अनुभव को ज्ञान का अधिक महत्त्वपूर्ण स्त्रोत मानता था। उसे यात्राएं करने का बहुत शौक था और वह नए–नए देशों और लोगों के विषय में जानने के लिए दूर–दूर के क्षेत्रों तक गया।

14. मॉन्टेस्क्यू कौन था ? इसका प्राच्य निरंकुशता का सिद्धांत क्या था ?

उत्तर – मॉन्टेस्क्यू एक फ्रांसीसी दार्शनिक था, जिसने बर्नियर के वृत्तांत का प्रयोग कर प्राच्य निरंकुशवाद के सिद्धांत को विकसित किया। मॉन्टेस्क्यू के प्राच्य निरंकुशवाद के सिद्धांत के अनुसार एशिया (प्राच्य अथवा पूर्व) में शासक अपनी असीमित शक्तियों का प्रयोग करके प्रजा को दासता और गरीबी की स्थितियों में रखते है। इस तर्क का आधार यह था कि सारी भूमि पर राजा का स्वामित्व होता था तथा निजी संपत्ति अस्तित्व में नहीं थी। इस दृष्टिकोण के अनुसार राजा और उसके अमीर वर्ग को छोड़ प्रत्येक व्यक्ति मुश्किल से गुजर बसर कर पाता था।

15. भारत का वृत्तांत लिखने में अल बिरूनी के समक्ष आयीं किन्हीं दो बाधाओं को बताइए। अथवा किताब–उल–हिन्द को लिखने में अल–बिरूनी को किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा ?

उत्तर – (i) भाषा– अल बिरूनी के अनुसार संस्कृत भाषा अरबी व फारसी भाषा से इतनी भिन्न थी कि विचारों और सिद्धान्तों को एक भाषा से दूसरी भाषा में अनुवाद करना सरल नहीं था।

(ii) धार्मिक अवस्था व प्रथाएँ –भारत में विभिन्न धार्मिक विश्वास व प्रथाएँ प्रचलित थीं जिन्हें समझने के लिए उसे वेदों व ब्राह्मण ग्रन्थों का सहारा लेना पड़ा।

(iii) भारतीय लोग सहजता से अपने अनुभव किसी विदेशी यात्री को बाँटने को तैयार नहीं थे।

16. फ्रांस्वा बर्नियर द्वारा प्रस्तुत समाज का चित्रण सच्चाई से बहुत दूर था। कथन को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर – फ्रांस्वा बर्नियर द्वारा प्रस्तुत ग्रामीण समाज का चित्रण सच्चाई से बहुत दूर था। वास्तव में 16वीं व 17वीं शताब्दी में ग्रामीण समाज में बड़े पैमाने पर सामाजिक व आर्थिक विभेद पाया जाता था। एक ओर बड़े जमींदार थे तो दूसरी ओर अस्पृश्य भूमिहीन श्रमिक थे। इन दोनों के बीच में बड़े किसान थे, जो किराए के श्रम का उपयोग करते थे और उत्पादन में जुटे रहते थे। कुछ छोटे किसान भी थे, जो बड़ी मुश्किल से अपने जीवनयापन लायक उत्पादन कर पाते थे।, जबकि बर्नियर के अनुसार भारत में दो ही वर्ग थे– अमीर और गरीब और भारत में मध्यम वर्ग का अभाव था।

17. अल बिरूनी के लेखन कार्य की कोई दो विशेषताएं लिखिए।

उत्तर– अल बिरूनी के लेखन कार्य की दो विशेषताएँ निम्नलिखित हैः–

(i) अल बिरूनी ने अपने लेखन कार्य में अरबी भाषा का प्रयोग किया।

(ii) अल बिरूनी द्वारा लिखित ग्रन्थों की लेखन शैली के विषय में उसका दृष्टिकोण आलोचनात्मक था।

18. इब्न बतूता के समय यात्राएं अति दुष्कर थीं, स्पष्ट कीजिए। अथवा इब्न बतूता किस आधार पर यह बताता है कि उस समय यात्रा करना बहुत असुरक्षित था।

उत्तर– इब्न बतूता चौदहवीं शताब्दी में यात्राएं कर रहा था, जब आज की तुलना में यात्रा करना अधिक कठिन तथा जोखिम भरा कार्य था। कई प्रकार की कठिनाइयाँ यात्रा में व्यवधान डालती थीं। यात्रा में चोर, लुटेरों, समुद्री डाकुओं, जंगली जीवों, बीमारियों का भय रहता था तथा यात्रा के साधन भी नहीं थे। इब्न बतूता के अनुसार मुल्तान से दिल्ली की यात्रा में चालीस और सिन्ध से दिल्ली की यात्रा में लगभग पचास दिन का समय लगता था । दौलताबाद से दिल्ली

शेखावाटी मिशन–100

की दूरी चालीस, जबकि ग्वालियर से दिल्ली की दूरी दस दिन में तय की जा सकती थी। जब वह मुल्तान से दिल्ली की यात्रा पर था तो रास्ते में डाकुओं ने उसके कारवाँ पर हमला बोल दिया, इब्न बतूता बुरी तरह घायल हो गया और कई सहयात्रियों की डाकुओं ने हत्या कर दी।

19. भारत आने वाले विदेशी यात्रियों के प्रमुख उद्देश्य क्या थे?

उत्तर– (i) कुछ यात्री भारत की अपार समृद्धि को सुनकर यहाँ काम की तलाश में आए थे।

(ii) कुछ यात्री उनके देश में आई प्राकृतिक आपदाओं से बचने के लिए भारत आए थे।

(iii) कुछ यात्री भारत के साथ व्यापार करना चाहते थे।

(iv) कुछ यात्री भारत में अपने धर्म का प्रसार करना चाहते थे।

(v) कुछ यात्री भारत की सभ्यता एवं संस्कृति का अध्ययन करना चाहते थे।

20. किन कारणों के चलते गजनी में अल–बिरूनी की भारत के प्रति रुचि विकसित हुई ?

उत्तर– (i) अल–बिरूनी ने गजनी में उपलब्ध भारत के प्रमुख ग्रंथों का अध्ययन किया था।

(ii) अल–बिरूनी महमूद गजनवी द्वारा भारत से गजनी लाए गए विद्वानों के संपर्क में आया।

(iii) पंजाब के गजनवी साम्राज्य का हिस्सा बन जाने के बाद स्थानीय लोगों से हुए संपर्कों ने आपसी विश्वास और समझ का वातावरण बनाने में मदद की।

अध्याय–6
भक्ति–सूफी परम्पराएं
अंकभार–7

1. प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर स्थित है–

(a) अजमेर (b) पुरी (c) तंजौर (d) बोधगया **(b)**

2. संत कवि अप्पार संबंदर और सुंदरार की धातु प्रतिमाएं शिव मंदिर में स्थापित करवाने वाला चोल शासक था–

(a) परान्तक प्रथम (b) राजेन्द्र प्रथम (c) राजाराम प्रथम (d) विजयालय **(a)**

3. गरीब नवाज उपनाम से प्रसिद्ध सूफी संत हैं–

(a) अमीर खुसरो (b) शेख निजामुद्दीन औलिया

(c) ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती (d) सलीम चिश्ती **(c)**

4. मुगल शहजादी जिसने ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती की जीवनी 'मुनिस अल अखाह (आत्मा की विश्वस्त)' की रचना की–

(a) रोशनआरा (b) जहांआरा (c) गौहारा बेगम (d) गुलबदन बेगम **(b)**

5. पद्मावत ग्रन्थ की रचना की–

(a) अमीर खुसरो (b) तुलसीदास

(c) ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती (d) मलिक मुहम्मद जायसी **(d)**

6. सूफी संत जिसे अनुयायी 'सुल्तान–उल–मशेख' (शेखों में सुल्तान) कहकर संबोधित करते थे–

(a) अमीर खुसरो (b) शेख निजामुद्दीन अैलिया

(c) ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती (d) सलीम चिश्ती **(b)**

7. शेख सलीम चिश्ती की दरगाह स्थित है–

(a) अजमेर (b) अजोधन (c) दिल्ली (d) फतेहपुर सीकरी **(d)**

शेखावाटी मिशन–100

8. खालसा पंथ की स्थापना की –

(a) गुरू नानक (b) गुरू अंगद देव (c) गुरू गोविन्द सिंह (d) गुरु अर्जुन देव **(c)**

9. मीराबाई के गुरु थे –

(a) अमीर खुसरो (b) रामानन्द (c) रैदास (d) तुलसीदास **(c)**

10. भारत का सबसे प्रभावशाली सूफी सिलसिला माना जाता है–

(a) चिश्ती (b) कादिरी (c) सुहरावर्दी (d) नक्शबंदी **(a)**

11. मुगल सम्राट जिसने जीवनकाल में चौदह बार अजमेर दरगाह की जियारत की–

(a) शाहजहां (b) जहांगीर (c) अकबर (d) औरंगजेब **(c)**

12. निम्नाकिंत में से नयनार महिला संत है –

(a) मीराबाई (b) अंडाल (c) करइक्काल अम्मइयार (d) राबिया **(c)**

13. कौनसा ग्रन्थ तमिल वेद के रूप में जाना जाता है –

(a) तवरम् (b) बीजक (c) नलयिरादिव्यप्रबंधम् (d) कीर्तनघोष **(c)**

14. कीर्तनघोष काव्य ग्रन्थ की रचना की –

(a) अमीर खुसरो (b) कबीर (c) रैदास (d) शंकरदेव **(d)**

15. ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह स्थित है–

(d) अजमेर (b) अजोधन (c) दिल्ली (d) लाहौर **(a)**

16. अलवार संत किस मत से संबंधित थे–

(a) वैष्णव (b) शैव (c) जैन (d) बौद्ध **(a)**

17. नयनार संत किस मत से संबंधित थे –

(a) वैष्णव (b) शैव (c) जैन (d) बौद्ध **(b)**

18. अमीर खुसरो किस सूफी संत का शिष्य था –

(a) बाबा फरीद (b) शेख निजामुद्दीन औलिया

(c) ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती (d) सलीम चिश्ती **(b)**

19. शेख निजामुद्दीन औलिया की दरगाह स्थित है –

(a) अजमेर (b) अजोधन (c) दिल्ली (d) लाहौर **(c)**

20. वीर शैव मत के प्रवर्तक हैं–

(a) बासवन्ना (b) कबीर (c) रैदास (d) शंकरदेव **(a)**

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न–

रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए –

1. बारह अलवार संतों की रचनाओं का संकलन किया गया जो..... नाम से जाना जाता है।

नलयिरादिव्यप्रबन्धम् (चार हजार पावन रचनाएं)

2. ..... नामक अलवार महिला संत ने स्वयं को विष्णु की प्रेयसी मानकर प्रेमभावना को छन्दों में व्यक्त किया।

अंडाल

शेखावाटी मिशन–100

3. कांस्य में ढ़ाली गई नटराज शिव प्रतिमाओं का निर्माण ..... काल में हुआ।

चोल शासनकाल

4. ..... मुसलमान समुदाय को निर्देशित करने वाला कानून है।

शरिया

5. खम्बात (गुजरात) में गिरजाघर निर्माण के लिए शाही फरमान जारी करने वाला मुगल सम्राट.....था।

अकबर

6. वर्ण परम्परा का पालन नहीं करने वाले प्रवासी समुदायों के लिए..... शब्द प्रयोग किया जाता था।

म्लेच्छ

7. सिलसिला का शाब्दिक अर्थ है..... जो शेख और मुरीद के बीच निरन्तर रिश्ते की द्योतक है।

जंजीर

8. पीर की दरगाह पर उनकी बरसी के अवसर पर की जाने वाली जियारत को ..... कहा जाता है।

उर्स

9. सूफी संत ..... हुजविरी दाता गंज बख्श के रूप में आदरणीय हैं और उनकी दरगाह को दाता दरबार कहा जाता है।

हुजविरी

10. ..... पहला सुल्तान था जो अजमेर स्थित ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर आया था।

मुहम्मद बिन तुगलक

11. ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर निर्माण कार्य करवाने वाला प्रथम शासक मालवा का सुल्तान ..... था।

गियासुद्दीन खिलजी

12. सूफी संत..... को चिराग ए देहली नाम से जाना जाता है।

शेख नसीरूद्दीन

13. कबीर को भक्ति का मार्ग दिखाने वाले गुरू..... थे।

रामानन्द

14. बाबा नानक ने अपने अनुयायियों को सिख समुदाय में संगठित किया और अपने अनुयायी ..... को अपने बाद गुरूपद पर आसीन किया।

अंगद

15. पांचवें गुरु अर्जुनदेव ने बाबा नानक तथा उनके चार उत्तराधिकारी, सूफी संत बाबा फरीद, रैदास और कबीर की बानी को ..... में संकलित किया।

आदि ग्रन्थ साहिब

16. सिखों के पवित्र ग्रन्थ गुरू ग्रन्थ साहिब का संकलन .....ने करवाया।

गुरू गोविंद सिंह

17. सूफी संतों द्वारा अपने अनुयायियों और सहयोगियों को लिखे हुए पत्रों का संकलन..... नाम से जाना जाता है।

मक्तुबात

18. सिंध प्रान्त के लोकप्रिय सूफी संत ..... हैं जिन्हें मस्त कलन्दर उपनाम से जाना जाता है।

शेखावाटी मिशन–100

हजरत लाल शाहबाज कलन्दर

19. संत ज्ञानदेव, तुकाराम और मुक्ताबाई का सम्बन्ध .....राज्य से है।

महाराष्ट्र

20. चैतन्य महाप्रभु ने भक्ति आंदोलन ..... क्षेत्र में लोकप्रिय बनाया।

बंगाल

21. उत्तर भारत में भक्ति आंदोलन के प्रसार का श्रेय संत..... और उनके बारह शिष्यों को है।

रामानन्द

अति लघुत्तरात्मक प्रश्नः–

1. चोल शासकों द्वारा निर्मित शिव मंदिरों के नाम बताइए।

उत्तर– (i) चिदम्बरम् **(ii)** तंजावुर **(iii)** गंगैकोण्डचोलपुरम्

2. प्रारम्भिक भक्ति आंदोलन कब और किनके नेतृत्व में प्रारम्भ हुआ ?

उत्तर– प्रारम्भिक भक्ति आंदोलन छठी शताब्दी में अलवार और नयनार संतों के नेतृत्व में प्रारम्भ हुआ।

3. बासवन्ना के अनुयायी क्या कहलाते हैं ?

उत्तर– बासवन्ना के अनुयायी वीर शैव तथा लिंगायत कहलाते हैं।

4. शरिया से क्या आशय है ?

उत्तर– इस्लामी कानून शरिया कहलाता है जो कुरान शरीफ और हदीस पर आधारित है।

5. उलमा से क्या आशय है ?

उत्तर– उलमा इस्लामी कानून के ज्ञाता और व्याख्याकार होते थे। सैद्धान्तिक रूप से मुसलमान शासकों को उलमा के मार्गदर्शन पर चलना होता था। उलमा से यह अपेक्षा की जाती थी कि वे शासन में शरिया का अमल सुनिश्चित करवाएंगे।

6. जजिया कर क्या था ?

उत्तर– जजिया एक धार्मिक कर था जिसे मुस्लिम शासक अपने राज्य की गैर इस्लामी प्रजा से संरक्षण की एवज में वसुलते थे।

7. जिम्मी से क्या अभिप्राय है ?

उत्तर– इस्लामी शासकों के राज्य में निवास करने वाली यहूदी और ईसाई प्रजा को जिम्मी कहा जाता था।

8. हदीस से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर– हदीस ग्रन्थ को इस्लामी कानून का स्त्रोत माना जाता है। हदीस का अर्थ है– पैगम्बर साहब से जुड़ी परम्पराएँ जिनके अन्तर्गत उनकी स्मृति से जुड़े शब्द और क्रियाकलाप आते हैं।

9. मातृगृहता परिपाटी से क्या अभिप्राय है ?

उत्तर–मातृगृहता परिपाटी वह परिपाटी है जहाँ स्त्रियाँ विवाह के पश्चात पति और संतान सहित मायके में ही रहती हैं।

10. "मुकुट का नगीना" नाम से कश्मीर की कौनसी मस्जिद प्रसिद्ध है ?

उत्तर– शाह हमदान मस्जिद

शेखावाटी मिशन–100

11. कादिरी सूफी सिलसिले के संस्थापक कौन थे ?

उत्तर– अब्दुल कादिर जिलानी

12. चिश्ती सिलसिले के नामकरण के बारे में बताइए।

उत्तर– प्रसिद्ध सूफी सिलसिले चिश्ती का नामकरण मध्य अफगानिस्तान के चिश्ती शहर के नाम के आधार पर हुआ है।

13. जियारत से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर– आध्यात्मिक आशीर्वाद यानी बरकत की कामना के लिए सूफी संत की दरगाह पर की जाने वाली धार्मिक यात्रा को जियारत कहा जाता है।

14. बाबा फरीद की काव्य रचनाएँ किस ग्रन्थ में संकलित हैं?

उत्तर– आदि ग्रन्थ साहिब

15. चिश्ती समां से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर– चिश्ती उपासना परम्परा में नाच और संगीत का विशेष महत्व है। सूफियों के आध्यात्मिक संगीत की महफिल को समां नाम से जाना जाता है।

16. कौल का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– कौल अरबी भाषा का शब्द है जिसका अर्थ होता है–कहावत। कौल को कव्वाली गायन के शुरूआत और अंत में गाया जाता है।

17. कव्वाली गायन में कौल (कहावत) के प्रचलन का श्रेय किसे है ?

उत्तर– अमीर खुसरो

18. उन दो सूफी संतों के नाम बताइए जिन्होनें शाही भेंट को अस्वीकार कर दिया।

उत्तर– शेख निजामुद्दीन औलिया और शेख फरीदुद्दीन

19. मुगल सम्राट अकबर के अपने समकालीन किस सूफी संत से घनिष्ट संबंध थे ?

उत्तर– शेख सलीम चिश्ती

20. निर्गुण भक्ति परम्परा को लोकप्रिय बनाने वाले दो प्रसिद्ध संतों के नाम बताइए।

उत्तर– बाबा नानक और कबीर

21. कबीर का पालन पोषण करने वाले जुलाहा दंपती का नाम बताइए।

उत्तर– नीरू व नीमा।

22. गुरू नानक का जन्म कब और कहां हुआ ?

उत्तर– गुरू नानक का जन्म 1469 ई. में पंजाब के ननकाना गांव में हुआ।

23. देवी की आराधना पद्धति को किस नाम से जाना जाता है ?

उत्तर– देवी की आराधना पद्धति को तांत्रिक नाम से जाना जाता है।

24. . नयनार संतों के शैव भजनों का संकलन किस तमिल ग्रन्थ में किया गया है ?

उत्तर– तवरम्।

25. शरिया की अवहेलना करने वाले सूफी क्या कहलाते थे ?

उत्तर– बे–शरिया (शरिया कानून की अवहेलना करने वाले सूफी संत)

26. शरिया का पालन करने वाले सूफी क्या कहलाए ?

शेखावाटी मिशन–100

शेखावाटी मिशन 100 की कक्षा 10 एवं 12 के विभिन्न विषयों की नवीनतम बुकलेट डाउनलोड करने हेतु टेलीग्राम QR CODE स्कैन करें

उत्तर– बा–शरिया (शरिया कानून का पालन करने वाले सूफी संत)

27. खानकाह से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर– सूफी संतों के रहने का स्थान खानकाह कहलाता है जो सूफियों के सामाजिक जीवन का केन्द्र बिन्दु था।

28. सूफीवाद क्या है ?

उत्तर– इस्लाम की प्रेममार्गी और रहस्यवादी शाखा सूफीवाद के नाम से जानी जाती है।

29. तजकिरा क्या है ?

उत्तर– सूफी संतों की जीवनियों का स्मरण तजकिरा कहलाता है।

30. कश्फ–उल–महजुब नामक पुस्तक किसने लिखी ?

उत्तर– अबुल हसन अल हुजविरी

31. फवाइद अल फआद ग्रन्थ की रचना किसने की ?

उत्तर– अमीर हसन सिज़जी

शेखावाटी मिशन 100 की कक्षा 10 एवं 12 के विभिन्न विषयों की नवीनतम बुकलेट डाउनलोड करने हेतु टेलीग्राम QR CODE स्कैन करें

दीर्घउत्तरीय प्रश्न–

1. धार्मिक इतिहासकार भक्ति परम्परा को किन मुख्य वर्गों में विभाजित करते हैं ?

उत्तर– धार्मिक इतिहासकार भक्ति परम्परा को दो वर्गों में विभाजित करते हैं –सगुण भक्ति तथा निर्गुण भक्ति। सगुण भक्ति में शिव, विष्णु एवं उनके अवतारों तथा देवियों की साकार रूप में उपासना की जाती है। निर्गुण भक्ति परम्परा में निराकार ईश्वर की उपासना की जाती है।

2. कबीर की बानी कौनसी विशिष्ट परम्पराओं में संकलित हैं ?

उत्तर– कबीर की बानी तीन विशिष्ट परम्पराओं में संकलित हैं–

(i) कबीर बीजक कबीरपंथियों द्वारा वाराणसी तथा उत्तर प्रदेश के अन्य स्थानों पर संरक्षित है

(ii) कबीर ग्रन्थावली का संबंध राजस्थान के दादूपंथियों से है

(iii) कबीर के कई पद आदि ग्रन्थ साहिब में संकलित हैं।

3. भक्ति आंदोलन में मीराबाई के योगदान पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

उत्तर– मीराबाई महिला संत और सुप्रसिद्ध कवयित्री थी जिनका संबंध मेवाड़ राजकुल से था। वे मेवाड़ के शासक राणासांगा की पुत्रवधु थी। पति की असामयिक मृत्यु के बाद उन्होनें संन्यास ग्रहण कर लिया और शेष जीवन अपने आराध्य श्रीकृष्ण की भक्ति को समर्पित कर दिया। मीराबाई ने श्रीकृष्ण के प्रति अनुराग व्यक्त करते हुए अनेक गीतों की रचना की। उनके द्वारा रचित ग्रन्थ आज भी राजस्थान और गुजरात क्षेत्र में काफी लोकप्रिय हैं। मीराबाई को जातिवादी समाज की रूढ़ियों के बंधनो पर प्रहार करने वाली महिला संत के रूप में याद किया जाता है।

4. भक्ति आंदोलन में शंकरदेव के योगदान पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

उत्तर– शंकरदेव असम क्षेत्र में वैष्णव धर्म के मुख्य प्रचारक थे। उनके उपदेशों को भगवती धर्म कहकर संबोधित किया जाता है। शंकरदेव की प्रमुख काव्य रचना कीर्तनघोष है।

5. पंच ककार परम्परा क्या है ?

उत्तर– गुरू गोविन्द सिंह ने सिखों को पाँच प्रतीक धारण करने का आदेश दिया, जिसे पंच ककार कहा जाता है। ये पाँच प्रतीक है– बिना कटे केश, कृपाण, कंघा, कच्छा और कड़ा।

शेखावाटी मिशन–100

6. कर्नाटक की वीरशैव परम्परा पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

उत्तर– बारहवीं शताब्दी में कर्नाटक में बासवन्ना के नेतृत्व में एक नवीन धार्मिक आंदोलन का उद्‌भव हुआ। बासवन्ना के अनुयायी वीरशैव व लिंगायत कहलाए। इस समुदाय के लोग शिव की पूजा लिंग के रूप में करते हैं। लिंगायतों ने जाति की अवधारणा और पुनर्जन्म सिद्धान्त का विरोध किया।

7. सुफीवाद और भक्ति आंदोलन की समानताओं पर टिप्पणी लिखिए।

अथवा

भक्ति आंदोलन की प्रमुख विशेषताएं बताइए।

उत्तर– सूफीवाद और भक्ति आंदोलन ने एक दूसरी विचारधारा को प्रभावित किया और दोनों में अनेक समान विशेषताएं दिखाई देती है–

(i) एकेश्वरवाद **(ii)** मानवतावादी दृष्टिकोण **(iii)** प्रेममार्गी विचारधारा **(iv)** गुरु की महिमा का गुणगान **(v)** सहनशीलता **(vi)** जाति प्रथा तथा सामाजिक भेदभाव का विरोध **(vii)** पाखण्ड एवं कर्मकाण्डों का विरोध **(viii)** आत्मज्ञान के महत्व पर बल **(ix)** सगुण या निर्गुण ईश्वर की उपासना

8. "कबीर और नानक सामाजिक चेतना के प्रहरी थे" कथन की समीक्षा कीजिए।

अथवा

कबीर एवं गुरू नानक देव की प्रमुख शिक्षाएं बताइए।

अथवा

निर्गुण भक्ति परम्परा में कबीर एवं गुरू नानक देव का मूल्याकंन कीजिए।

उत्तर– मध्यकालीन भक्ति आंदोलन में संत कबीर व गुरू नानक का महान योगदान है। कबीर और गुरू नानक देव को निर्गुण भक्ति परम्परा को लोकप्रिय बनाने का श्रेय है। दोनों ही संतों ने मूर्तिपूजा के महत्व को अस्वीकार कर निराकार ईश्वर की उपासना पद्धति पर बल दिया। कबीर और नानक ने एक समान धार्मिक और सामाजिक बुराइयों का विरोध किया। इन दोनों संतों ने जाति प्रथा और सामाजिक भेदभाव को अस्वीकार कर दिया और धार्मिक पाखण्डों और कर्मकाण्डों के प्रति जनसामान्य को जागृत करने का प्रयास किया। ये दोनों संत सरल जीवन और उपासना पद्धति के समर्थक थे। इस प्रकार कबीर और नानक धार्मिक उपदेशक होने के साथ साथ सामाजिक चिंतक भी माने जाते हैं।

9. महान और लघु परम्पराओं से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर– समाजशास्त्री रॉबर्ट रेडफील्ड ने कृषक समाज के धार्मिक और सांस्कृतिक आचरणों को महान व लघु परम्पराओं में विभक्त किया है। रेडफील्ड के अनुसार कृषक समाज उन कर्मकाण्डों और पद्धतियों का अनुसरण करने में अधिक रूचि रखते थे जो समाज के अभिजात वर्ग राजा और पुरोहितों द्वारा अपनाई जाती थी। इन कर्मकाण्ड को रेडफील्ड ने महान परम्परा कहा है। कृषक समुदाय सामाजिक जीवन में जिन स्थानीय लोकाचारों का पालन करते थे, उन्हें लघु परम्परा के नाम से संबोधित किया गया है।

10. इतिहासकार धार्मिक परम्परा के इतिहास के पुनर्निर्माण करने के लिए किन–किन स्त्रोतों का उपयोग करते है?

उत्तर– धार्मिक परम्पराओं के इतिहास के पुनर्निर्माण में मूर्तियां, स्थापत्य कला, धर्मगुरूओं से जुड़ी लोक कहानियां तथा संत कवियों की साहित्यिक काव्य रचनाएं इतिहासकारों के लिए सहायक स्त्रोत हैं। इतिहासकार इन संत कवियों के अनुयायियों द्वारा लिखी गई उनकी जीवनियों का भी इस्तेमाल करते हैं हालाँकि यह जीवनियां अक्षरतः सत्य नहीं स्वीकार की जा सकती हैं।

शेखावाटी मिशन–100

11. भारतीय उपमहाद्वीप में चिश्ती सिलसिले के प्रसार पर संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत कीजिए।

उत्तर– भारत आने वाले सूफी सम्प्रदायों में चिश्ती सिलसिला सबसे लोकप्रिय व प्रभावशाली सिलसिला माना जाता है। चिश्ती सिलसिले के शेखों ने न केवल अपने आप को स्थानीय परिवेश में ढ़ाला अपितु भारतीय भक्ति परम्परा की अनेक विशेषताओं को आत्मसात किया। भारत में चिश्ती सिलसिले के संस्थापक ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती थे। शेख निजामुद्दीन औलिया ने कई आध्यात्मिक वारिसों का चुनाव किया और उन्हें उपमहाद्वीप के विभिन्न भागों में खानकाह स्थापित करने के लिए नियुक्त किया। इस वजह से चिश्तियों के उपदेश, व्यवहार और संस्थाएं तथा शेख निजामुद्दीन औलिया का यश सम्पूर्ण उपमहाद्वीप में फैल गया और चिश्ती सिलसिले को व्यापक लोकप्रियता प्राप्त हुई।

12. चिश्ती सिलसिले से संबंधित प्रमुख उपदेशकों व मुख्य केन्द्रों के नाम बताइए।

उत्तर– चिश्ती सिलसिला के मुख्य उपदेशक और केन्द्र–

क्र. सं.	सूफी संत	दरगाह
(i)	ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती	**अजमेर**
(ii)	शेख कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी	**दिल्ली**
(iii)	शेख निजामुद्दीन औलिया	**दिल्ली**
(iv)	शेख नसीरुद्दीन चिराग ए देहली	**दिल्ली**
(v)	शेख फरीदुद्दीन गंज ए शकर	**अजोधन (पंजाब)**

अध्याय – 7
एक साम्राज्य की राजधानी–विजयनगर
अंकभार–6

1. वास्को डी गामा ने भारत की खोज कब की थी ?

(a) 1495 ई. (b) 1498 ई. (c) 1503 ईं (d) 1499 ई. **(b)**

2. तालीकोटा का युद्ध कब लड़ा गया था ?

(a) 1465 ई. (b) 1542 ई (c) 1565 ई. (d) 1529 ई. **(c)**

3. तालीकोटा के युद्ध में विजयनगर का नेतृत्व किसने किया ?.

(a) कृष्णादेवराय (b) हरिहर (c) बुक्का (d) रामराय **(d)**

4. विजयनगर के शासक किसकी ओर से शासन करने का दावा करते थे ?

(a) भगवान विरूपाक्ष (b) पम्पादेवी (c) तिरुपति (d) इनमे से कोई नही **(a)**

5. हम्पी को राष्ट्रीय महत्व के स्थल के रूप में मान्यता कब मिली ?

(a) 1980 ई. (b) 1975 ई. (c) 1976 ई. (d) 1973 ई. **(c)**

6. कॉलिन मैकेन्जी को भारत का पहला सर्वेयर जनरल कब बनाया गया ?

(a) 1815 ई. (b) 1821 ई. (c) 1836 ई. (d) 1856 ई. **(a)**

रिक्त स्थान की पूर्ति करें –

1. विजयनगर के सभी राजकीय आदेशों पर कन्नड़ लिपि में **श्री विरूपाक्ष** शब्द अंकित होता था।

2. विजयनगर के शासक संकेतक के रूप में विरुद **हिन्दू सूरतराणा** का प्रयोग करते थे।

3. कृष्णदेव राय का संबन्ध **तुलुव वंश** से था।

शेखावाटी मिशन–100

4. समकालीन लोग विजयनगर को **कर्नाटक साम्राज्यम्** नाम से भी पुकारते थे।

5. विजयनगर के शासक अपने आप को **राय** कहते थे।

6. हम्पी को **1986 ई०** में यूनेस्को ने विश्व पुरातत्व स्थल घोषित किया।

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्नः–

1. विजयनगर साम्राज्य को वर्तमान में किस नाम से जाना जाता है। इसका यह नाम क्यों पड़ा ?

उत्तर– हम्पी के नाम से जाना जाता है। यह नाम स्थानीय मातृदेवी पम्पादेवी के नाम से पड़ा।

2. हम्पी की खोज किसने की थी तथा ये किस पद पर कार्यरत थे ?

उत्तर– हम्पी की खोज 1800 ई. में कर्नल कॉलिन मैकेन्जी ने की थी। मैकेन्जी भारत के पहले सर्वेयर जनरल थे।

3. विजयनगर साम्राज्य के इतिहास के पुनर्निर्माण में किन स्त्रोतों का अध्ययन किया गया ?

उत्तर– विदेशी यात्रियों के वृत्तांतों, तेलुगु, कन्नड़, तमिल, एवं संस्कृत साहित्य का।

4. विजयनगर साम्राज्य की स्थापना किसने व कब की ?

उत्तर– हरिहर और बुक्का ने 1336 ई० में की।

5. गजपति, अश्वपति एवं नरपति का शाब्दिक अर्थ बताइए?

उत्तर– गजपति – हाथियों के स्वामी उड़ीसा के शासको के लिए
अश्वपति – घोड़ों के स्वामी दक्कन के सुल्तानों के लिए
नरपति – लोगों के स्वामी विजयनगर के रायों के लिए

6. विजयनगर में व्यापारियों के स्थानीय समूह को किन नामों से जाना जाता था ?

उत्तर– कुरिदई चेट्टी अथवा घोड़ों के व्यापारी

7. विजयनगर के शासक घोड़ों का आयात कहाँ से करते थे?

उत्तर– अरब तथा मध्य एशिया से

8. कृष्णदेव राय का संबंध किस वंश से था ?.

उत्तर– तुलुव वंश से

9. तालीकोटा के युद्ध को अन्य किस नाम से जाना जाता है?

उत्तर– राक्षसी – तांगडी के नाम से

शेखावाटी मिशन 100 की कक्षा 10 एवं 12 के विभिन्न विषयों की नवीनतम बुकलेट डाउनलोड करने हेतु टेलीग्राम QR CODE स्कैन करें

10. तालीकोटा का युद्ध किन–किन के मध्य हुआ ?

उत्तर–.विजयनगर के प्रधानमंत्री रामराय एवं बीजापुर, गोलकुण्डा, अहमदनगर की संयुक्त सेना के मध्य।

11. तालीकोटा युद्ध के बाद विजयनगर की सत्ता कहाँ स्थानांतरित हुई ?

उत्तर– चंद्रगिरी (तिरुपति) के समीप स्थानांतरित हो गई।

12. "यवन राज्य की स्थापना करने वाला" विरुद धारण किसने किया था ?

उत्तर– कृष्णदेव राय ने

13. "यवन" शब्द किनके लिए प्रयोग में लाया जाता था ?

उत्तर– यवन संस्कृत शब्द है जो यूनानियों एवं उत्तर–पश्चिम से आने वाले लोगो के लिए प्रयोग मे लाया जाता था।

14. 'हिरिया नहर' का मुख्यतः उपयोग क्या था ?

उत्तर– हिरिया नहर का निर्माण संगम वंश के राजाओं ने करवाया था। इसका प्रयोग तुंगभद्रा बांध से पानी लाने के लिए

शेखावाटी मिशन–100

होता था। इसे "धार्मिक केन्द्र" से "शहरी केन्द्र" को अलग करने वाली घाटी को सिंचित करने में प्रयोग किया जाता था।

15. नायक कौन थे ?

उत्तर– विजयनगर के सेना प्रमुख होते थे जिनका किलों पर नियन्त्रण होता था जिनके पास सशस्त्र समर्थक होते थे। ये तेलुगु या कन्नड़ भाषा बोलते थे।

16. विजयनगर के किलेबंद भाग की सड़कों की विशेषताएं बताइए ?

उत्तर– सड़के पहाड़ी भू–भाग से बचकर घाटियों से होकर ही इधर–उधर घुमती थी। मुख्य सड़के मंदिरों के प्रवेश द्वारों से आगे बढ़ी हुई थी और इनके दोनों ओर बाजार थे।

17. विजय नगर के "राजा का भवन" नामक स्थान की दो प्रमुख संरचनाए कौन सी थी ?

(i) सभा मंडप **(ii)** महानवमी डिब्बा

18. लोटस (कमल) महल क्या था?.

उत्तर– यह विजयनगर साम्राज्य के राजकीय केन्द्र का सुन्दर भवन था। जो परिषदीय सदन था जहाँ राजा अपने परामर्शदाताओं से मिलता था।

19. हज़ार राम मन्दिर की विशेषता बताइए?

उत्तर– विजयनगर साम्राज्य के राजकीय केन्द्र में स्थित मंदिर जिसका प्रयोग केवल राजा और उनके परिवार द्वारा ही किया जाता था । इसकी आंतरिक दीवारों पर रामायण के दृश्य उत्कीर्णित है।

20. 'हिन्दू सूरतराणा' का शाब्दिक अर्थ क्या है ?

उत्तर– यह अरबी भाषा के शब्द 'सुल्तान' जिसका अर्थ है राजा, का संस्कृत अनुवाद था। शाब्दिक रूप में इसका अर्थ था हिंदू सुल्तान ।

21. विजयनगर की राजधानी का स्थान चयन किससे प्रेरित था ?

उत्तर– यह स्थान विरूपाक्ष तथा पम्पा देवी के मन्दिरों के अस्तित्व से प्रेरित था।

22. विजयनगर साम्राज्य के क्षेत्र के मन्दिरों के निर्माण में किन–किन राजवंशों का योगदान था ?

उत्तर– (i) पल्लव **(ii)** चोल **(iii)** चालुक्य **(iv)** होयसाल

23. विभिन्न विवरणों से विजयनगर के सामान्य लोगों के जीवन की क्या छवि पाते है?

उत्तर– पूर्तगाली यात्री बरबोसा ने वर्णन किया कि सामान्य लोगों के अन्य आवास छप्पर के है, पर फिर भी सुदृढ़ है, और व्यवसाय के आधार पर कई खुले स्थानों वाली लंबी गलियों में व्यवस्थित है।

24. मंदिरो के विशिष्ट अभिलक्षणों में 'मण्डप' भी थे ? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर–ये अकसर मंदिर परिसर में स्थित देवस्थल के चारो ओर बने थे जो सूक्ष्मता से उत्कीर्णित स्तंभो से सजाया जाता था।

25. मन्दिरो के सभागार का प्रयोग किन कार्यो में होता था ?

उत्तर– देवताओं की मूर्तिया, संगीत, नृत्य और नाटको के विशेष कार्यक्रम होते थे। देवी–देवताओं के विवाह उत्सव मनाने एवं झुला झुलाने के काम आते थे।

26. विजयनगर साम्राज्य के पूर्व शासको ने किन मंदिरों को संरक्षण प्रदान किया ?

उत्तर– (i) तंजावुर के बृहदेश्वर मंदिर **(ii)** बेलूर के चन्नकेशव मंदिर

27. विजयनगर सम्राज्य का सर्वेक्षण किसने किया था ?

शेखावाटी मिशन–100

उत्तर– जॉन एम. फ्रिटज, जॉर्ज मिशेल एवं एम. एस. नागराज राव।

लघुत्तरात्मक प्रश्नः–

1. कृष्णदेव राय के शासन की चारित्रिक विशेषताएं बताइएँ ?

उत्तर– (i) दक्षिण भारतीय मंदिरों में भव्य गोपुरमों के निर्माण की शुरुआत की।

(ii) अपनी माँ के नाम पर नगलपुरम् नामक उपनगर की स्थापना की।

(iii) शांति एवं समृद्धि का काल

2. विजयनगर साम्राज्य पर किन–किन राजवंशों ने शासन किया क्रमशः नाम बताइए ?

उत्तर– (i) संगम वंश **(ii)** सुलुव वंश **(iii)** तुलुव वंश **(iv)** अराविदु वंश

3. कृष्णदेव राय के द्वारा रचित ग्रंथ का नाम बताइए ?

उत्तर– अमुक्तमल्यद ग्रंथ की रचना तेलुगु भाषा में की थी। इस इस ग्रंथ में शासन कला में व्यापारियों के विषय में लिखा गया है।

4. आप कैसे कह सकते है कि विजयनगर के प्रधानमंत्री रामराय द्वारा सुल्तानों के प्रति अपनाई गई नीति जोखिमपूर्ण थी ?

उत्तर– यह रामराय की जोखिम भरी नीति थी, जिसके अनुसार उसने एक सुल्तान को दूसरे के विरुद्ध करने की कोशिश की किंतु वे सुल्तान एक हो गए और उन्होंने उसे निर्णायक रूप से पराजित कर दिया।

5. अमर नायक प्रणाली विजयनगर साम्राज्य की एक प्रमुख राजनीतिक खोज थी। स्पष्ट कीजिए ?

उत्तर– (i) अमर नायक प्रणाली दिल्ली सल्तनत की इक्ता प्रणाली से ली गई थी।

(ii) अमर नायक सैनिक कमांडर होते थे जिनकी नियुक्ति राय के द्वारा की जाती थी।

(iii) ये किसानों, शिल्पकर्मियों तथा व्यापारियों से भूराजस्व एवं अन्य कर वसूल करते थे।

(iv) ये राजस्व का कुछ भाग व्यक्तिगत उपयोग के लिए रखते थे।

(v) विजयनगर शासकों को सैनिक शक्ति प्रदान करते थे।

6. अमर नायकों पर शासक किस प्रकार अपना नियन्त्रण दर्शाते थे ?

उत्तर– (i) अमर नायक को वर्ष में एक बार स्वामीभक्ति प्रकट करने के लिए स्वयं को उपहारों के साथ राजकीय दरबार में उपस्थित होना पड़ता था।

(ii) राजा समय–समय पर उनका स्थानान्तरण भी करता रहता था।

7. विजयनगर के शासक जल संचय के प्रति जागरूक थे। स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– विजयनगर की प्रमुख नदी तुंगभद्रा नदी थी जिसके द्वारा निर्मित प्राकृतिक कुण्ड से कई जलधाराएं निकलती थी। इन जलधाराओं पर बाँध बनाकर हौज बनाए जाते थे। इनमे कमलपुरम् जलाशय आज भी विद्यमान है। इसके पानी को खेतों में सिंचाई एव नहर के माध्यम से राजकीय केन्द्र तक ले जाया गया था। आज भी संगम वंश के राजाओं द्वारा निर्मित हिरिया नहर के अवशेष मिलते हैं।

8. विजयनगर साम्राज्य की एक विशेषता किलेबंदी थी। कथन की व्याख्या कीजिए।

उत्तर–फ़ारस के दूत अब्दुर रज्ज़ाक ने दुर्गो की सात पंक्तियों का उल्लेख किया। इनसे शहर के साथ कृषि भूमि व जंगलों को भी घेरा जाता था

किलेबंदी के तीन घेरे थे– पहले से कृषि भूमि को घेरे थी, दूसरी नगरीय केन्द्र के आंतरिक भाग के चारों ओर तथा तीसरी शासकीय केन्द्र को घेरी होती थी।

शेखावाटी मिशन–100

9. विजयनगर में कृषि क्षेत्रों को किलेबंद भू–भाग में क्यो समाहित किया जाता था ?

उत्तर– (i) मध्यकालीन घेराबंदियों का मुख्य उद्देश्य प्रतिपक्ष को खाद्य सामग्री से वंचित कर समर्पण के लिए बाध्य करना था।

(ii)) ये घेराबंदिया कई महिनों या वर्षों तक चल सकती थी। ऐसी परिस्थितियों से निपटने के लिए किलेबंद क्षेत्रों के भीतर ही विशाल अन्नागारों का निर्माण करवाते थे।

(iii) पूरे कृषि भू–भाग को बचाने के लिए अधिक व्यापक एव महंगी नीति को अपनाया।

10. विजयनगर शासकों की स्थापत्य कला के कौन–कौन से से तत्व तुर्क सुल्तानों द्वारा प्रवर्तित स्थापत्य से प्रभावित थे ?

उत्तर– (i) किलेबंद बस्ती में जाने के लिए बने प्रवेश द्वारों पर बनी मेहराब और द्वार के ऊपर बनी गुम्बद तुर्की सुल्तानों द्वारा प्रवर्तित स्थापत्य थी।.

(ii) इस शैली को इण्डो–इस्लामिक (हिंद–इस्लामी) कहते है क्योंकि इसका विकास विभिन्न क्षेत्रों की स्थानीय स्थापत्य कला के सम्पर्क से हुआ था।

11. विजयनगर साम्राज्य में महानवमी डिब्बा का क्या धार्मिक महत्व था ?

उत्तर– (i) यह ऊँचे स्थान पर निर्मित विशालकाय मंच है जिसका आधार उभारदार उत्कीर्णन से पटा पड़ा है।

(ii) इसका उपयोग शासक अपने रुतबे, ताकत तथा अधिराज्य का प्रदर्शन करने में करते थे।

(iii) इससे जुड़े अनुष्ठान दस दिन के हिंदू त्यौहार दशहरा, नवरात्री या महानवमी नामों से होता था।

(iv) इसके अनुष्ठान में मूर्तिपूजा, अश्व पूजा तथा भैसों की बली दी जाती थी।

(v) नृत्य, कुश्ती, साज लगें घोड़ो, हाथियों, रथों एवं सैनिकों की शोभायात्रा होती थी।

12. मंदिर स्थापत्य में गोपुरम् का क्या महत्त्व है ?

उत्तर– गोपुरम् राजकीय सत्ता की घोतक थी। ये राजकीय प्रवेशद्वार थे जो अक्सर केन्द्रीय देवालयों की मीनारो को बौना प्रतीत कराते थे और लंबी दूरी से ही मंदिर के होने का संकेत देते थे।

13. विरूपाक्ष मंदिर की विशिष्टताएं बताइए ?

उत्तर– . इसका निर्माण कई शताब्दियों में हुआ था लेकिन विजयनगर साम्राज्य में इसका अधिक विस्तार हुआ। कृष्णदेव राय ने इसमें मण्डप एवं गोपुरम् का निर्माण करवाया था। केन्द्रीय देवालय पूरे परिसर के एक छोटे भाग तक सीमित रह गया था।

14. विट्ठल मंदिर का संक्षिप्त परिचय दीजिए?

उत्तर– ये महाराष्ट्र में पूजे जाने वाले विष्णु के एक रूप थे जो यहाँ के प्रमुख देवता थे। विट्ठल मंदिर में कई सभागार तथा रथ के आकार का मंदिर है। इसकी अन्य विशेषता रथ गलियाँ है जो मन्दिर के गोपुरम से सीधी रेखा में जाती है। इसके दोनों ओर स्तंभ वाले मण्डप थे जिसमें व्यापारी अपनी दुकाने लगाते थे।

15. विजयनगर साम्राज्य की यात्रा करने वाले विदेशी यात्री कौन–कौन थे ?

उत्तर– (i) इटली का निकोलो दे कॉन्ती **(ii)** फारस का अब्दुर रज्ज़ाक

(iii) रूस का अफानासी निकितन **(iv)** पुर्तगाल का दुआर्ते नूनिज बरबोसा

शेखावाटी मिशन–100

अध्याय – 8
किसान, जमींदार और राज्य, कृषि समाज और मुगल साम्राज्य
अंकभार–6

वस्तुनिष्ट प्रश्नः–

1. तुज्क–ए–बाबरी ग्रंथ किसने व किस भाषा में लिखा ?
   (a) अकबर– तुर्की (b) बाबर – तुर्की (c) अकबर – फारसी (d) हुमायूँ – तुर्की **(b)**
2. बाबरनामा ग्रंथ किस भाषा में है?
   (a) अरबी (b) तुर्की (c) संस्कृत (d) फारसी **(d)**
3. पंजाब में शाह नहर का निर्माण किसने करवाया था?
   (a) बाबर (b) हुमायू (c) शाहजहाँ (d) अकबर **(c)**
4. तम्बाकू पर पाबंदी किस मुगल शासक ने लगाई थी ?
   (a) हुमायूँ (b) अकबर (c) औरंगजेब (d) जहाँगीर **(d)**
5. राजस्व वसूल करने वाले अधिकारी को किस नाम से जाना जाता था ?
   (a) अमील–गुजार (b) दीवान (c) सुबेदार (d) मनसबदार **(a)**
6. आइन–ए–अकबरी की रचना किसने की थी?
   (a) अकबर (b) अबुल–फजल (c) जहाँगीर (d) गुलबदन बेगम **(b)**
7. आइन–ए–अकबरी की रचना अकबर के शासन के किस वर्ष पूर्ण हुई?
   (a) चालीसवें वर्ष (b) बीसवें वर्ष (c) बयालीसवें वर्ष (d) पाँचवें वर्ष **(c)**

रिक्त स्थान की पूर्ति करोः–

1. खेती व्यक्तिगत **मिल्कियत** के सिद्धान्त पर आधारित थी।
2. लाहौर, दीपालपुर एवं अन्य जगह के लोग **रहट** के जरिये सिंचाई करते थे।
3. आइन–ए–अकबरी के अनुसार आगरा प्रांत में **39 किस्म** एवं दिल्ली प्रांत में **43 किस्म** की फसले उगाई जाती थी।
4. पंचायत की आमदनी एवं खर्च का विवरण रखने में मुखिया की सहायता पंचायत का **पटवारी** करता था।
5. मुगल प्रांत के प्रशासनिक मण्डल को **परगना** कहते थे।
6. महाराष्ट्र में दस्तकारों के जमीन पर पुश्तैनी आधिकार को **मीरास या वतन** कहते थे।
7. असम के वे लोग जो जमीन के बदले राजा को सैनिक सेवा देते थे वे **पायक** कहलाते थे।
8. पंजाब का **लोहानी** कबीला भारत एवं अफगानिस्तान के बीच स्थलीय व्यापार करता था।
9. राज्य की कुछ खास किस्म की सेवा को **खिदमत** कहते थे।
10. बाबरनामा ग्रंथ को **तीन** जिल्दो में लिखा गया ।
11. दान में दिया गया राजस्व अनुदान **सुयूरगल** कहलाता था।
12. मुगल काल में पैदल सिपाही को **प्यादा** कहते थे।
13. प्रांतो में राजकीय नियम कानूनों का पालन सुनिश्चित करने की जिम्मेवारी **अमीन** की होती थी।

लघुत्तरात्मक प्रश्नः–

1. भारतीय–फारसी स्त्रोत में किसान के लिए कौन–कौन से शब्द इस्तेमाल होते थे?

शेखावाटी मिशन–100

उत्तर–रैयत (बहुवचन, रिआया), मुजरियान एवं आसामी शब्द इस्तेमाल होते थे।

2. खुद–काश्त व पाहि–काश्त किसानों में अंतर स्पष्ट कीजिए?

उत्तर–खुद–काश्त→ जो उन्हीं गावों में रहते थे जिनमें उनकी जमीन थीं। और स्वयं खेती करते थे।

पाहि–काश्त→ वे खेतीहर थे जो दूसरे गाँवों से ठेके पर खेती करने आते थे और उनके स्वयं के खेत नहीं थे।

3. 16वीं–17वीं सदी में कृषि उत्पादन को किस हद तक महज गुजारे के लिए खेती कह सकते हैं?

उत्तर–खेती का प्राथमिक उद्देश्य लोगों का पेट भरना था इसलिए रोजमर्रा के खाने की फसलें ज्यादा उगाई जाती थी।

4. जिन्स – ए– कामिल क्या थी?

उत्तर– सर्वोत्तम फसलो को जिनसे राज्य को ज्यादा कर मिलता था। जैसे गन्ना, कपास, तिलहन, दलहन आदि नकदी फसलों को जिन्स–ए–कामिल कहा जाता था।

5. कौन–कौन सी फसले दुनिया के अलग–अलग हिस्सो से भारत पहुंची थी ?

उत्तर– (i) अफ्रिका व स्पेन से मक्का (ii) नयी दुनिया (अमेरिका) से टमाटर, आलू, मिर्च, अनानास व पपीता

6. सामूहिक ग्रामीण समुदाय के तीन प्रमुख घटक क्या थे?

उत्तर– (i) खेतिहर किसान (ii) पंचायत (iii) गाँव का मुखिया (मुकद्दम या मण्डल)

7. मुगलकाल में कौनसी जातियाँ जाति व्यवस्था की पाबंदियों से बंधी हुई थी ?

उत्तर–(i) मुसलमान समुदाय में हलालखरान (ii) बिहार में मल्लाहजादाओं (नाविकों के पुत्र)

8. मध्यकाल में पंचायत के मुखिया के चुनाव की क्या प्रक्रिया थी?

उत्तर–मुखिया को मुकद्दम या मंडल भी कहते थे। इनका चुनाव गाँव के बुजुर्गो की आम सहमती से होता था ये इस पद पर बुजुर्गों के विश्वास पर ही पद पर बने रह सकते थे। चुनाव के बाद इसकी मंजूरी जमींदार से लेनी होती थी।

9. पंचायत एवं गाँव का मुखिया किस तरह से ग्रामीण समाज का नियमन करते थे ? विवेचना कीजिए।

उत्तर–(i) गाँव में रहने वाले अलग–2 समुदाय के लोगों को जाति की हदों में रखना ।

(ii) जाति की अवेहलना रोकने का कार्य करना।

(iii) पंचायतों को जुर्माना लगाने व समुदाय से निष्कासित करने का अधिकार भी था।

10. आपके मुताबिक कृषि समाज में सामाजिक व आर्थिक संबंधों को प्रभावित करने में जाति किस हद तक एक कारक थी।?

उत्तर–(i) जाति व अन्य जाति भेदभाव की वजह से खेतिहर किसान कई समूह में बँटे थे।

(ii) खेती लायक जमीन की कमी नही थी फिर भी कुछ जाति के लागों को सिर्फ नीच समझे जाने वाले काम ही दिये जाते थे।

(iii) राजपूत एवं जाट दोनो जातियों को किसान माना जाता था लेकिन जाति व्यवस्था मे राजपूत जाट से ऊपर आती थी।

11. ग्रामीण समाज में जातीय पंचायत के क्या कार्य थे?

उत्तर–(i) दीवानी झगड़ों का निपटारा करती थी।

(ii) जमीन से जुड़े दावेदारियों के झगड़े सुलझाती थी।

(iii) जातिगत मानदंडों के मुताबिक शादियों का ध्यान रखती थी।

12. 'जजमानी' व्यवस्था क्या थी?

उत्तर–बंगाल के जमींदार लोगो को उनकी सेवाओं के बदले रोज का भत्ता और खाने के लिए नकदी देते थे। इस व्यवस्था

शेखावाटी मिशन–100

को जजमानी कहते थे।

13. अंग्रेजों ने भारत के गाँवों को एक 'छोटा गणराज्य' कहा है? विवेचना कीजिए।

उत्तर–(i) लोग सामूहिक स्तर पर भाइचारे के साथ संसाधनों एवं श्रम का बँटवारा करते थे।

(ii) सम्पत्ति की व्यक्तिगत मिल्कियत होती थी।

(iii) गाँवों व शहरों के बीच व्यापार के कारण गाँव शहरों से जुड़ चुके थे।

14. कृषि उत्पादन में महिलाओं की क्या भूमिका होती थी?

उत्तर–(i) महिलाएँ बुआई, निराई, कटाई एवं पकी फसल के दाने निकालने का कार्य करती थी।

(ii) सूत कातने, बरतन बनाने, कपड़ो पर कढाई जैसे दस्तकारी महिलाओं के श्रम पर आधारित थी।

15. सोलहवी और सत्रहवी सदी में जंगलवासियों की जिदंगी किस तरह बदल गई ?

उत्तर–जंगल में बाहरी ताकते कई कारणों से घुसपैठ करने लगी थी।

(i) सेना के लिए हाथियों की आवश्यकता के कारण (ii) राजाओ द्वारा शिकार करने के कारण

(iii) वाणिज्यिक खेती एवं जंगल के उत्पादों की बाहर माँग होने के कारण।

16. मुगल भारत में जमींदारों की क्या भूमिका होती थी ?

उत्तर– (i) जमींदार जमीन के मालिक होते थे जिन्हें अपनी मर्जी से बेच व गिरवी रख सकते थे।

(ii) जमींदार राज्य की ओर से कर वसूल करता था बदले में उसे वित्तिय मुआवजा मिलता था ।

(iii) जमीदार के पास स्वयं के किले एवं सेना होती थी।

17. मुगल काल में भू–राजस्व वसूलने के कितने चरण थे?

उत्तर– भू–राजस्व वसूलने के दो चरण थे– (i) कर निर्धारण (ii) वास्तविक वसूली

(i) कर निर्धारण को जमा कहते थे जिसमें रकम निर्धारित की जाती थी (ii) हासिल–सचमुच वसूली गई रकम

18. मुगल काल में भूमि का वर्गीकरण कितने भागों में किया गया था?

उत्तर–भूमि का वर्गीकरण चार भागों में किया गया था।

(i) पोलज – सबसे उपजाऊ भूमि जिस पर साल की हर फसल होती थी।

(ii) परौती– इस भूमि को अपनी ऊपजाऊपनता पाने के लिए कुछ समय खाली रखी जाती थी।

(iii) चचर – यह भूमि तीन से चार वर्षों के लिए खाली रखी जाती थी।

(iv) बंजर – यह भूमि कृषि योग्य नही होती है इसे कृषि योग्य बनाया जाता था।

19. मनसबदारी व्यवस्था क्या थी ?

उत्तर–मुगल प्रशासनिक व्यवस्था के शीर्ष पर एक सैनिक नौकरशाही तंत्र था जिस पर राज्य के सैनिक एवं नागरिक मामलों की जिम्मेदारी थी।। मनसबदारों को भुगतान नकद या भू–राजस्व के आबंटन के जरिए होता था। तथा समय –समय पर इनका तबादला भी होता था।

20. मुगल काल मे नकद या जीन्स का निधारण कितने प्रकार से होता था ?

उत्तर–नकद या जीन्स का निर्धारण चार प्रकार से होता था।

(i) कणकुत – हिन्दी में कण का अर्थ अनाज और कुत का अर्थ अंदाजा। इसमे फसल को अच्छा, मध्यम व बदतर भाग में बाँटकर आकलन किया जाता था।

(ii) बटाई – इसे भाओली भी कहते थे। फसल को काटकर जमा करके सभी पक्षों की सहमती से बंटवारा होता था।

शेखावाटी मिशन–100

(iii) खेत बटाई – बीज बोने के बाद खेत बाँट लेते थे।

(iv) लाँग बटाई – फसल काटने के बाद ढेर लगाकर आपस में बाँटकर अपना हिस्सा घर ले जाते थे।

21. मुगल काल में स्थलीय व जलीय मार्गो से व्यापार किन देशो से होता था?

उत्तर– (i) स्थल मार्ग से व्यापार मिंग (चीन), सफानी (ईरान), ऑटोमन (तुर्की) से होता था।

(ii) जल मार्ग से व्यापार अमेरिक एवं यूरोप के देशों से।

22. आइन–ए–अकबरी का संकलन किस रूप में किया गया ?

उत्तर–आइन–ए–अकबरी को शाही नियम कानून के सारांश और साम्राज्य के राजपत्र की सूरत में संकलित किया गया था।

23. आइन–ए–अकबरी से हमें मुगल काल की क्या जानकारी मिलती है?

उत्तर– इस ग्रंथ से हमे दरबार, प्रशासन सेना के संगठन राजस्व के स्रोत, प्रांतो के भूगोल, साहित्य, संस्कृति व धार्मिक जीवन की जानकारी मिलती है।

24. आइन–ए–अकबरी ग्रंथ का संकलन कितने भागों में किया गया है।

उत्तर–आइन–ए अकबरी ग्रंथ का संकलन पाँच दफ्तर (भाग) में किया गया था।

(i) मंजिल आबादी – इसमें शाही घर परिवार और उसके रख–रखाव की जानकारी

(ii) सिपह आबादी – इसमें सैनिक, नागरिक प्रशासन, नौकरों की व्यवस्था, मनसबदारी, विद्वानों, कलाकारों की संक्षिप्त जीवनियां शामिल है।

(iii) मुल्क आबादी – साम्राज्य के प्रांतो एवं राजस्व आंकड़ो की जानकारी देती है। इसमें सूबो एवं उनकी प्रशासनिक व वितीय इकाइयों (सरकार, परगना महल) की जानकारी देती है। उत्तर भारत के कृषि समाज का विस्तृत विवरण देता है।

(iv) चौथे एवं पाँचवें भाग में भारत के लागों के मजहबी, साहित्यिक और सांस्कृतिक रीति–रिवाजों से ताल्लुक रखती है।

25. आइन–ए–अकबरी ग्रंथ का अनुवाद किसने किया ?

उत्तर–इसका संपादन हेनरी ब्लॉकमेन ने किया। कलकता की एशियाटिक सोसाइटी ने **बिब्लियोथिका** श्रृंखला में इसे तीन खण्डो में इसे प्रकाशित किया। प्रथम भाग का अनुवाद हेनरी ब्लॉकमेन तथा दूसरे व तीसरे भाग का अनुवाद एच0 एस0 जैरेट ने किया।

पाठ – 9
उपनिवेशवाद और देहात
अंकभार–6

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. इंग्लिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने बंगाल की दीवानी किस वर्ष प्राप्त कीः–

(a) 1765 ई (b) 1760 ई (c) 1780 ई (d) 1770 ई **(a)**

2. ईस्ट इंडिया कंपनी के क्रियाकलापों को विनियमित करने के लिए ब्रिटिश पार्लियामेंट द्वारा रेग्यूलेटिंग एक्ट कब पारित किया गया ?

(a) 1773 ई (b) 1740 ई (c) 1770 ई (d) 1775 ई **(a)**

3. बंगाल में इस्तमरारी बंदोबस्त कब लागू किया गया ?

(a) 1793 ई (b) 1790 ई (c) 1780 ई (d) 1770 ई **(a)**

4. बम्बई दक्कन में पहला राजस्व बंदोबस्त कब लागु किया गया?

शेखावाटी मिशन–100

(a) 1818 ई (b) 1822 ई (c) 1825 ई (d) 1830 ई **(a)**

5. संथालों ने विद्रोह कब किया ?

(a) 1855–56 (b) 1850–51 (c) 1852–53 (d) 1853–54 **(a)**

6. राजस्व इक्ट्ठा करने वाला जमींदार का अधिकारी क्या कहलाता था ?

(a) अमला (b) रैयत (c) जोतदार (d) मंडल **(a)**

7. बंगाल में धनवान रैयत को क्या कहते थे ?

(a) जोतदार (b) किसान (c) अमला (d) बंटाईदार **(a)**

8. गांव का मुखिया क्या कहलाता था ?

(a) मंडल (b) जोतदार (c) अमला (d) बंटाईदार **(a)**

9. पांचवी रिपोर्ट ब्रिटिश संसद में कब पेश की गई थी?

(a) 1801 ई. में (b) 1808 ई. में (c) 1813 ई. में (d) 1857 ई. में **(c)**

10. स्थायी बंदोबस्त का जनक कौन था?

(a) कार्नवालिस (b) मार्टिन बर्ड (c) मुनरो (d) जॉन शोर **(a)**

11. बर्दवान के किस राजा ने 1857 के विद्रोह व संथाल विद्रोह के दौरान अंग्रेजी हुकूमत का साथ दिया?

(a) मेहताबचंद (b) तेजचंद (c) रायचंद (d) रामचन्द्र **(a)**

12. कुदाल किसके जीवन का प्रतीक था ?

(a) पहाड़िया (b) संथाल (c) रैयत (d) जमींदार **(a)**

13. हल किसके जीवन का प्रतीक था ?

(a) संथाल (b) पहाड़िया (c) रैयत (d) जमींदार **(a)**

14. संथाल विद्रोह का नेतृत्व किसने किया ?

(a) सिंधू मांझी (b) रामू मांझी (c) गांधीजी (d) लाला जी **(a)**

15. पहाड़िया लोगों से शांति स्थापना की नीति किसने प्रस्तावित की थी?

(a) ऑगस्टस क्लीवलैंड (b) गांधीजी (c) मुनरो (d) कार्नवालिस **(a)**

16. ब्रिटेन में कपास आपूर्ति संघ की स्थापना कब हुई ?

(a) 1857 (b) 1850 (c) 1852 (d) 1860 **(a)**

17. मैनचेस्टर कॉटन कंपनी कब बनाई गई ?

(a) 1859 (b) 1850 (c) 1855 (d) 1856 **(a)**

18. अमेरिका में गृहयुद्ध कब शुरु हुआ ?

(a) 1861 (b) 1865 (c) 1860 (d) 1866 **(a)**

19. दक्कन में सर्वप्रथम आन्दोलन .....में हुआ, जहाँ विपणन केन्द्र था।

उत्तर– पूना के गाँव सूपा

20. दक्कन में सर्वप्रथम आन्दोलन सन् ..... में हुआ।

उत्तर– 1875 ई. में

शेखावाटी मिशन–100

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्नः–

1. औपनिवेशिक शासन सर्वप्रथम कौनसे प्रांत में स्थापित किया गया ?

उत्तर–बंगाल

2. बंगाल प्रांत में ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा राजस्व इक्कठा करने के लिए एक नयी राजस्व प्रणाली स्थापित करने प्रयास किया, जिसे हम किस नाम से जानते हैं?

उत्तर– इस्तमरारी बंदोबस्त, 1793 ई. में बंगाल में लागू ।

3. राजा शब्द का प्रयोग किसके लिए किया जाता था ?

उत्तर– शक्तिशाली जमीदारों के लिए।

4. किस गवर्नर जनरल के समय बंगाल में इस्तमरारी बंदोबस्त लागू किया गया व कब ?

उत्तर– कार्नवालिस, 1793 ई. में

5. ब्रिटिश अधिकारियों द्वारा बंगाल में इस्तमरारी बंदोबस्त लागू करने के कोई दो उद्देश्य बताइए ?

उत्तर– (i) ब्रिटिश अधिकारियों को यह आशा थी कि इस प्रक्रिया से छोटे किसानों और धनी भूस्वामियों का एक ऐसा वर्ग उत्पन्न हो जाएगा जिसके पास कृषि में सुधार करने के लिए पूंजी और उधम दोनों होंगे।
(ii) उन्हें यह उम्मीद थी कि ब्रिटिश शासन से पालन–पोषण और और प्रोत्साहन पाकर यह वर्ग कंपनी के प्रति वफादार बना रहेगा।

6. इस्तमरारी बंदोबस्त को अन्य किस नाम से जाना जाता है ?

उत्तर– स्थायी बंदोबस्त

7. कंपनी के अधिकारियो ने इस्तमरारी बंदोबस्त के तहत भू–राजस्व वसुली का कार्य किसे दिया ?

उत्तर– बंगाल के राजाओं और ताल्लुकदारों को जमींदार के रूप में वर्गीकृत कर भू–राजस्व वसुली का कार्य उन्हें ठेके पर दिया।

8. इस्तमरारी बंदोबस्त क्या है ?

उत्तर– इस्तमरारी बंदोबस्त बंगाल में भू–राजस्व वसूली की एक स्थायी व्यवस्था थी जिसमें जमींदारों को सदा के लिए एक निर्धारित राजस्व मांग को अदा करना था। इस व्यवस्था में जमींदार गाँव में भू–स्वामी नहीं था, वह केवल राज्य का राजस्व संग्रहणकर्त्ता था। (राजस्व समाहर्त्ता)

9. अंग्रेजी विवरणों में रैयत शब्द का प्रयोग किसके लिए किया जाता था? क्या बंगाल में स्वयं खेती करते थे ?

उत्तर– किसानो के लिए बंगाल में रैयत जमीन को खुद काश्त नहीं करते थे बल्कि 'शिकमी–रैयत' को आगे पट्टे पर दे दिया करते थे।

10. बंटाईदार का क्या कार्य होता था ?

उत्तर–जोतदार, की जमीन का काफी बड़ा भाग बंटाईदारों जिन्हें अधियारो या बरगादार भी कहते थे, के माध्यम से जोता जाता था। बंटाईदार खुद अपने हल लाते थे, खेत में मेहनत करते थे और फसल के बाद उपज का आधा हिस्सा जोतदार को देते थे।

11. इस्तमरारी बंदोबस्त से जमीदारों की असफलता के दो कारण लिखिए। या इस्तमरारी बंदोबस्त के बाद बहुत सी जमींदारियां नीलाम क्यों कर दी गई ?

उत्तर– (i) कम्पनी अधिकारियों द्वारा भू–राजस्व की दर ऊंची व स्थायी रखी गई थी क्योंकि उनका मानना था कि समय

शेखावाटी मिशन–100

के साथ कृषि उत्पादन एवं कीमतों में वृद्धि होगी।

(ii) ऊंची दर होने के कारण रैयत समय पर जमींदारों को राजस्व का भुगतान नहीं कर पाते थे। जिसके कारण जमींदार कम्पनी को समय पर भू–राजस्व जमा नहीं करवा पाते थे और सूर्यास्त कानून के तहत उनकी जमींदारी नीलाम कर दी जाती थी।

12. औपनिवेशिक भारत में जमीदारों की शक्ति को नियंत्रित करने के लिए कंपनी सरकार के कोई दो उपाय बताइए?

उत्तर– (i) जमींदारों की सैन्य–टुकड़ियों को भंग कर दिया गया।

(ii) उनकी कचहरियों को कंपनी द्वारा नियुक्त कलेक्टर की देखरेख मे रख दिया गया।

13. जोतदार जमींदारों से किस प्रकार प्रभावशाली होते थे? कोई दो कारण लिखो।

उत्तर– (i) जोतदार जमींदारों के विपरित गाँवों में रहते थे जिससे ग्रामीणों पर उनका सीधा नियन्त्रण होता था।

(ii) जो रैयत उन पर निर्भर रहते थे, उन्हें वे अपने पक्ष में एकजुट रखते थे और जमींदार को राजस्व के भुगतान में जान–बूझकर देरी कर देते थे व नीलामी के समय स्वयं जोतदार जमींदार की जमीनों को खरीद लेते थे।

14. जमींदार लोग अपनी जमींदारियों को नीलाम होने से किस प्रकार बचा लेते थे?

उत्तर– (i) अपनी संपति को स्त्रियों (माता) के नाम करके क्योंकि कंपनी ने निर्णय ले रखा था कि स्त्रियों की संपति को छीना नहीं जाएगा।

(ii) नीलामी में अपने एजेन्टों के द्वारा ऊंची बोली लगाकर बेनामी खरीददारियां करके।

15. पांचवी रिपोर्ट पर प्रकाश डालिए।

उत्तर– भारत में ईस्ट इंण्डिया कंपनी के प्रशासन तथा क्रियाकलापों के विषय में तैयार की गई रिपोर्ट में से यह पांचवी रिपोर्ट थी जो 1813 ई. में ब्रिटिश संसद मे पेश की गई थी। यह रिपोर्ट भारत में ईस्ट इण्डिया कंपनी के शासन के स्वरूप पर ब्रिटिश संसद मे गम्भीर वाद–विवाद का आधार बनी।

16. एक्वाटिंट (ताम्र पट्टोत्कीर्णन) क्या है?

उत्तर– एक्वाटिंट एक ऐसी तस्वीर होती है जो ताम्रपट्टी में अम्ल की सहायता से चित्र के रूप में कटाई करके छापी जाती है।

17. फ्रांसिस बुकानन कौन थे?

उत्तर– फ्रांसिस बुकानन एक चिकित्सक थे जिन्होने बंगाल चिकित्सा सेवा में (1794 से 1815 तक) कार्य किया। ये कुछ वर्षो तक भारत के गर्वनर जनरल लार्ड वेलेजली के शल्य चिकित्सक रहे। इन्होने कलकत्ता में कलकत्ता अलीपुर चिड़ियाघर की स्थापना की। बंगाल सरकार के अनुरोध पर उन्होने ब्रिटिश इण्डिया कंपनी के अधिकार क्षेत्र मे आने वाली भूमि का विस्तृत सर्वेक्षण किया।

18. पहाड़िया लोग मैदानी भागों पर आक्रमण क्यों करते थे ? कोई दो कारण बताइए।

उत्तर– (i) अभाव एवं अकाल के वर्षों मे जीवित रहने के लिए।

(ii) मैदानी लोगों पर अपनी ताकत दिखाने के लिए।

19. पहाड़ियों लोगों की आजीविका संथालो की आजीविका से किस रूप में भिन्न थी ?

उत्तर– (i) पहाड़िया लोग झूम खेती करते थे जिसमें जंगल के छोटे हिस्से में झाड़ियो को काटकर घास–फूस जलाकर कुदाल से जमीन को थोड़ा खुरच कर कृषि करते थे। वे कुछ वर्षो तक उस साफ की गई जमीन में खेती करते और फिर उसे कुछ वर्षों के लिए परती छोड़ कर नए इलाके में चले जाते थे।

शेखावाटी मिशन–100

(ii) संथाल लोग स्थायी कृषि करते थे, ये जंगलो को काटकर व हल से जोतकर बंजर जमीन को कृषि योग्य बनाने मे सक्षम थे।

20. दामिन–इ–कोह से क्या अभिप्राय है ?

उत्तर– राजमहल की तलहटी में 1832 ई. तक जमीन के एक काफी बड़े इलाके को दामिन–इ–कोह के रूप में सीमांकित कर इसे संथालो की भूमि घोषित कर दिया गया। उन्हें इस इलाके के भीतर रहना था, हल चलाकर खेती करनी थी और स्थायी किसान बनना था। उनको दी जाने वाली भूमि के अनुदान–पत्र में यह शर्त थी कि उनको दी जाने वाली भूमि के कम से कम दसवें भाग को साफ करके पहले दस वर्षों के भीतर जोतना था।

21. .संथाल विद्रोह के कोई दो कारण बताइए।

उत्तर– (i) संथालो ने जिस जमीन को साफ करके खेती शुरू की थी, उस पर सरकार (राज्य) भारी कर लगा रही थी।

(ii) साहूकार (दिकू) लोग बहुत ऊंची दर पर ब्याज लगा रहे थे और कर्ज अदा न किए जाने पर जमीन पर ही कब्जा कर रहे थे।

22. संथाल विद्रोह के कोई दो परिणाम बताइए।

उत्तर– (i) 1855–1856 के संथाल विद्रोह के बाद संथाल परगने का निर्माण कर दिया गया जिसके लिए 5500 वर्गमील का क्षेत्र भागलपुर और बीरभूम जिलों में से लिया गया।

(ii) संथाल परगने में संथालों के लिए कुछ विशेष कानून लागू किए गए।

23. अंग्रेजी अधिकारियों ने बंगाल के बाहर इस्तमरारी बंदोबस्त लागू क्यों नहीं किया ? कोई दो कारण बताइए।

अथवा

बम्बई दक्कन में राजस्व की नई प्रणाली क्यों लागू की गई? कोई दो कारण बताइए।

उत्तर– (i) बंगाल में औपनिवेशिक अधिकारियों ने स्थाई बंदोबस्त लागू किया जिसमें भू–राजस्व की दरें हमेशा के लिए नियत कर दी गई किंतु समय के साथ अपने वितीय संसाधनो को बढ़ाने की उत्कृष्ट इच्छा से औपनिवेशिक सरकार को अपने भू–राजस्व को अधिक से अधिक बढ़ाने के तरीको पर विचार करना पड़ा।

(ii) 1810 के बाद खेती की कीमते बढ़ गई जिससे उपज के मूल्य में वृद्धि हुई व बंगाल के जमींदारों की आमदनी मे इजाफा हो गया। किंतु औपनिवेशिक सरकार स्थाई बंदोबस्त के कारण इस बढ़ी हुई आय में अपने हिस्से का कोई दावा नही कर सकती थी।

24. ताल्लुकदार का शाब्दिक अर्थ क्या है ?

उत्तर– ताल्लुकदार का शाब्दिक अर्थ है वह व्यक्ति जिसके साथ ताल्लुक यानी सम्बन्ध हो। आगे चाकर ताल्लुक का अर्थ क्षेत्रीय इकाई हो गया।

25. रैयतवाड़ी व्यवस्था इस्तमरारी बंदोबस्त से किस प्रकार भिन्न थी ?

उत्तर– इस्तमरारी बंदोबस्त में भू–राजस्व वसूली का कार्य जमींदारों से करवाया जाता था जबकि रैयतवाड़ी व्यवस्था मे भू–राजस्व दर केवल 30 वर्षो के लिए निर्धारित की गई थी।

26. रैयतवाड़ी व्यवस्था की कोई दो मुख्य शर्तें बताइए।

उत्तर– (i) बम्बई दक्कन में 1820 के दशक में लागू की गई रैयतवाड़ी व्यवस्था मे भू–राजस्व वसूली का कार्य सीधा रैयत (किसान) से किया जाता था।

(ii) इस व्यवस्था में भू–राजस्व 30 वर्षों के लिए नियत किया गया था।

शेखावाटी मिशन–100

27. रैयतवाड़ी व्यवस्था की कोई दो कमियां बताइए।

उत्तर– (i) रैयतवाड़ी व्यवस्था में मांगा गया राजस्व बहुत अधिक था जिसे किसान चूकाने में असमर्थ थे।

(ii) सूखे व कम वर्षा की स्थिति में भी औपनिवेशिक अधिकारियों द्वारा निर्धारित भू–राजस्व में कोई छूट नहीं दी जाती थी और उसे कठोरतापूर्वक वसूला जाता था।

28. दक्कन दंगा रिपोर्ट में किन तथ्यों का संकलन किया गया था?

उत्तर– (i) रैयत, साहुकार एवं चश्मदीद गवाहों के बयान।

(ii) विभिन्न क्षेत्रों की राजस्व की दर, कीमतों एवं ब्याज के आंकड़े।

(iii) जिला क्लेक्टर द्वारा भेजी गई रिपोर्ट।

29. अमेरिकी गृहयुद्ध ने भारत में रैयत समुदाय के जीवन को कैसे प्रभावित किया ?

उत्तर– अमेरिकी गृहयुद्ध से पहले ब्रिटेन अमेरिकी कपास पर निर्भर था जो गृहयुद्ध से प्रभावित हुआ इसलिए भारतीय रैयतों को कपास की कृषि के लिए प्रोत्साहन दिया गया, कृषि क्षेत्र का विस्तार किया गया। इस कारण भारतीय रैयतों की आमदनी में इजाफा हुआ तथा रैयत धनवान होने लगे।

30. दक्कन के रैयत ऋणदाताओं के प्रति कुद्ध क्यों थे ?

उत्तर– (i) ऋणदाता वर्ग संवेदनहीन हो गया था, यह रैयतों की हालत पर तरस नहीं खा रहा था।

(ii) ऋणदाता देहात के प्रथागत मानकों का भी उल्लंघन कर रहे थे।

(iii) सामान्य मानक यह था कि ब्याज मूलधन से अधिक नहीं लिया जा सकता था लेकिन ऐसा नहीं हो रहा था।

31. भाड़ा–पत्र क्या होता था ?

उत्तर– रैयत पर ऋणभार बढ़ जाता था तो ऋणदाता को उसे अपनी जमीन, गाड़ियों एवं पशुधन बेचना पड़ता था लेकिन इनके बिना रैयत का काम भी नहीं चलता था इसलिए ये चीजें वापस ऋणदाता से किराये पर ली जाती थी जो वास्तव में रैयत की ही थी। इस आशय का एक किरायानामा लिखना पड़ता था जो भाड़ा–पत्र कहलाता था।

32. अच्छी उपज के बाद भी दक्कन के रैयतों पर ऋणभार क्यों बढ़ता गया ?

उत्तर– रैयतवाड़ी बंदोबस्त में 30 वर्ष बाद राजस्व का पुनः निर्धारण किया गया तो राजस्व को 50 से 100 प्रतिशत तक बढ़ा दिया गया तथा कपास की कीमतें कम हो रही थी एवं कपास का कृषि क्षेत्र कम हो रहा था।

33.. रैयतों को ऋणदाताओं के चुंगल से बचाने के लिए अंग्रेजों ने क्या समाधान निकाला ?

उत्तर– 1859 ईं. में एक परिसीमन कानून पारित किया जिसमें रैयत एवं ऋणदाता के बीच हस्ताक्षरित ऋणपत्र केवल तीन वर्षों के लिए ही मान्य होंगे। जिसका उद्देश्य लम्बे समय तक ब्याज को संचित होने से रोकना था।

34. दक्कन में साहूकार रैयतों को ठगने के क्या हथकंडे अपनाते थे ?

उत्तर– (i) रैयत से हर तीसरे साल नया बंधपत्र भरवाते थे जिसमें मूलधन एवं ब्याज राशि की जो बकाया होती, थी नए बंधपत्र में शामिल कर लेते थे।

(ii) ऋण पूरा चुकाने पर रसीद नहीं देते थे।

(iii) बंध पत्रों में जाली आंकड़े भरे होते थे।

(iv) किसानों की फसल नीची कीमतों पर खरीदते थे।

35. किसानों का इतिहास लिखने में सरकारी स्त्रोतों के उपयोग के बारे में क्या समस्याएँ आती है?

शेखावाटी मिशन–100

उत्तर–(i) सरकारी स्त्रोत लिखने वाले सरकार के प्रतिनिधि होते हैं। इसलिए इन पर पूर्ण विश्वास नहीं किया जा सकता है।

(ii) सरकारी रिपोर्ट में किसानों के हितों को ध्यान में न रखते हुए व्यापारिक फसलों व अपने लाभ के बारे में जानकारी जुटाते थे।

पाठ–10
विद्रोही और राज
अंकभार–6

वस्तुनिष्ठ प्रश्नः–

1. सहायक संधि का जनक किस गवर्नर जनरल को माना जाता है–

(a) लार्ड डलहौजी (b) लार्ड कैनिंग (c) लार्ड वेलेजली (d) लार्ड रिपन **(c)**

2. .....को बंगाल आर्मी की पौधशाला कहा जाता था–

(a) मैसूर (b) अवध (c) पंजाब (d) बंगाल **(b)**

3. 1857 की क्रांति के समय भारत के गवर्नर जनरल कौन थे–

(a) लार्ड डलहौजी (b) लार्ड कैनिंग (c) लार्ड वेलेजली (d) लार्ड रिपन **(b)**

4. 1857 की क्रांति के दौरान में अंग्रेजों के खिलाफ सबसे लंबा प्रतिरोध चला –

(a) दिल्ली (b) अवध (c) मेरठ (d) झांसी **(b)**

5. ..... की दोपहर बाद मेरठ छावनी में सिपाहियों ने विद्रोह कर दिया –

(a) 18 मई 1857 (b) 31 मई 1857 (c) 11 मई 1857 (d) 10 मई 1857 **(d)**

6. 11 मई 1857 को विद्रोही सैनिकों ने दिल्ली को नियन्त्रण में लेकर ..... को अपना नेता घोषित कर दिया–

(a) कुंवर सिंह (b) बहादुरशाह जफर (c) रानी लक्ष्मी बाई (d) तांत्या टोपे **(b)**

7. 1856 में कुशासन के आरोप के आधार पर..... रियासत को औपचारिक रूप से ब्रिटिश साम्राज्य का अंग घोषित किया गया–

(a) झांसी (b) बंगाल (c) पंजाब (d) अवध **(d)**

8. अवध राज्य ने सहायक संधि को कब स्वीकार किया–

(a) 1798 (b) 1818 (c) 1801 (d) 1856 **(c)**

9. व्यपगत सिद्धान्त/हड़प नीति लागू की–

(a) लार्ड डलहौजी (b) लार्ड कैनिंग (c) लार्ड वेलेजली (d) लार्ड रिपन **(a)**

10. सती प्रथा को अवैध कब घोषित किया गया–

(a) 1798 (b) 1828 (c) 1829 (d) 1856 **(c)**

11. लखनऊ में ब्रिटिश राज के ढ़हने की खबर पर लोगों ने नवाब के युवा बेटे..... को अपना नेता घोषित कर दिया –

(a) वाजिद अली शाह (b) बहादुरशाह जफर (c) बिरजिस कद्र (d) तांत्या टोपे **(c)**

12. 1856 में अवध के किस नवाब को अपदस्थ कर अवध का विलय अंग्रेजी साम्राज्य में कर लिया–

(a) वाजिद अली शाह (b) बहादुरशाह जफर (c) बिरजिस कद्र (d) शाहमल **(a)**

13. उत्तर प्रदेश के बड़ौत परगना में ग्रामीणों को संगठित कर विद्रोहियों को किसने नेतृत्व प्रदान किया–

(a) वाजिद अली शाह (b) बहादुरशाह जफर (c) बिरजिस कद्र (d) शाहमल **(d)**

शेखावाटी मिशन–100

14. 1857 की क्रांति के दौरान ऐतिहासिक आजमगढ़ घोषणा कब की गई–

(a) 25 अगस्त 1857 (b) 31 मई 1857 (c) 11 मई 1857 (d) 10 अगस्त 1857 **(a)**

15. छोटा नागपुर स्थित सिंहभूम इलाके में ..... कोल आदिवासियों का नेतृत्व संभाला –

(a) अल्लारी सीताराम (b) कुंवर सिंह (c) बिरजिस केद्र (d) गोनू **(d)**

16. रंग बाग (प्लेजर गार्डन) का निर्माण किसने करवाया–

(a) वाजिद अली शाह (b) लार्ड कैनिंग (c) बिरजिस कद्र (d) नाना साहब **(a)**

17. जस्टिस (न्याय) नामक चित्र में किस अंग्रेज महिला को कानपुर में विद्रोहियों का दमन करते हुए चित्रित किया गया है–

(a) मिस कैथरीन (b) रानी विक्टोरिया (c) मिस व्हीलर (d) रानी ऐलिजाबेथ **(c)**

18. रिलीफ ऑफ लखनऊ (लखनऊ की राहत) नामक चित्र किसने बनाया –

(a) टॉमस जोन्स बार्कर (b) पंच (c) मिस व्हीलर (d) जोजेफ नोएल पेटन **(a)**

19. देशी राज्यों में नियुक्त गवर्नर जनरल के प्रतिनिधि को .....नाम से जाना जाता था–

(a) कैप्टेन (b) सार्जेन्ट (c) रेजीडेन्ट (d) सुबेदार **(c)**

20. इन मेमोरियम नामक चित्र द्वारा ..... बनाया गया–

(a) टॉमस जोन्स बार्कर (b) पंच (c) मिस व्हीलर (d) जोजेफ नोएल पेटन **(d)**

लघुत्तरात्मक एवं दीर्घउत्तरीय प्रश्न –

1. कम्पनी सरकार को अवध के विलय में क्यों दिलचस्पी थी ?

उत्तर– अंग्रेजी कम्पनी सरकार उत्तर भारत के सबसे महत्वपूर्ण प्रान्त अवध को अंग्रेजी साम्राज्य में विलय को लेकर हमेशा आतुर थी क्योंकि यह क्षेत्र नील व कपास की खेती के लिए उपजाऊ था और इस क्षेत्र को एक बड़े बाजार में विकसित किया जा सकता था।

2. "ये गिलास फल एक दिन हमारे ही मुँह में आकर गिरेगा" उक्त कथन कब, किसने और किसके बारे में कहा ?

उत्तर– 1851 में गवर्नर जनरल लार्ड डलहौजी ने अवध रियासत के बारे में कहा था कि ये गिलास फल एक दिन हमारे ही मुँह में आकर गिरेगा।

3. अवध में 1857 की क्रान्ति के संघर्ष की व्यापकता पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

उत्तर – अवध 1857 की क्रान्ति का एक बड़ा केन्द्र था। अवध में अंग्रेजों के खिलाफ प्रतिरोध सबसे लम्बा चला। एक अनुमान के मुताबिक इस क्षेत्र के कम से कम तीन चौथाई वयस्क पुरुष आबादी विद्रोह में शामिल थी। अवध क्षेत्र में लड़ाई की बागडोर असल में ताल्लुकदारों और किसानों के हाथों में थी। अवध के अधिकांश ताल्लुकदार नवाब के प्रति अत्यधिक निष्ठावान थे इसलिए वे लखनऊ जाकर बेगम हजरत महल के खेमे में सम्मिलित हो गये। कुछ निष्ठावान ताल्लुकदारों ने बेगम की पराजय के बाद भी संघर्ष जारी रखा। कड़े संघर्ष के बाद ही अंग्रेज मार्च 1858 तक अवध क्षेत्र में पुनः नियन्त्रण स्थापित करने में कामयाब हुए।

4. अंग्रेजों ने विद्रोह को कुचलने के लिए क्या कदम उठाए ?

उत्तर – अंग्रेजों ने उपद्रव शांत करने के लिए कई कानून पारित किये –

(i) समूचे उत्तर भारत में मार्शल लॉ लागू किया गया और सैनिक अधिकारियों के साथ–साथ आम अंग्रेजों को भी ऐसे

शेखावाटी मिशन–100

भारतीयों पर मुकदमा चलाने और सजा देने का अधिकार दे दिया गया जिन पर विद्रोह में शामिल होने का शक था।

(ii) कानून और मुकदमें की सामान्य प्रक्रिया रद्द कर दी गई और स्पष्ट कर दिया गया कि विद्रोह की केवल एक सजा हो सकती है– सजा–ए–मौत।

(iii) अंग्रेजों ने सैनिक ताकत का भयानक पैमाने पर इस्तेमाल किया।

5. 1857 की क्रांति को जनक्रांति की संज्ञा क्यों दी गई ?

उत्तर– 1857 की क्रांति को देश के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के रूप में याद किया जाता है क्योंकि इस जन क्रांति में देश के प्रत्येक धर्म, जाति व समूह ने साम्राज्यवादी शासन के विरूद्ध मिलकर लड़ाई लड़ी और संयुक्त उद्देश्य बाबत संघर्ष में भाग लिया।

6. लार्ड डलहौजी का व्यपगत सिद्धान्त/ हड़प नीति क्या थी ?

उत्तर – लार्ड डलहौजी ने व्यपगत सिद्धान्त / हड़प नीति द्वारा कम्पनी के राज्य का विस्तार किया। इस नीति के तहत देशी राज्यों के शासकों पर दत्तक पुत्र गोद लेने की प्रथा पर पूर्णरूप से प्रतिबंध लगा दिया और उनकी मृत्यु के पश्चात उनके राज्य को कम्पनी राज्य में सम्मिलित कर लिया गया। इस नीति के तहत झांसी और सतारा का विलय कम्पनी राज्य में कर लिया गया। गोद निषेध प्रथा के अतिरिक्त अवध जैसे अंग्रेज समर्थक राज्य को भी 1856 में कुशासन के आरोप के आधार पर विलय किया गया।

7. 1857 की क्रांति के लिए उत्तरदायी प्रमुख राजनैतिक कारण बताइए।

उत्तर – 1857 की क्रांति के लिए उतरदायी प्रमुख राजनैतिक कारण –

(i) मुगल सम्राट बहादुर शाह जफर के साथ अपमानजनक व्यवहार

(ii) व्यपगत नीति के आधार पर राज्यों का विलय

(iii) अवध का कुशासन के आधार पर विलय

(iv) जमींदारों में अंग्रेजी शासन के प्रति असंतोष

शेखावाटी मिशन 100 की कक्षा 10 एवं 12 के विभिन्न विषयों की नवीनतम बुकलेट डाउनलोड करने हेतु टेलीग्राम QR CODE स्कैन करें

8. 1857 की क्रांति के लिए उतरदायी प्रमुख सैनिक कारण बताइए।

उत्तर– 1857 की क्रांति के लिए उत्तरदायी प्रमुख सैनिक कारण –

(i) अवध के सैनिकों में असंतोष

(ii) यूरोपीय अधिकारियों के द्वारा भारतीय सैनिकों के साथ अपमानजनक व्यवहार

(iii) सैनिकों में वेतन के मामले में असंतोष

(iv) चर्बी वाले कारतूस की अफवाह

9. 1857 की क्रांति के विस्तार में अफवाहों और भविष्यवाणियों का पर्याप्त योगदान था। व्याख्या कीजिए।

उत्तर– 1857 के जन विद्रोह के विस्तार में अफवाहों और भविष्यवाणियों का पर्याप्त योगदान रहा, प्रमुख उदाहरण निम्नलिखित है–

(i) चर्बी वाले कारतूस की अफवाह 1857 की क्रांति का तात्कालिक कारण

(ii) स्थापना के 100 साल बाद ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के समाप्त होने की भविष्यवाणी

(iii) चपातियों के वितरण की घटना

(iv) आटे में हड्डियों के चूरा मिलावट की अफवाह

10. 1857 की क्रांति में शाहमल के योगदान का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

शेखावाटी मिशन–100

उत्तर – उत्तर प्रदेश के बड़ौत परगना के क्षेत्र के किसानों और काश्तगारों को अंग्रेजी शासन का प्रतिरोध के लिए शाहमल ने संगठित किया। शाहमल के नेतृत्व में व्यापक विद्रोह हुआ। शाहमल ने अंग्रेज अधिकारी के बंगले पर कब्जा करके उसे न्याय भवन की संज्ञा दी और प्रशासनिक व्यवस्था लागू की। स्थानीय लोग उन्हें राजा नाम से संबोधित करते थे। अंग्रेजों के साथ संघर्ष में जुलाई 1857 को शाहमल वीरगति को प्राप्त हुए।

शेखावाटी मिशन 100 की कक्षा 10 एवं 12 के विभिन्न विषयों की नवीनतम बुकलेट डाउनलोड करने हेतु टेलीग्राम QR CODE स्कैन करें

11. 1857 की क्रांति के प्रमुख केन्द्रों और नेतृत्वकर्ताओं के नाम बताइए।

उत्तर –

प्रमुख केन्द्र	**नेतृत्वकर्ता**
दिल्ली	मुगल सम्राट बहादुरशाह जफर
कानपुर	नाना साहब
झांसी	रानी लक्ष्मी बाई
अवध (लखनऊ)	बेगम हजरत महल
जगदीशपुर/आरा (बिहार)	जमींदार कुंवर सिंह

12. 1857 की क्रांति का तात्कालिक कारण क्या था ?

उत्तर – कम्पनी सरकार ने पुरानी ब्राउन बैस बन्दूक के स्थान पर नई एनफील्ड राइफल का प्रयोग आरम्भ किया। इस राइफल में जो कारतूस भरी जाती थी, उसे दाँत से काटना पड़ता था। सैनिकों में अफवाह फैल गई कि इस कारतूस में गाय और सूअर की चर्बी मिली हुई है। धार्मिक विश्वासों के कारण सैनिकों में भयंकर असंतोष फैल गया।

13. कला और साहित्य ने रानी लक्ष्मीबाई को 1857 की क्रांति की नायिका के रूप में कैसे पेश किया है ?

उत्तर – इतिहास लेखन की तरह कला और साहित्य ने भी 1857 की क्रांति के नायकों की स्मृति को चिरस्थायी बनाने में योगदान दिया है। राष्ट्रवादी कवयित्री सुभद्रा कुमारी चौहान ने रानी लक्ष्मीबाई की स्मृति में खूब लड़ी मर्दानी यो तो झांसी वाली रानी थी जैसी कालजयी कविता की रचना की। रानी लक्ष्मी बाई को एक ऐसी मर्दाना शख्सियत के रूप में चित्रित किया जाता था जो दुश्मनों का पीछा करते हुए और ब्रिटिश सिपाहियों को मौत की नींद सुलाते हुए आगे बढ़ रही है। लोक छवियों में रानी लक्ष्मीबाई को प्रायः अन्याय और विदेशी शासन के दृढ़ प्रतिरोध के प्रतीक के रूप में चित्रित किया गया है।

14. 1857 की क्रांति के बारे में जानकारी प्रदान करने वाले प्रमुख सरकारी दस्तावेजों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

उत्तर– 1857 की क्रांति के बारे में अनेक सरकारी ब्यौरे उपलब्ध हैं। औपनिवेशिक प्रशासकों और सैन्य अधिकारियों की चिट्ठियों, डायरियों, आत्मकथाओं और सरकारी रिकॉर्ड्स से विद्रोहकालीन परिस्थितियों की वास्तविक जानकारी प्राप्त होती है। असंख्य मेमों, नोट्स के जरिए सरकारी सोच व रवैये को समझा जा सकता है।

15. सहायक संधि प्रथा पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

उत्तर– देशी राज्यों पर प्रभुत्व स्थापित करने के उद्देश्य से 1798 ई. में तत्कालीन गवर्नर जनरल लार्ड वेलेजली ने देशी राज्यों के साथ सहायक संधि लागू की। सहायक संधि के प्रावधानानुसार –

(i) देशी राज्य को अपने खर्चे पर कम्पनी की एक सैनिक टुकड़ी अपने राज्य में रखनी होती थी।

(ii) संबंधित देशी राज्य की दूसरों राज्यों के साथ कूटनीतिक संबंध पूर्ण रूप से कम्पनी सरकार के अधीन हो जाते थे क्योंकि बिना कम्पनी की अनुमति के देशी राज्य न तो अन्य राज्य से संधि कर सकते थे और न ही युद्ध।

(iii) सहायक संधि अपनाने वाले देशी राज्य की सुरक्षा की जिम्मेदारी कम्पनी की तय की गई।

निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि सहायक संधि स्वीकार करने वाले देशी राज्य अंग्रेज कम्पनी की दया पर आश्रित हो गए।

16. 1857 की क्राति के प्रमुख परिणाम बताइए।

उत्तर– 1857 की क्रांति के प्रमुख परिणाम –

(i) ईस्ट इण्डिया कम्पनी के शासन का अंत।

(ii) भारत सरकार अधिनियम 1858 से ब्रिटेन के भारतीय क्षेत्रों को ब्रिटिश रानी के नाम पर शासित किया जाने लगा।

(iii) घोषणा के द्वारा देशी राज्यों को विश्वास दिलाया गया कि भविष्य में भारत में ब्रिटिश प्रशासित राज्य का विस्तार नहीं किया जायेगा।

(iv) 1857 की क्रांति के फलस्वरूप भारतीय लोगों में राष्ट्रीयता की भावना का विस्तार हुआ और भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का प्रारंभ माना जाता है।

17. 1857 की क्रांति के लिए उतरदायी धार्मिक कारण बताइए।

उत्तर– 1857 की क्रांति के लिए उत्तरदायी धार्मिक कारण –

(i) ईसाई धर्म प्रचारक भारतीय लोगों को लालच देकर ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे थे।

(ii) लार्ड विलियम बैटिक ने सती प्रथा सहित अनेक समाज सुधार किये जिसे भारतीयों ने अपने धर्म व संस्कृति पर अनुचित हस्तक्षेप माना।

(iii) चर्बी वाले कारतूस की अफवाह व सामुद्रिक यात्रा से सैनिकों में तीव्र धार्मिक असंतोष पनपा।

18. ऐतिहासिक आजमगढ़ घोषणा क्या थी ?

उत्तर– 1857 की क्रांति के दौरान ऐतिहासिक आजमगढ़ घोषणा 25 अगस्त 1837 को मुगल सम्राट बहादुरशाह जफर के नाम से जारी किया गया। उस उद्घोषणा में अंग्रेजी शासन के अत्याचार एवं उत्पीड़न की निंदा की गई और हिन्दू –मुस्लिम एकता पर बल दिया गया और समाज के प्रत्येक वर्ग जमीदारों, व्यापारियों, पण्डित – फकीरों, मौलवियों को ब्रिटिश शासन के खिलाफ इस पवित्र युद्ध में भाग लेने का आहवान किया गया।

पाठ–11
महात्मा गांधी और राष्ट्रीय आन्दोलन
अंकभार–7

<u>वस्तुनिष्ठ व अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न</u>–

1. गांधीजी को मार्च 1922 में राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार करने के बाद उन पर जाँच की कार्यवाही की अध्यक्षता करने वाले जज का नाम क्या था ?

उत्तर– जस्टिस सी. एन. ब्रूमफील्ड

2. गाँधी जी ने अपना सिर मुंडवा कर सूती वस्त्र पहनना कब प्रारंभ किया ?

उत्तर– 1921 ई. में दक्षिण भारत यात्रा के दौरान

3. प्रथम गोलमेज सम्मेलन कब आयोजित किया गया है?

उत्तर– नवम्बर 1930 ई.

4. तीनों गोलमेज सम्मेलनों का आयोजन कहां हुआ ?

उत्तर– लंदन

शेखावाटी मिशन 100 की कक्षा 10 एवं 12 के विभिन्न विषयों की नवीनतम बुकलेट डाउनलोड करने हेतु टेलीग्राम QR CODE स्कैन करें

5. गांधीजी की नमक यात्रा के समय वाइसराय कौन था ?

उत्तर– लार्ड इर्विन

6. दूसरा गोलमेज सम्मेलन कब आयोजित किया गया था ?

उत्तर– 1931 ई.

7. दूसरे विश्व युद्ध के समय 1939 में ..... भारत के वायसराय थे।

उत्तर– लिनलिथगो।

8. 1945 ई० में ब्रिटेन में ..... की सरकार थी।

उत्तर– लेबर पार्टी

9. फरवरी 1947 ई० में बावेल की जगह ..... को वायसराय नियुक्त किया गया।

उत्तर– लार्ड माउंटबेटन

10. औपचारिक सत्ता हस्तांतरण के लिए ..... का दिन नियत किया गया।

उत्तर– 15 अगस्त 1947

11. जलियांवाला बाग हत्याकांड कब हुआ?

उत्तर– अप्रैल 1919

12. असहयोग आंदोलन व खिलाफत आंदोलन किस वर्ष प्रारम्भ हुए–

उत्तर– 1921

13. बारदोली में किसान आंदोलन कब हुआ ?

उत्तर– 1928 ई.

14. गांधी – इर्विन समझौता कब हुआ ?

उत्तर– 1931 ई.

15. कांग्रेस मंत्रिमण्डलों ने अक्टूबर ..... में इस्तीफा दे दिया।

उत्तर–1939 ई.

16. भारत छोड़ो आंदोलन कब शुरू हुआ ?

उत्तर– अगस्त 1942 ई.

@SHEKHAWAT IMISSION100

शेखावाटी मिशन 100 की कक्षा 10 एवं 12 के विभिन्न विषयों की नवीनतम बुकलेट डाउनलोड करने हेतु टेलीग्राम QR CODE स्कैन करें

<u>लघुत्तरात्मक प्रश्नः–</u>

1. गाँधीजी दक्षिण अफ्रीका से कब लौटे थे, उस दिन को किस रूप में मनाया जाता है?

उत्तर– 9 जनवरी 1915 को, उस दिन 9 जनवरी को प्रवासी भारतीय दिवस मनाते है।

2. किस इतिहासकार ने कहा कि "दक्षिण अफ्रीका ने ही गाँधी को महात्मा बनाया" ?

उत्तर– इतिहासकार चंद्रन देवनेसन ने।

3. लाल–बाल–पाल के नाम से कौन जाने जाते हैं? ये किन क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते थे ?

उत्तर– लाल – लाला लाजपत राय – पंजाब का

बाल – बाल गंगाधर तिलक – महाराष्ट्र का

पाल – विपिन चन्द्र पाल – बंगाल का

4. गाँधीजी के राजनीतिक परामर्शदाता कौन थे? उन्होंने गाँधीजी को क्या सलाह दी ?

शेखावाटी मिशन–100

उत्तर– गोपाल कृष्ण गोखले, एक वर्ष तक ब्रिटिश भारत की यात्रा कर यहाँ की भूमि व लोगों को समझने की।

5. महात्मा गाँधी की भारत में प्रथम सार्वजनिक उपस्थिति कहां हुई थी ? यहां गाँधीजी ने क्या विचार प्रकट किए ?

उत्तर– प्रथम सार्वजनिक उपस्थिति फरवरी 1916 ई. में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के उद्घाटन समारोह में हुई थी। यहां पर गाँधी जी ने मजदूरों, गरीबों एवं किसानों की अनुपस्थिति को लेकर विशिष्ट वर्ग को आड़े हाथों लिया।

6. महात्मा गाँधी का भारत में प्रथम सत्याग्रह कौनसा था ?

उत्तर– प्रथम सत्याग्रह 1917 ई. में चम्पारण का था। दिसम्बर 1916 ई. के कांग्रेस के लखनऊ अधिवेशन में जानकारी मिली कि सरकार नील की खेती करने के लिए कठोरता अपनाती है।

7. महात्मा गाँधी ने गुजरात में किन आंदलनों का संचालन किया ?

उत्तर– (i) 1918 ई. में अहमदाबाद में श्रम विवाद में हस्तक्षेप कर कपड़े की मिलों में काम करने वालों के लिए काम करने की बेहतर स्थितियों की मांग की।

(ii) खेड़ा में फसल चौपट होने पर राज्य के किसानों का लगान माफ करने की मांग की।

8. महात्मा गाँधी की अमेरिकी जीवनी के लेखक कौन थे ?

उत्तर– लुई फिशर

9. असहयोग आन्दोलन के लिए अमेरिकी लेखक लुई फिशर ने क्या विचार रखे ?

उत्तर– असहयोग आन्दोलन गाँधीजी के जीवन के युग का ही नाम हो गया। यह शांति की दृष्टि से नकारात्मक किंतु प्रभाव की दृष्टि से बहुत सकारात्मक था।

11. 1924 ई. में जेल से रिहा होने पर गांधीजी ने किन कार्यों पर जोर दिया ?

उत्तर– आयातित वस्त्रों के स्थान पर खादी से बने कपड़े के उपयोग पर जोर, छूआ–छूत को समाप्त करना, बाल–विवाह समाप्त करना तथा हिन्दू–मुसलमानों की बीच सौहार्द स्थापित करना।

12. साइमन कमीशन भारत में कब व क्यों आया तथा इसे अन्य किस नाम से जाना जाता है? भारत में साइमन कमीशन का विरोध क्यों किया गया ?

उत्तर– 1928 ई. में उपनिवेश की स्थितियों की जाँच–पड़ताल के लिए। इसे श्वेत कमीशन/White man कमीशन के नाम जाना जाता है। क्योंकि इसमें एक भी सदस्य भारतीय नहीं था।

13. कांग्रेस का 1929 ई. का वार्षिक अधिवेशन कहां आयोजित हुआ? इसकी अध्यक्षता किसने की थी तथा इसमें कौन–कौनसे प्रस्ताव पारित किए गए ?

या

कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन पर टिप्पणी लिखो।

उत्तर– 1929 ई. का अधिवेशन लाहौर में पंडित जवाहर लाल नेहरू की अध्यक्षता में हुआ। इसमें पूर्ण स्वराज्य अथवा पूर्ण स्वतंत्रता की उद्घोषणा की गई एवं 26 जनवरी, 1930 ई. से स्वतंत्रता दिवस मनाने की घोषणा की गई।

14. औपनिवेशिक भारत में मनाये जाने वाले स्वतंत्रता दिवस पर क्या कार्यक्रम आयोजित किये जाते थे?

उत्तर– राष्ट्रीय ध्वज फहराकर समारोह की शुरूआत होती। शेष दिवस में रचनात्मक कार्य होते, जैसे– सूत कताई, अछूतों की सेवा, हिन्दू–मूसलमानों का पुनर्मिलन एवं निषिद्ध कार्य करके मनाया जाता था।

15. रजवाड़ों में राष्ट्रवादी सिद्धान्त को बढ़ावा देने के लिए किनकी स्थापना की गई ?

उत्तर– प्रजा मण्डलों की स्थापना।

शेखावाटी मिशन–100

16. औपनिवेशिक सरकार द्वारा नमक को क्यों नष्ट किया जाता था ?

उत्तर– यदि सरकार नमक को लाभ पर न बेच पाती तो सरकार उस नमक को नष्ट कर देती थी।

17. दाण्डी यात्रा का कवरेज किस पत्रिका ने किया था ?

उत्तर– अमेरिकी समाचार पत्रिका टाइम ने।

18. गाँधी को किस कार्यकर्ता ने समझाया कि आन्दोलनों को पुरूषों तक ही सीमित न रखे ?

उत्तर– समाजवादी कार्यकर्ता कमला देवी चट्टोपाध्याय।

19. दाण्डी यात्रा कब व कहां से प्रारम्भ हुई तथा कब व कहां समाप्त हुई ?

उत्तर– 12 मार्च, 1930 ई. को साबरमती आश्रम से प्रारम्भ तथा 6 अप्रैल, 1930 को दाण्डी में समाप्त हुई।

20. दूसरे गोलमेज सम्मेलन में कांग्रेस का प्रतिनिधित्व किसने किया था ?

उत्तर– महात्मा गांधी।

21. गोलमेज सम्मेलनों के समय इंग्लैण्ड का प्रधानमंत्री कौन था ?

उत्तर– मैकडोनाल्ड।

22. दूसरे गोलमेज सम्मेलन से लौटकर गाँधीजी ने पुनः सविनय अवज्ञा आरम्भ किया, उस समय भारत का वायसराय कौन था ?

उत्तर– लार्ड विलिग्डन।

23. 'गाँधी इरविन समझौते' की शर्तों का उल्लेख कीजिए ?

उत्तर– (i) सविनय अवज्ञा आंदोलन को वापस लेना।

(ii) सारे कैदियों की रिहाई।

(iii) तटवर्ती इलाकों में नमक बनाने की छूट।

24. महात्मा गाँधी ने दलितों के लिए पृथक निर्वाचिका का विरोध क्यों किया था ?

उत्तर– गाँधी का मानना था कि ऐसा करने पर दलितों का समाज की मुख्य धारा में एकीकरण नहीं हो पायेगा और वे सवर्ण हिन्दूओं से हमेशा के लिए अलग हो जाएंगे।

25. 1935 के 'गवर्नमेंट ऑफ इण्डिया एक्ट' से भारतीयों को क्या आश्वासन मिला ?

उत्तर– सीमित प्रतिनिधिक शासन व्यवस्था का आश्वासन मिला जिसके तहत सीमित मताधिकार के आधार पर 1937 ई. में हुए चुनावों में कांग्रेस ने ।। प्रांतों में से 8 में सरकार बनाई थी।

26. कांग्रेस के मंत्रिमण्डलों ने इस्तीफा कब व क्यों दिया ?

उत्तर– अक्टूबर 1939 ई. में, कांग्रेस चाह रही थी कि द्वितीय विश्व युद्ध में अंग्रेजों की सहायता के बदले युद्ध समाप्ति पर पूर्ण स्वतंत्रता मिलेगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

27. मुस्लिम लीग ने मुक्ति दिवस कब व क्यों मनाया ?

उत्तर– दिसम्बर 1939 ई. में कांग्रेस मंत्रिमण्डलों द्वारा त्याग–पत्र दिये जाने पर।

28. यह कथन किसका है "उन्हें सम्राट का सर्वोच्च मंत्री इसलिए नियुक्त नहीं किया गया है कि वह ब्रिटिश साम्राज्य को टुकड़े–टुकड़े कर दें।"?

उत्तर– ब्रिटिश प्रधानमंत्री विस्टन चर्चिल।

29. मुस्लिम लीग ने 1940 ई. के लाहौर अधिवेशन में क्या प्रस्ताव रखा ?

शेखावाटी मिशन–100

उत्तर– उपमहाद्वीप के मुस्लिम बहुल इलाकों के लिए कुछ स्वायत्तता की मांग का प्रस्ताव रखा।

30. क्रिप्स मिशन भारत कब आया था ?

उत्तर– मार्च 1942 ई. को।

31. भारत छोड़ो आन्दोलन के समय स्वतंत्र सरकार (प्रति सरकार) की स्थापना कहां–कहां हुई थी ?

उत्तर– पश्चिम में सतारा एवं पूर्व में मेदिनीपुर में।

32. प्रति सरकार (समानान्तर सरकार) ने क्या–क्या कार्य किए ?

उत्तर– (i) जन अदालतों का आयोजन

(ii) रचनात्मक कार्य

33. द्वितीय विश्व युद्ध में भारतीयों की भागीदारी प्राप्त करने का प्रयास किस वायसराय ने किया ?

उत्तर– लार्ड लिनलिथगो।

34. कैबिनेट मिशन भारत कब आया था ? उसका क्या प्रयास था ?

उत्तर– मार्च 1946 ई.। कांग्रेस व मुस्लिम लीग को एक ऐसी संघीय व्यवस्था पर राजी करने का प्रयास किया, जिसमें भारत के भीतर ही प्रांतों को सीमित स्वायत्तता दी जा सकती थी।

35. मुस्लिम लीग ने 'प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस' का आह्वान कब किया ?

उत्तर– 16 अगस्त 1946 ई. को।

36. मोहनदास करमचंद गाँधी को राष्ट्रपिता की उपाधि किसने दी ?

उत्तर– दिल्ली में संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने।

37. गाँधीजी की जीवनी किसने लिखी थी ?

उत्तर– डी.जी. तेंदुलकर ने।

38. गाँधीजी की हत्या कब व किसने की थी ?

उत्तर– 30 जनवरी, 1948 ई. को नाथूराम गोडसे ने।

39. महात्मा गांधी ने किन समाचार पत्रों का सम्पादन किया था ?

उत्तर– हरिजन, यंग इण्डिया एवं इण्डियन ऑपिनियन।

40. ए बंच ऑफ ओल्ड लेटर्स (पुराने पत्रों का पुलिंदा) का संकलन किसने किया था ?

उत्तर– पं. जवाहर लाल नेहरू ने राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान लिखे गए पत्रों का संकलन किया था।

41. राष्ट्रीय आन्दोलन के अध्ययन के लिए अखबार महत्वपूर्ण स्त्रोत क्यों है ?

उत्तर– (i) समाचार पत्रों में राष्ट्रीय आन्दोलन से संबंधित सभी घटनाओं की जानकारी मिल जाती है।

(ii) राष्ट्रीय आन्दोलन के नेताओं के विचारों की जानकारी मिल जाती है।

(iii) ब्रिटिश सरकार के दृष्टिकोण का पता चलता है।

42. चरखे को राष्ट्रवाद का प्रतीक क्यों चुना गया ?

उत्तर– यह जन सामान्य से जुड़ा हुआ था। यह स्वदेशी व आर्थिक प्रगति का प्रतीक था। गांधीजी प्रतिदिन स्वयं कुछ समय चरखा चलाने में व्यतीत करते थे।

43. गाँधीजी ने खुद को आम लोगों जैसा दिखाने के लिए क्या किया ?

उत्तर– आम लोगों की तरह ही वस्त्र पहनते थे, उनकी ही तरह रहते थे और उनकी ही भाषा बोलते थे।

शेखावाटी मिशन–100

दीर्घउत्तरात्मक प्रश्न–

1. रोलेट एक्ट क्या था ?

उत्तर– औपनिवेशिक सरकार ने सर सिडनी रॉलेट की अध्यक्षता मे 1919 मे एक समिति गठित की। जिसके अनुसार अंग्रेजी सरकार ने प्रेस पर प्रतिबंध लगा दिया तथा बिना जाँच के केवल शक के आधार पर कारावास की सजा सुना दी जाती थी।

2. खिलाफत आंदोलन क्या था ?

उत्तर– खिलाफत आंदोलन (1919–1920) मुहम्मद अली और शौकत अली के नेतृत्व में भारतीय मुसलमानों का एक आंदोलन था। तुर्की के विभाजन के खिलाफ वहां पर खलीफा की सत्ता के पक्ष में तथा ज़जीरात–उल–अरब (सीरिया, इराक, फिलिस्तीन) पर इस्लामी संप्रभुता के लिए यह आंदोलन किया गया था कांग्रेस ने इस आंदोलन का समर्थन किया और गांधीजी ने इसे असहयोग आंदोलन के साथ मिलाने की कोशिश की।

3. चौरी–चौरा काण्ड क्या है तथा गांधीजी ने असहयोग आन्दोलन को वापस क्यों लिया ?

उत्तर– असहयोग आंदोलन के दौरान फरवरी 1922 में किसानों के एक समूह ने संयुक्त प्रांत के चौरी–चौरा पुरवा में एक पुलिस स्टेशन पर आक्रमण कर उसमें आग लगा दी। इस अग्निकाण्ड में कई पुलिस वालों की जान चली गई इसे चौरी–चौरा कांड कहते हैं। आंदोलन के हिंसक हो जाने के कारण गांधीजी ने असहयोग आंदोलन वापस ले लिया।

4. आपके अनुसार चरखे के साथ महात्मा गांधी किस प्रकार राष्ट्रवाद की स्थाई पहचान बन गए ?

उत्तर– अपनी द. भारत यात्रा के दौरान गांधीजी ने 1921 में सूती वस्त्र पहनना प्रारंभ कर दिया था। वे प्रतिदिन कुछ समय चरखा चलाते थे। गांधीजी श्रम बचाने वाली मशीनरी के पक्ष में न होकर लोगो को चरखा चलाने के लिए प्रेरित करते थे। उनके अनुसार चरखा गरीबों को पूरक आमदनी प्रदान कर सकता तथा उन्हे स्वावलम्बी बना सकता था।

5. महात्मा गांधी नमक कर को अन्य करों की तुलना में अधिक दमनात्मक क्यों मानते थे ?

या

गांधीजी ने औपनिवेशिक सरकार के शासन के विरोध के रूप मे नमक सत्याग्रह को मुद्दा क्यों बनाया ?

उत्तर– नमक कानून के तहत नमक के उत्पादन और विक्रय पर राज्य का एकाधिकार था। प्रत्येक भारतीय घर में नमक का प्रयोग अपरिहार्य था लेकिन इसके बावजूद उन्हें घरेलू प्रयोग के लिए भी नमक बनाने से रोका गया और इस तरह उन्हें दुकानों से ऊंचे दाम पर नमक खरीदने के लिए बाध्य किया गया। नमक पर राज्य का एकाधिपत्य बहुत अलोकप्रिय था। इसी को निशाना बनाते हुए गांधीजी अंग्रेजी शासन के खिलाफ व्यापक असंतोष को संघठित करने की सोच रहे थे।

6. राष्ट्रीय आंदोलन में नमक सत्याग्रह का योगदान स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– (i) यही वह घटना थी जिसके चलते महात्मा गांधी दुनिया में नजर आए तथा भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन को इसी यात्रा के कारण यूरोप और अमेरिकी प्रेस ने व्यापक कवरेज दी।

(ii) यह पहली राष्ट्रवादी गतिविधि थी जिसमें औरतों ने भी बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिया। कमलादेवी उन असंख्य औरतों में से एक थी, जिन्होनें नमक या शराब कानूनो का उल्लंघन करते हुए सामूहिक गिरफ्तारी दी थी।

(iii) नमक यात्रा के कारण ही अंग्रेजों को यह अहसास हुआ था कि अब उनका राज बहुत दिन नहीं टिक सकेगा और उन्हें भारतीयों को भी सत्ता में हिस्सा देना पड़ेगा।

7. गोलमेज सम्मेलन में हुई वार्ता से कोई नतीजा क्यों नहीं निकल पाया ?

शेखावाटी मिशन–100

उत्तर– दाण्डी यात्रा ने पूरे भारत में राष्ट्रीयता की लहर चला दी। पूरे भारत में सरकारी आदेशों की अवमानना होने लगी थी तो अंग्रेजों को अहसास हो गया कि यदि भारतीयों को सत्ता में भागीदारी नहीं दी तो हम ज्यादा समय तक भारत में शासन नहीं कर पायेंगे। इसलिए भारतीय दलों के साथ लंदन में गोलमेज सम्मेलनों का आयोजन किया गया।

(i) प्रथम गोलमेज सम्मेलन– यह नवम्बर 1930 ई. में आयोजित किया गया जिसमें देश के प्रमुख नेता सविनय अवज्ञा आन्दोलन के कारण शामिल नहीं हुए। इसलिए बैठक निरर्थक साबित हुई। इसलिए अंग्रेजों ने गांधीजी को जनवरी 1931 ई. में जेल से रिहा कर दिया। वायसराय लार्ड इरविन से वार्ता के बाद कांग्रेस दूसरे सम्मेलन में भाग लेने को तैयार हुई।

(ii) द्वितीय गोलमेज सम्मेलन– यह सम्मेलन नवम्बर 1931 ई. में लंदन में आयोजित हुआ जिसमें कांग्रेस का नेतृत्व गांधी कर रहे थे। इस बैठक का भी काई नतीजा नहीं निकला, क्योंकि गांधी ने सम्मेलन में कहा कि कांग्रेस पार्टी पूरे भारत का प्रतिनिधित्व करती है। गांधीजी के इस दावे को मुस्लिम लीग, राजे–रजवाड़ों तथा डॉ. बी. आर. अम्बेडकर द्वारा चुनौती दी गई।

इन सब विरोधों के बीच सम्मेलन में कोई नतीजा नहीं निकला। गांधीजी को खाली हाथ लौटना पड़ा। भारत लौटने पर उन्होंने सविनय अवज्ञा आंदोलन पुनः शुरू किया।

(iii) तृतीय गोलमेज सम्मेलन– तीसरा गोलमेज सम्मेलन 1932 ई. में आयोजित हुआ उसमें कांग्रेस ने भाग नहीं लिया। प्रधानमंत्री रैम्जे मैकडोनाल्ड ने सम्मेलन के बाद श्वेत पत्र जारी कर दलित वर्ग के लिए पृथक निर्वाचिका का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। जिसे साम्प्रदायिक पंचाट के नाम से जाना जाता है।

8. भारत छोड़ों आंदोलन का क्या महत्व है ? या आप कैसे कह सकते है कि भारत छोड़ो आंदोलन सही मायने में राष्ट्रीय आन्दोलन था?

उत्तर– द्वितीय विश्व युद्ध शुरू होने पर कांग्रेस ने फैसला लिया कि युद्ध समाप्त होने के बाद भारत को स्वतंत्रता दे तो कांग्रेस युद्ध प्रयासों में सहायता देगी लेकिन सरकार ने यह बात नहीं मानी तो कांग्रेस के मंत्रीमण्डलों ने सामूहिक त्याग–पत्र दे दिया। फिर बावेल योजना एवं क्रिप्स मिशन के असफल होने पर गाँधीजी ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ तीसरा बड़ा आंदोलन छेड़ने का फैसला लिया जो अगस्त 1942 ई. में प्रारम्भ हुआ जिसे 'अंग्रेजों भारत छोड़ो' का नाम दिया। इस आंदोलन ने राष्ट्रीयता को नया आयाम दिया इसका बहुत महत्व था–

(i) कांग्रेस के प्रमुख नेताओं की गिरफ्तारी के बाद भी बिना किसी कार्यक्रम के देशभर के युवा कार्यकर्ता हड़तालों और तोड़फोड़ की कार्यवाहियों के जरिये आंदोलन चलाते रहे।

(ii) कांग्रेस में जयप्रकाश नारायण जैस समाजवादी सदस्य भूमिगत होकर आंदोलन चलाते रहे।

(iii) पश्चिम में सतारा और पूर्व में मेदिनीपुर जैसे कई जिलों में स्वतंत्र सरकार (प्रति सरकार) की स्थापना की गई। जिसमें सतारा की प्रति सरकार 1946 ई. तक चलती रही।

(iv) इस आंदोलन में लाखों आम हिन्दुस्तानी शामिल थे, इसलिए इसे जनांदोलन माना जाता है।

9. महात्मा गाँधी ने राष्ट्रीय आन्दोलन के स्वरूप को किस तरह बदल डाला ? या राष्ट्रीय आन्दोलन में महात्मा गांधी के योगदान को स्पष्ट करो।

उत्तर– (i) गांधी जी ने 1915 ई. में भारत में आने पर पूरे भारत का दौरा शुरू किया। फिर स्थानीय आंदोलनों चम्पारण, अहमदाबाद एवं खेड़ा में सत्याग्रह का सफल परीक्षण किया।

(ii) देश की बहु संख्यक कृषक व मजदूर जनता को राष्ट्रीय आंदोलन से जोड़ा।

(iii) भारत के विभिन्न भागों में कांग्रेस की शाखाएं खोली जिससे कांग्रेस का जनाधार बढ़ा।

शेखावाटी मिशन–100

(iv) असहयोग आंदोलन, नमक सत्याग्रह, भारत छोड़ो आन्दोलन से राष्ट्रीयता की भावना जागृत की जिसमें जनता के सभी वर्गों ने भाग लिया।

(v) महिलाओं को राष्ट्रीय आंदोलन में शामिल कर समानता का अधिकार प्रदान किया।

(vi) छूआ–छूत विरोधी संघर्ष, हिन्दू–मुस्लिम एकता व सामाजिक बुराइयों को दूर करने का कार्य किया।

अध्याय – 12 (संविधान का निर्माण)

एक नए युग की शुरुआत

अंकभार–6

वस्तुनिष्ठ प्रश्नः–

1. भारतीय संविधान _____ को अस्तित्व में आया।

(a) 26 जनवरी 1950 (b) 26 जनवरी 1947 (c) 15 अगस्त 1947 (d) 15 नवंबर 1949 **(a)**

2. _____ संविधान दुनिया का सबसे लंबा संविधान है।

(a) भारतीय (b) अमेरिका (c) फांसीसी (d) रूसी **(a)**

3. भारतीय संविधान में लंबे समय से चली आ रही ऊंच–नीच और अधीनता की संस्कृति में _____ संस्थाओं को विकसित करने का प्रयास किया गया है। **(b)**

(a) राजतांत्रिक (b) लोकतांत्रिक (c) साम्यवादी (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

4. संविधान सभा के कुल _____ सत्र हुए तथा 165 बैठकें हुई।

(a) 8 (b) 11 (c) 10 (d) 9 **(b)**

5. संविधान सभा के गठन के संबंध में असत्य कथन को चुनें–

(a) संविधान सभा के सदस्यों का चुनाव सार्वभौमिक मताधिकार के आधार पर नहीं हुआ था। **(b)**

(b) संविधान सभा के सभी सदस्य कांग्रेस पाटी के सदस्य थे।

(c) सभा में हुई चर्चाएं जनमत से प्रभावित होती थी।

(d) लीग ने संविधान सभा के बहिष्कार को उचित समझा।

6. संविधान सभा में _____ सदस्य थे जिनमें से 82% कांग्रेस के सदस्य थे।

(a) 300 (b) 500 (c) 250 (d) 350 **(a)**

7. राष्ट्रीय ध्वज केसरिया, सफेद और गहरी हरे रंग की तीन बराबर चौड़ाई वाली पट्टियों का तिरंगा झंडा होगा यह प्रस्ताव _____ ने रखा। **(b)**

(a) वल्लभभाई पटेल (b) जवाहरलाल नेहरू (c) राजेन्द्र प्रसाद (d) भीमराव अंबेडकर

8. _____संविधान सभा के अध्यक्ष थे।

(a) जवाहरलाल नेहरू (b) वल्लभभाई पटेल (c) राजेन्द्र प्रसाद (d) सुभाष चंद्र बोस **(c)**

9. महाराष्ट्र में _____ में दमित जातियों की पीड़ा का सवाल उठाया।

(a) ज्योतिबा फुले (a) जवाहरलाल नेहरू **(a)**

(c)सरदार वल्लभभाई पटेल (d) राजेन्द्र प्रसाद

10. डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के संबंध में सत्य कथन है–

शेखावाटी मिशन-100

(a) ब्रिटिश काल में वे कांग्रेस विरोधी थे इसलिये महात्मा गांधी की सलाह पर उन्हें केंद्रीय विधि मंत्री का पद संभालने का न्योता दिया गया।

(b) उन्होंने संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

(c) सविधान सभा में के एम मुंशी तथा अल्लादी कृष्णस्वामी उनके साथी थे **(d)**

(d) उपरोक्त सभी

11. उदेश्य प्रस्ताव के भाषण में जवाहरलाल नेहरू द्वारा किन महत्वपूर्ण क्रांतियों का उदाहरण पेश किया गया।

(a) अमेरिकी (b) फ्रांसीसी (c) रूसी (d) उपरोक्त सभी **(d)**

12. संविधान सभा की चर्चाओं के मुद्रित रिकोर्ड _____ खंडों में प्रकाशित हुए।

(a) 10 (b) 12 (c) 9 (d) 11 **(d)**

13. संविधान के मसविदे की तीन विषयों की सूचियां के संबंध में सत्य कथन है।

(a) प्रथम सूची केंद्रीय सूची के विषय केवल केन्द्र सरकार के अधीन होने थे **(d)**

(b) दूसरी सूची राज्य सूची के विषय केवल राज्य सरकार के अधीन होने थे

(c) तीसरी समवर्ती सूची के विषय केन्द्र और राज् साझा जिम्मेदारी थे

(d) उपरोक्त सभी

<u>अति लघुत्तरात्मक प्रश्न</u>

1. भारत आजाद कब हुआ ?

उत्तर–15 अगस्त 1947

2. रॉयल इंडियन नेवी के (शाही भारतीय नौसेना) सिपाहियों ने विद्रोह कब किया?

उत्तर–1946 ई.

3. सविधान सभा के सदस्यों का चुनाव किसने किया?

उत्तर– प्रांतीय संसदो ने संविधान सभा के सदस्यों को चुना।

4. संविधान सभा में कांग्रेस के सदस्यों के नाम बताइए।

उत्तर–जवाहरलाल नेहरू, वल्लभ भाई पटेल, राजेंद्र प्रसाद

5. संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष कौन थे?

उत्तर–बी. आर अम्बेडकर।

6. मोटेग्यू–चेम्सफोर्ड सुधार की रूपरेखा कब व किसने तैयार की ?

उत्तर–1919 ई0 में एडविन मोटेंग्यू ने।

7. मोटेंग्यू–चेम्सफोर्ड सुधार क्या है?

उत्तर– प्रातीय विधायिकाओं में सीमित प्रतिनिधित्व की व्यवस्था।

8. "हमारे भीतर यह आत्मघाती और अपमानजनक आदत बनी हुई है कि हम कभी नागरिक के रूप में नहीं सोचते बल्कि समुदाय के रूप में ही सोच पाते है।" यह कथन किसका है?

उत्तर– गोविन्द वल्लभ पंत का पृथक निर्वाचिकाओ की मांग पर

9. ब्रिटेन में लेबर पार्टी की सरकार सत्ता में कब आई?

उत्तर– 26 जुलाई 1945 ई.

शेखावाटी मिशन–100

10. कैबिनेट मिशन ने अपनी संवैधानिक योजना की घोषणा कब की?

उत्तर–16 मई 1946 ई.

11. मुस्लिम लीग द्वारा 'प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस' कब मनाया गया ?

उत्तर– 16 अगस्त 1946 ई.

12. संविधान सभा की प्रथम बैठक (अधिवेशन) कब हुई?

उत्तर– 9 दिसंबर 1946

13. जिन्ना को पाकिस्तान की संविधान सभा का अध्यक्ष कब निर्वाचित किया गया?

उत्तर–11 अगस्त 1947

14. पाकिस्तान आजाद कब हुआ ?

उत्तर–14 अगस्त 1947 ई.

शेखावाटी मिशन 100 की कक्षा 10 एवं 12 के विभिन्न विषयों की नवीनतम बुकलेट डाउनलोड करने हेतु टेलीग्राम QR CODE स्कैन करें

15. कांग्रेस द्वारा अंतरिम सरकार का गठन व अंतरिम सरकार की आखिरी बैठक कब हुई ?

उत्तर– 2 सितम्बर 1946 को गठन व 16 जुलाई 1947 अंतिम बैठक

16. नवनिर्वाचित संविधान सभा द्वारा उपराष्ट्रपति किसे बनाया गया?

उत्तर– पं. जवाहरलाल नेहरू को

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न

1. भारतीय संविधान को कब सूत्रबद्ध किया गया ?

उत्तर– 9 दिसम्बर 1946 से 26 नवंबर 1949 तक (2 वर्ष 11 माह 18 दिन)

2. संविधान सभा में सहयोग करने वाले दो प्रमुख प्रशासनिक अधिकारी थे ?

उत्तर– बी एन राव– संवैधानिक सलाहकार के रूप में तथा एसएन मुखर्जी– मुख्य योजनाकार के रूप में।

3. उदेश्य प्रस्ताव कब और किसके द्वारा पेश किया गया?

उत्तर– 13 दिसंबर 1946 को जवाहरलाल नेहरू द्वारा।

4. संविधान सभा के किस सदस्य को चर्चाओं पर ब्रिटिश साम्राज्यवाद का साया दिखाई देता था? अथवा/ किस सदस्य के अनुसार संविधान सभा अंग्रेजो की योजना को साकार करने का काम कर रही थी?

उत्तर– कम्युनिस्ट सदस्य सोमनाथ लाहिड़ी

5. पंडित नेहरू के अनुसार संविधान सभा की शक्ति का स्त्रोत क्या था ?

उत्तर–जनता

6. "पृथक निर्वाचन एक ऐसा विष है जो हमारे देश की पूरी राजनीति में समा चुका है" यह कथन किसका था ?

उत्तर–सरदार वल्लभ भाई पटेल

7. पृथक निर्वाचन को आत्मघाती मांग मानने वाले दो सदस्यों के नाम बताइए?

उत्तर– गोविंद बल्लभ पंत एवं बेगम एजाज रसूल

8. पृथक निर्वाचन का समर्थक किसी एक सदस्य का नाम बताइए ?

उत्तर– बी पोकर बहादूर

9. एनजी रंगा के अनुसार असली अल्पसंख्यक कौन थे ?

शेखावाटी मिशन–100

उत्तर– भारत देश की जनता, गरीब और दबे कुचले लोग किसान एवं आदिवासी

10. संविधान सभा सदस्य जयपाल सिंह किस समूह का प्रतिनिधितव करते थे?

उत्तर–आदिवासी समूह।

11. प्रांतीय सरकारों में भारतीयों की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए कौन कौन से कानून बनाए गए?

उत्तर–1909, 1919, 1935

12. _____ में कार्यपालिका को आंशिक रूप से प्रांतीय विधायिका के प्रति उत्तरदायी बनाया गया।

उत्तर–1919 में

13. प्रांतीय कार्यपालिका को लगभग पूरी तरह से विधायिका के प्रति उत्तरदायी कब बनाया गया?

उत्तर– 1935 के गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट के अन्तर्गत।

14. "अंग्रेज तो चले गए मगर जाते जाते शरारत के बीच बो गए" / क्या तुम इस देश में शांति चाहते हो अगर चाहते हो तो इसे (पृथक निर्वाचिका) को छोड़ दो" ये कथन किसने व किस संदर्भ में कहा ?

उत्तर– यह कथन सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा पृथक निर्वाचिका की मांग के संदर्भ में कहा गया।

15. "उन्हें सहारों की जरूरत है उन्हें एक सीढ़ी चाहिए" यह कथन किसने और किसके संबंध में कहा?

उत्तर– एनजी रंगा ने नागरिक अधिकारों का प्रभावी ढंग से प्रयोग के संदर्भ में।

16. आम जनता और संविधान सभा में उनका प्रतिनिधित्व का दावा करने वालों के बीच खाई की और किसने ध्यान आकर्षित कराया ?

उत्तर– किसान आंदोलन के नेता और समाजवादी विचारों वाले एनजी रंगा ने

17. गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट के तहत 1937 में चुनाव हुए तो 11 में से कितने प्रांतों में कांग्रेस की सरकार बनी ?

उत्तर– 8 प्रांतों में।

18. दलित जातियों के अधिकारों की मांग करने वाले प्रमुख सदस्य थे ?

उत्तर– डॉक्टर भीमराव अंबेडकर, जे. जे. नागप्पा (मद्रास), के जे खंडेलकर (मध्य प्रांत), दक्षायणी वेलायुधान (मद्रास)।

19. किस घटना के पश्चात डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने दलितों हेतु पृथक निर्वाचन की मांग छोड़ दी थी ?

उत्तर– बंटवारे/विभाजन की हिंसा के बाद।

20. महिलाओं के लिए न्याय की मांग करने वाली प्रमुख सदस्य थी ?

उत्तर– मुंबई की हंसा मेहता

21. जो सदस्य शक्तिशाली केन्द्र के पक्ष में थे उनमें मुख्य रूप से शामिल थे ?

उत्तर– पंडित जवाहर लाल नेहरू, डॉ भीमराव अंबेडकर, बालकृष्ण शर्मा, गोपालस्वामी अय्यर ।

22. संविधान में गवर्नर की सिफारिश पर केन्द्र सरकार को राज्य सरकार के सारे अधिकार अपने हाथ में लेने का अधिकार किस अनुच्छेद में दिया गया है?

उत्तर– अनुच्छेद 356 में

23. किन करों / शुल्कों से होने वाली सारी आय केन्द्र के पास रखी गई ?

उत्तर– सीमा शुल्क, कम्पनी कर

24. किन करों की आय राज्य तथा केन्द्र सरकार के बीच बांट दी गई ?

शेखावाटी मिशन–100

उत्तर– आयकर, आबकारी शुल्क

25. किन करों में राज्य सरकारों को अपने स्तर पर कुछ अधिभार और कर वसूलने का अधिकार दिया गया ?

उत्तर–जमीन और संपति कर, बिक्री कर, बोतलबंद शराब पर कर

26. राज्य के अधिकरों की सबसे शक्तिशाली हिमायत करने वाले सदस्य थे ?

उत्तर– के. संतनम (मद्रास प्रांत)

27. प्रांतों को अधिक स्वायत्तता व विकेंद्रीकृत संरचना के प्रति राष्ट्र वादियों तथा कांग्रेस के नजरिए में बदलाव किस घटना के पश्चात आया?

उत्तर– बंटवारा/विभाजन की घटना के बाद

28. शक्तिशाली सरकार या केन्द्र की आवश्यकता क्यों बताई गई ?

उत्तर– ताकि वह देश हित में योजना बना सके, उपलब्ध आर्थिक संसाधनों को जुटा सके तथा एक उचित शासन व्यवस्था स्थापित कर सके और देश को सांप्रदायिक हिंसा व विदेशी आक्रमण से बचा सके।

29. महात्मा गांधी के अनुसार राष्ट्रीय भाषा कौन सी होनी चाहिए ?

उत्तर– हिंदुस्तानी

30. महात्मा गांधी के अनुसार हिंदुस्तानी की क्या विशेषताएं होनी चाहिए?

उत्तर– न तो अधिक संस्कृतनिष्ठ हिंदी होनी चाहिए और ना ही फारसीनिस्ठ उर्दू

31. हिंदी के समर्थन में पुरजोर आवाज उठाने वाले सदस्य थे ?

उत्तर– आरवी धूलेकर (संयुक्त प्रांत)

32. धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लेख किस अनुच्छेद में किया गया है ?

उत्तर– संविधान के अनुच्छेद 25 से 28

33. संस्कृति व शैक्षिक अधिकार किस अनुच्छेद में दिए गए हैं ?

उत्तर– संविधान के अनुच्छेद 29 व 30

34. समानता के अधिकार संविधान के किन अनुच्छेदों में दिए गए है ?

अनुच्छेद 14, 15, 16, 17, 18

35. हिंदी भाषा के वर्चस्व पर भय व चिंता व्यक्त करने बाले दो सदस्य थे ?

उत्तर– श्रीमती जी. दुर्गाबाई (मद्रास) व श्री टीए रामलिंगम चैटयार (मद्रास)।

निबंधात्मक प्रश्नः–

1. महात्मा गांधी हिन्दुस्तानी को राष्ट्रीय भाषा क्यों बनाना चाहते थे? विवेचना कीजिए।

उत्तर– महात्मा गांधी का मानना था कि हरेक को एक ऐसी भाषा बोलनी चाहिए जिसे लोग आसानी से समझ सकें।

(i) हिन्दी और उर्दू के मेल से बनी हिन्दुस्तानी भारतीय जनता के बहुत बड़े हिस्से की भाषा थी और यह विविध संस्कृतियों के आदान–प्रदान से समृद्ध हुई एक सांझी भाषा थी।

(ii) जैसे–जैसे समय बीता बहुत तरह के स्रोतो से नए–नए शब्द और अर्थ इसमें समाते गए और उसे विभिन्न क्षेत्रों के बहुत सारे लोग समझने लगे।

(iii) महात्मा गाँधी को लगता था कि यह बहुसांस्कृतिक भाषा विविध समुदायों के बीच संचार की आदर्श भाषा हो सकती

शेखावाटी मिशन–100

है तथा यह हिन्दुओं और मुसलमानों को उत्तर और दक्षिण के लोगों को एकजुट कर सकती है।

(iv) महात्मा गांधी का हिन्दुस्तानी भाषा के पक्ष मे कथन था किः– "यह हिन्दुस्तानी न तो संस्कृतनिष्ठ हिन्दी होनी चाहिए और न ही फारसीनिष्ठ उर्दू। यह दोनों का सुंदर मिश्रण होना चाहिए"।

2. संविधान सभा ने भाषा के विवाद को हल करने के लिए क्या रास्ता निकाला ?

उत्तर– (i) संविधान सभा में राष्ट्रीय भाषा का मुद्दा 3 साल से लगातार विवाद का विषय बना हुआ था। संयुक्त प्रांत के कांग्रेसी सदस्य आर वी धुलेकर हिंदी भाषा को राष्ट्रीय भाषा का दर्जा दिलवाना चाहते थे।

(ii) श्रीमती जी दुर्गाबाई, श्री शंकरराव देव, रामलिंगम चेट्टियार इत्यादि सदस्य हिंदी भाषा को राष्ट्रीय भाषा का दर्जा देने के पक्ष में नहीं थे।

(iii) संविधान सभा की भाषा समिति ने इस विवाद को हल करने के लिए अपनी रिपोर्ट पेश की जिसके अनुसार समिति ने राष्ट्रीय भाषा के सवाल पर हिन्दी के समर्थकों और विरोधियों के बीच पैदा हो गए गतिरोध को तोड़ने के लिए एक फार्मूला विकसित कर लिया था। समिति ने सुझाव दिया कि देवनागरी लिपि में लिखी हिंदी भारत की राजकीय भाषा होगी। परंतु इस फार्मूले को समिति ने घोषित नहीं किया था।

समिति का मानना था कि हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने के लिए हमें धीरे–धीरे आगे बढ़ना चाहिए। पहले 15 साल तक सरकारी कामों में अंग्रेजी का इस्तेमाल जारी रहेगा। प्रत्येक प्रांत को अपने कामों के लिए कोई एक क्षेत्रिय भाषा चुनने का अधिकार होगा। संविधान सभा की भाषा समिति ने हिंदी को राष्ट्रभाषा की बजाय राजभाषा कहकर विभिन्न पक्षों की भावनाओं को शांत करने और सर्वस्वीकृत समाधान पेश करने का प्रयास किया था।

3. संविधान सभा के ऐसे दो महत्वपूर्ण अभिलक्षणों का उल्लेख कीजिए जिन पर संविधान सभा में काफी हद तक सहमति थी।

उत्तर– (i) वयस्क मताधिकार– संविधान के एक केन्द्रीय अभिलक्षण पर काफी हद तक सहमती थी। यह सहमती प्रत्येक वयस्क भारतीय को मताधिकार देने पर थी। इसकेपीछे एक खास किस्म का भरोसा था जिसके पूर्व उदाहरण अन्य देशो के इतिहास में नहीं थे। दूसरे लोकतंत्र में पूर्ण वयस्क मताधिकार धीरे–धीरे कई चरणों से गुजरते हुए लोगो को मिला। संयुक्त राज्य अमेरिका और युनाइटेड किंगडम जैसे देशों में शुरू–शुरू में मताधिकार केवल संपति रखने वाले पुरूषों को दे दिया गया फिर पढ़े–लिखे पुरूषों को इस विशेष वर्ग में शामिल किया गया। लंबे और कटु संघर्षो के बाद क्रमशः श्रमिक और किसान वर्ग, उसके बाद महिलाओं को मताधिकार मिल गया।

(ii) धर्मनिरपेक्षताः– हमारे संविधान का दूसरा महत्वपूर्ण अभिलक्षण था धर्मनिरपेक्षता पर बल। संविधान की प्रस्तावना में धर्मनिरपेक्षता के गुण तो नहीं गाए गए थे परंतु संविधान व समाज को चलाने के लिए भारतीय संदर्भो में उसके मुख्य अभिलक्षणों का जिक्र आदर्श रूप में किया गया था। ऐसा मूल अधिकारों की श्रृंखला को रचने के जरिए किया गया। विशेषकर "धार्मिक स्वतंत्रता" (अनुच्छेद 25–28), "समानता के अधिकार" (अनुच्छेद 14,16,17) राज्य के सभी धर्मो के प्रति समान व्यवहार की गारंटी दी और उन्हे हितैषी संस्थाए बनाए रखने का अधिकार भी दिया।

शेखावाटी मिशन–100

शेखावाटी मिशन–100 : सत्र 2023-24
मॉडल प्रश्न पत्र-1
कक्षा–12 विषय–इतिहास

खंड–अ

1. बहु विकल्पी प्रश्नः निम्न प्रश्नों के उत्तर का सही विकल्प चयन कर उत्तर पुस्तिका में लिखिए।

(i) किस पुरास्थल से जूते हुए खेत के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं ?

(अ) कालीबंगन (ब) लोथल (स) धोलावीरा (द) मोहनजोदड़ो **(अ)**

(ii) किस शक शासक ने सुदर्शन झील का पुनर्निर्माण करवाया ?

(अ) अशोक (ब) समुद्रगुप्त (स) रूद्रदामन (द) चंद्र गुप्त मौर्य **(स)**

(iii) किस राजवंश के शासकों ने मातृवंशिकता को राजकीय मान्यता प्रदान की ?

(अ) सातवाहन (ब) शक (स) कुषाण (द) हिन्द – यूनानी **(अ)**

(iv) किस विदेशी यात्री को मुहम्मद बिन तुगलक ने दिल्ली का काजी नियुक्त किया ?

(अ) अब्दुर्रज्जाक (ब) अल बिरूनी (स) फ्रांस्वा बर्नियर (द) इब्न बतूता **(द)**

(v) वीर शैव मत के प्रवर्तक कौन थे ?

(अ) कबीर (ब) रामानंद (स) बासवन्ना (द) शंकरदेव **(स)**

(vi) पद्मावत ग्रंथ की रचना किसने की ?

(अ) कबीर (ब) तुलसीदास (स) अमीर खुसरो (द) मलिक मुहम्मद जायसी **(द)**

(vii) हम्पी को यूनेस्को ने विश्व पुरातत्व स्थल कब घोषित किया ?

(अ) 1986 (ब) 1976 (स) 1952 (द) 2007 **(अ)**

(viii) हम्पी की खोज का श्रेय किसे है ?

(अ) जेम्स प्रिंसेप (ब) सर जॉन मार्शल (स) कॉलिन मैकेंजी (द) फ्रांसिस बुकानन **(स)**

(ix) पंजाब में पंजाब में शाह नहर का निर्माण किसने करवाया ?

(अ) अकबर (ब) हुमायूं (स) जहांगीर (द) शाहजहां **(द)**

(x) सहायक संधि का जनक किस गवर्नर जनरल को माना जाता है ?

(अ) लार्ड वेलेजली (ब) लॉर्ड डलहौजी (स) लॉर्ड कैनिंग (द) लॉर्ड रिपन **(अ)**

(xi) बंगाल में स्थाई बंदोबस्त कब लागू किया गया ?

(अ) 1801 (ब) 1793 (स) 1856 (द) 1764 **(ब)**

(xii) कुदाल को किसके जीवन का प्रतीक माना गया है ?

(अ) संथाल (ब) पहाड़िया (स) मंडल (द) जोतदार **(ब)**

(xiii) नमक सत्याग्रह के समय भारत का वायसराय कौन था ?

(अ) लॉर्ड माउंट बेटन (ब) लॉर्ड इर्विन (स) लॉर्ड वेवेल (द) लॉर्ड मिंटो **(ब)**

(xiv) संविधान सभा में उद्देश्य प्रस्ताव किसने पेश किया ?

(अ) डॉ. राजेंद्र प्रसाद (ब) पंडित जवाहरलाल नेहरू

शेखावाटी मिशन–100

(स) सरदार वल्लभभाई पटेल (द) डॉ. भीमराव अंबेडकर **(ब)**

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(i) धम्म के प्रचार के लिए अशोक ने.....नामक विशेष अधिकारियों की नियुक्ति की।

उत्तर– धम्म महामात्त ।

(ii) 1919 ई. में संस्कृत के प्रसिद्ध विद्वान .....के नेतृत्व में महाभारत के समालोचनात्मक संस्करण को तैयार करने की महत्वाकांक्षी परियोजना की शुरुआत हुई।

उत्तर– वी. एस. सुकथांकर।

(iii) महाभारत की मूल कथा के रचयिता.....थे।

उत्तर– भाट सारथी।

(iv) बौद्ध दर्शन के अनुसार विश्व..... है।

उत्तर– अनित्य।

(v) कांस्य में ढाली गई नटराज शिव की प्रतिमाओं का निर्माण ..... शासन काल में हुआ।

उत्तर– चोल।

(vi) तालीकोटा के युद्ध में विजयनगर की सेना का नेतृत्व प्रधानमंत्री..... ने किया।

उत्तर– राम राय।

(vii) मुगल प्रांत के प्रशासनिक मंडल को ..... कहते हैं।

उत्तर– परगना।

3. अति लघुत्तरात्मक प्रश्न निम्न प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक पंक्ति में दीजिए।

(i) हड़प्पा सभ्यता के शहरों की सबसे अनूठी विशेषता क्या थी ?

उत्तर– नियोजित जल निकास प्रणाली/नगर नियोजन।

(ii) प्रभावती गुप्त का कौन सा अभिलेख उसके द्वारा दिए गए भूमि दान की पुष्टि करता है ?

उत्तर– दंगुन गाँव अभिलेख।

(iii) वर्ण व्यवस्था का सर्वप्रथम उल्लेख किस ग्रंथ में मिलता है?

उत्तर–ऋग्वेद के दसवें मंडल के पुरुषसुक्त में।

(iv) पितृवंशिकता का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– वह वंश परंपरा जो पिता के बाद पुत्र, फिर पौत्र, प्रपौत्र आदि से चलती थी और उन्हें उतराधिकार प्राप्त होता था, पितृवंशिकता कहलाई।

(v) चांडाल कौन थे?

उत्तर– मृतकों की अंत्येष्टि करने वाले और मृत पशुओं को छूने वाले लोग जो प्रायः नगर या बस्ती से बाहर रहते थे, चांडाल कहलाते थे।

(vi) अल बिरूनी के यात्रा वृतांत का नाम क्या है ?

उत्तर– किताब उल हिंद।

(vii) खानकाह से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर– सूफी संतों के रहने का स्थान खानकाह कहलाता था जो सूफियों के सामाजिक जीवन का केंद्र बिंदु था।

शेखावाटी मिशन–100

(viii) विजयनगर की राजधानी का स्थान चयन किस से प्रेरित था?

उत्तर– विजयनगर की राजधानी का स्थान चयन संरक्षक देवता विरुपाक्ष तथा पंपा देवी के मंदिरों के अस्तित्व से प्रेरित था।

(ix) ए बंच ऑफ ओल्ड लेटर्स (पुराने पत्रों का पुलिंदा) का संकलन किसने किया ?

उत्तर– जवाहरलाल नेहरू।

(x) मुस्लिम लीग द्वारा प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस कब मनाया गया?

उत्तर– 16 अगस्त 1946

खंड– ब

लघुत्तरात्मक प्रश्नः (उत्तर शब्द सीमा लगभग 50 शब्द)

4. बौद्ध संघ की संचालन पद्धति के बारे में संक्षेप में बताइए।

उत्तर–बौद्ध संघ की प्रणाली जनतंत्रीय थी। संघीय कार्यों में प्रत्येक भिक्षु के अधिकार समान थे। संघ की सभा में रखे जाने वाले प्रस्ताव पर सदस्य बातचीत के माध्यम से एकमत होने की कोशिश करते थे। जिस विषय पर सदस्यों में मतभेद होता था तो मतदान के द्वारा निर्णय लिया जाता था।

5. जैन धर्म के किन्ही दो प्रमुख सिद्धांतों के बारे में संक्षेप में बताइए।

उत्तर–जैन धर्म के दो प्रमुख सिद्धांत–

(i) अहिंसा – जैन धर्म के पंच महाव्रतों में अहिंसा जैन दर्शन का केंद्र बिंदु है। जैन दर्शन में अहिंसा के सिद्धांत ने संपूर्ण भारतीय चिंतन परंपरा को प्रभावित किया है।

(ii) संपूर्ण विश्व प्राणवान– जैन दर्शन की सबसे महत्वपूर्ण अवधारणा है कि संपूर्ण विश्व प्राणवान होता है। यह माना जाता है कि पत्थर, चट्टान और जल में जीवन होता है।

6. गौतम बुद्ध ने किसके आग्रह पर बौद्ध संघ में महिलाओं के प्रवेश की अनुमति प्रदान की और बौद्ध संघ में प्रवेश पाने वाले पहली महिला कौन थी?

उत्तर – गौतम बुद्ध ने अपने चचेरे भाई एवम् प्रिय शिष्य आनंद के आग्रह पर महिलाओं को बौद्ध संघ में प्रवेश की अनुमति प्रदान की तथा बौद्ध संघ में प्रवेश पाने वाली पहली महिला प्रजापति गौतमी थी।

7. इब्न बतूता के अनुसार तत्कालीन भारत में कितने प्रकार की डाक व्यवस्थाएं प्रचलित थी/ उलुक व दावा में अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– इब्न बतूता ने अपने ग्रंथ रेहला में भारत में प्रचलित दो प्रकार की डाक व्यवस्थाओं का वर्णन किया है–

(i) उलुक **(ii)** दावा

उलुक व दावा डाक व्यवस्था में अंतर–

(i) अश्व (घुड़सवार) डाक व्यवस्था को उलुक के नाम से जाना जाता था तथा पैदल डाक व्यवस्था को दावा कहा जाता था।

(ii) अश्व (उलुक) डाक व्यवस्था में प्रति चाल मील की दूरी पर एक अवस्थान होता था जबकि पैदल (दावा) डाक व्यवस्था में प्रति एक मील पर तीन अवस्थान होते थे।

8. फ्रांस्वा बर्नियर के यात्रा वृतांत का नाम बताइए। बर्नियर ने अपनी कृति किस शासक को समर्पित की ?

उत्तर–फ्रांस्वा बर्नियर की पुस्तक/यात्रा वृतांत का नाम – "ट्रैवल्स इन द मुगल एम्पायर" है । बर्नियर ने अपनी कृती फ्रांस के तत्कालीन शासक लुई 14 वें को समर्पित की।

शेखावाटी मिशन–100

9. विजयनगर के शासक अमर नायकों पर अपना नियंत्रण किस प्रकार दर्शाते थे ?

उत्तर – (i) अमर नायक को वर्ष में एक बार स्वामीभक्ति प्रकट करने के लिए स्वयं को उपहारों के साथ राजकीय दरबार में उपस्थित होना होता था।

(ii) राय विजयनगर के शासक समय–समय पर अमर नायकों का स्थानांतरण दूसरे क्षेत्रों में कर उन पर अपना नियंत्रण दर्शाते थे।

10. मुगलकालीन भू–राजस्व व्यवस्था का वर्णन कीजिए।

उत्तर– अकबर ने भूमि का वर्गीकरण करवाया तथा प्रत्येक वर्ग की जमीन के लिए अलग–अलग भू–राजस्व निर्धारित किया। भूमि को चार वर्गों में बांटा गया– पोलज, परौती, चचर तथा बंजर। सामान्यतः उपज का एक तिहाई भाग राजस्व के रूप में प्राप्त होता था।

11. खुद काश्त और पाहि काश्त में अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर–खुद काश्त– वे किसान जो गाँव में रहते थे और उनकी स्वयं की जमीन थी।

पाहिकाश्त – वह किसान जो दूसरे गाँव से ठेके पर खेती करने आते थे और यह लोग बंटाई पर खेती करते थे।

12. रैयतवाड़ी व्यवस्था की कोई दो शर्तें बताइए।

उत्तर– रैयतवाड़ी व्यवस्था की शर्तें–

(i) बंबई – दक्कन में 1820 के दशक में लागू की गई रैयतवाड़ी व्यवस्था में भू राजस्व सीधा रैयत (किसान) से वसूल किया जाता था।

(ii) रैयतवाड़ी भू राजस्व व्यवस्था को 30 साल के लिए नियत किया गया था।

13. पांचवीं रिपोर्ट पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

उत्तर–भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी के प्रशासन तथा क्रियाकलापों के विषय में तैयार की गई रिपोर्ट में यह पांचवी रिपोर्ट थी जो ब्रिटिश संसद में 1813 ईस्वी में पेश की गई थी । यह रिपोर्ट भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन के स्वरूप पर ब्रिटिश संसद में गंभीर वाद विवाद का आधार बनी।

14. लॉर्ड डलहौजी का व्यपगत सिद्धांत/हड़प नीति क्या थी?

उत्तर– लॉर्ड डलहौजी ने वह व्यपगत सिद्धांत/हड़प नीति द्वारा कंपनी के राज्य का विस्तार किया। इस नीति के तहत देशी राज्यों के शासको पर दत्तक पुत्र गोद लेने की प्रथा पर देशी राज्यों के शासको पर दत्तक पुत्र गोद लेने की प्रथा पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगा दिया गया और उनकी मृत्यु के पश्चात उनके राज्य को कंपनी राज्य में सम्मिलित कर लिया गया। इस नीति के तहत झांसी और सतारा का विलय कंपनी राज्य में कर लिया गया। गोद निषेध प्रथा के अतिरिक्त अवध जैसे अंग्रेजी समर्थक राज्य को भी 1856 ईस्वी में कुशासन के आरोप के आधार पर विलय कर लिया गया।

15. कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन (1929 ई.) पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

उत्तर–कांग्रेस का 1929 ई. का लाहौर अधिवेशन पंडित जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। इस अधिवेशन में कांग्रेस ने पूर्ण स्वाधीनता का प्रस्ताव पारित किया और आगामी 26 जनवरी 1930 को पूरे देश में धूमधाम से स्वतंत्रता दिवस मनाया गया।

खंड– स

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नः (उत्तर शब्द सीमा लगभग 100 शब्द)

16. अभिलेख क्या है ? अभिलेखों का ऐतिहासिक महत्व बताइए।

शेखावाटी मिशन–100

अथवा

20 वीं सदी के राष्ट्रवादी नेताओं ने अशोक को प्रेरणा स्रोत क्यों माना ?

उत्तर– संबंधित पाठ के दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के प्रश्न क्रमांक 3 अथवा 9 का अध्ययन करें।

17. कबीर की वाणी कौन सी विशिष्ट परंपराओं में संकलित है?

अथवा

भक्ति आंदोलन के प्रमुख विशेषताएं बताइए।

उत्तर– संबंधित पाठ के दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के प्रश्न क्रमांक 2 अथवा 7 का अध्ययन करें।

18. कला और साहित्य ने रानी लक्ष्मी बाई को 1857 की क्रांति की नायिका के रूप में कैसे पेश किया है ?

अथवा

ऐतिहासिक आजमगढ़ घोषणा क्या थी ?

उत्तर–संबंधित पाठ के दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के प्रश्न क्रमांक 13 अथवा 18 का अध्ययन करें।

19. निम्न पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए –

(i) जलियांवाला बाग हत्याकांड (ii) साइमन कमीशन

अथवा

निम्न पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए–

(i) कैबिनेट मिशन (ii) नमक सत्याग्रह/दांडी यात्रा

उत्तर– (i) जलियांवाला बाग हत्याकांड – रॉलेट एक्ट और अपने लोकप्रिय नेताओं की गिरफ्तारी के विरोध में पंजाब के अमृतसर में 13 अप्रैल 1919 को बैसाखी के दिन लोग जलियांवाला बाग में एक सार्वजनिक सभा के लिए इकट्ठे हुए । अंग्रेज अफसर जनरल डायर ने शांतिप्रिय सभा पर गोलियां चलाने का आदेश दिया। इस बर्बरतापूर्ण कार्रवाई में बड़ी संख्या में महिलाओं–बच्चों समेत लगभग 400 से अधिक लोग मारे गए और सैकड़ो घायल हुए। संपूर्ण देश में इस घटना से तीव्र आक्रोश उत्पन्न हो गया।

(ii) साइमन कमीशन– भारत में औपनिवेशिक शासन की स्थितियों की जांच पड़ताल के लिए साइमन कमीशन 1928 ईस्वी में भारत आया। इस 7 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल में ईस्वी में भारत आया। इस 7 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल में कोई भी भारतीय सदस्य नहीं था अतः इस श्वेत कमीशन कहकर भारतीयों ने प्रबल विरोध किया।

अथवा

(i) कैबिनेट मिशन– कैबिनेट मिशन 1946 ई. में भारत आया। इस मिशन ने कांग्रेस और मुस्लिम लीग को एक ऐसी संघीय व्यवस्था पर राजी करने का प्रयास किया जिसमें भारत के भीतर विभिन्न प्रांतो को सीमित स्वायत्तता दी जा सकती थी। कैबिनेट मिशन का यह प्रयास सफल रहा।

(ii) नमक सत्याग्रह/दांडी यात्रा– सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान महात्मा गांधी ने 12 मार्च 1930 को अपने साबरमती आश्रम से चुने हुए 78 अनुयायियों के साथ समुद्र तट पर स्थित दांडी गांव के लिए यात्रा का आयोजन किया इस यात्रा को अभूतपूर्व लोकप्रियता मिली। 6 अप्रैल 1930 को समुद्र तटीय दांडी गांव में गांधी जी ने नमक बनाकर नमक कानून का उल्लंघन किया। इस प्रकार संपूर्ण भारत में नमक सत्याग्रह शुरू हो गया। इस आंदोलन ने भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन को व्यापक बनाया।

शेखावाटी मिशन–100

खंड– द

निबंधात्मक प्रश्नः (उत्तर शब्द सीमा लगभग 250 शब्द)

20. एक नियोजित शहरी केंद्र के रूप में मोहनजोदड़ो की विशेषताएं बताइए।

अथवा

सिंधु सभ्यता में शिल्प उत्पादन/शिल्प उद्योग के बारे में वर्णन कीजिए।

उत्तर–संबंधित पाठ के निबंधात्मक प्रश्नों के प्रश्न क्रमांक 5 अथवा 1 का अध्ययन करें।

21. महात्मा गांधी हिंदुस्तानी को राष्ट्रीय भाषा क्यों बनना चाहते थे? विवेचना कीजिए।

अथवा

संविधान सभा ने भाषा के विवाद को हल करने के लिए क्या रास्ता निकाला ?

उत्तर – संबंधित पाठ के निबंधात्मक प्रश्नों के प्रश्न क्रमांक 1 अथवा 2 का अध्ययन करें।

22. भारत के रेखा मानचित्र में निम्नलिखित ऐतिहासिक स्थलों को अंकित कीजिए–

(i) साबरमती **(ii)** सांची **(iii)** कलकत्ता **(iv)** हम्पी **(v)** मेरठ

अथवा

भारत के रेखा मानचित्र में निम्नलिखित ऐतिहासिक स्थलों को अंकित कीजिए–

(i) चंपारण **(ii)** अजंता **(iii)** झांसी **(iv)** दौलताबाद **(v)** वर्धा

उत्तर– मानचित्र कार्य का अध्ययन करें।

शेखावाटी मिशन–100 : सत्र 2023-24

मॉडल प्रश्न पत्र - 2

कक्षा–12 विषय–इतिहास

खंड– अ

1. बहु विकल्पी प्रश्नः निम्न प्रश्नों के उत्तर का सही विकल्प चयन कर उत्तर पुस्तिका में लिखिए।

(i) भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण के पहले डायरेक्टर जनरल कौन थे ?

(अ) कनिंघम (ब) व्हीलर (स) जॉन मार्शल (द) दयाराम साहनी

(ii) किस राजवंश के शासकों ने अपने नाम के आगे देवपुत्र की उपाधि लगाई ?

(अ) गुप्त (ब) मौर्य (स) कुषाण (द) सातवाहन

(iii) किस शासक ने स्वयं को अनूठा ब्राह्मण और क्षत्रियों के दर्प का हनन करने वाला बताया ?

(अ) गौतमी पुत सिरि सातकनि (ब) रूद्रदामन

(स) सम्राट अशोक (द) चंद्रगुप्त मौर्य

(iv) दास प्रथा के बारे में विस्तृत वर्णन किस विदेशी यात्री ने किया ?

(अ) अब्दुर्रज्जाक (ब) अल बिरूनी (स) फ्रांस्वा बर्नियर (द) इब्न बतूता

(v) मीराबाई के गुरु कौन थे ?

(अ) कबीर (ब) रामानंद (स) रैदास (द) शंकरदेव

(vi) अपने जीवन काल में 14 बार अजमेर दरगाह की जियारत करने वाला मुगल सम्राट कौन था ?

(अ) अकबर (ब) जहांगीर (स) औरंगजेब (द) शाहजहां

(vii) हम्पी को राष्ट्रीय महत्व के स्थल के रूप में मान्यता कब मिली ?

(अ) 1986 (ब) 1976 (स) 1952 (द) 2007

शेखावाटी मिशन–100

(viii) कृष्ण देव राय द्वारा रचित ग्रंथ का नाम बताइए ?

(अ) अमुक्त मल्यदम (ब) राजतरंगिणी (स) अर्थशास्त्र (द) हर्ष चरित

(ix) आइन ए अकबरी की रचना किसने की ?

(अ) अकबर (ब) अबुल फजल (स) मलिक मुहम्मद जायसी (द) अमीर खुसरो

(x) व्यपगत सिद्धांत/ हड़प नीति किसने लागू की ?

(अ) लार्ड वेलेजली (ब) लॉर्ड डलहौजी (स) लॉर्ड कैनिंग (द) लॉर्ड रिपन

(xi) ब्रिटेन में कपास आपूर्ति संघ की स्थापना कब हुई ?

(अ) 1801 (ब) 1793 (स) 1857 (द) 1764

(xii) हल को किसके जीवन का प्रतीक माना गया है ?

(अ) संथाल (ब) पहाड़िया (स) मंडल (द) जोतदार

(xiii) भारतीय स्वतंत्रता के समय वायसराय कौन था ?

(अ) लॉर्ड माउंट बेटन (ब) लॉर्ड इर्विन (स) लॉर्ड वेवेल (द) लॉर्ड मिंटो

(xiv) संविधान सभा की चर्चाओं के मुद्रित रिकॉर्ड कितने खंडों में प्रकाशित हुए ?

(अ) 10 (ब) 9 (स) 11 (द) 165

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(i) अशोक के धम्म के सिद्धांत ..... थे।

(ii) जाति ..... पर आधारित थी।

(iii) प्रत्येक गोत्र एक..... के नाम पर होता था।

(iv) जैन परंपरा के अनुसार महावीर स्वामी से पहले.....शिक्षक हो चुके थे।

(v) वर्ण व्यवस्था का पालन न करने वाले प्रवासी समुदायों के लिए ..... शब्द प्रयोग किया जाता था।

(vi) विजयनगर के सभी राजकीय आदेशों पर कन्नड़ लिपि में..... शब्द अंकित होता था ।

(vii) खेती व्यक्तिगत..... सिद्धांत पर आधारित थी।

3. अति लघुत्तरात्मक प्रश्न (निम्न प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक पंक्ति में दीजिए।)

(i) मेसोपोटामिया के लेखों में मेलूहा शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है ?

(ii) श्रेणी से क्या अभिप्राय है ?

(iii) पांचवीं शताब्दी के किस अभिलेख में रेशम बुनकरों की एक श्रेणी का उल्लेख मिलता है ?

(iv) चांडाल कौन थे ?

(v) महाभारत का सबसे महत्वपूर्ण उपदेशात्मक अंश कौनसा है ?

(vi) किस विदेशी यात्री ने मुगलकालीन शहरों को शिविर नगर कहा है ?

(vii) मातृगृहता परिपाटी से क्या अभिप्राय है ?

(viii) तालीकोटा का युद्ध कब और किनके मध्य हुआ ?

(ix) मुस्लिम लीग ने मुक्ति दिवस कब और क्यों मनाया ?

(x) "अंग्रेज तो चले गए मगर जाते–जाते शरारत के बीज बो गए।" यह कथन किसने और किस संदर्भ में कहा ?

@SHEKHAWAT IMISSION100
शेखावाटी मिशन 100 की कक्षा 10 एवं 12 के विभिन्न विषयों की नवीनतम बुकलेट डाउनलोड करने हेतु टेलीग्राम QR CODE स्कैन करें

शेखावाटी मिशन–100

खंड–ब

लघुत्तरात्मक प्रश्नः (उत्तर शब्द सीमा लगभग 50 शब्द)

4. सांची के स्तूप को संरक्षण किसने प्रदान किया ?
5. बौद्ध दर्शन की दो प्रमुख मान्यताओं के बारे में संक्षेप में बताइए।
6. जैन धर्म के पंच महाव्रत क्या हैं ?
7. इब्न बतूता ने उपमहाद्वीप के कौन से दो शहरों का दौरा किया, जिनका वर्णन अपने यात्रा वृतांत में किया है ?
8. अल बिरूनी के लेखन कार्य की कोई दो विशेषताएं लिखिए।
9. मंदिर स्थापत्य में गोपुरम का क्या महत्व है ?
10. मनसबदारी व्यवस्था क्या थी ?
11. जमा और हासिल में अंतर स्पष्ट कीजिए।
12. पहाड़िया लोगों की आजीविका संथालों की आजीविका से किस प्रकार भिन्न थी ?
13. भाड़ा पत्र पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
14. 1857 की क्रांति में शाहमल के योगदान का संक्षिप्त विवरण दीजिए।
15. जलियांवाला बाग हत्याकांड पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

@SHEKHAWAT IMISSION100
शेखावाटी मिशन 100 की कक्षा 10 एवं 12 के विभिन्न विषयों की नवीनतम बुकलेट डाउनलोड करने हेतु टेलीग्राम QR CODE स्कैन करें

खंड– स

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नः (उत्तर शब्द सीमा लगभग 100 शब्द)

16. भारतीय राजनीतिक इतिहास के अध्ययन में जेम्स प्रिंसेप के शोध कार्यों का योगदान बताइए।

अथवा

अशोक की धम्म नीति क्या थी ?

17. भारतीय उपमहाद्वीप में चिश्ती सिलसिले के प्रसार पर संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत कीजिए ।

अथवा

महान और लघु परंपराओं से आप क्या समझते हैं?

18. 1857 की क्रांति को जन क्रांति की संज्ञा क्यों दी गई ?

अथवा

अवध में 1857 की क्रांति के संघर्ष की व्यापकता पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

19. निम्न पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए– (i) असहयोग आंदोलन (ii) गोलमेज सम्मेलन

अथवा

निम्न पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए – (i) क्रिप्स मिशन (ii) चंपारण सत्याग्रह

खंड– द

निबंधात्मक प्रश्नः (उत्तर शब्द सीमा लगभग 250 शब्द)

20. उन तथ्यों पर प्रकाश डालिए जो यह है इंगित करते हैं कि सिंधु घाटी सभ्यता में एक शासन प्रणाली मौजूद थी।

अथवा

सिंधु सभ्यता में व्यापार प्रणाली की प्रमुख विशेषताओं की विवेचना कीजिए।

21. संविधान सभा के गठन और कार्य प्रणाली की विवेचना कीजिए। **अथवा**

संविधान सभा के प्रमुख सदस्यों के नाम बताइए और उनकी भूमिका पर प्रकाश डालिए ।

22. भारत के रेखा मानचित्र में निम्नलिखित ऐतिहासिक स्थलों को अंकित कीजिए:
(i) काशी (ii) लोथल (iii) प्रयाग (iv) अमृतसर (v) कानपुर

अथवा

भारत के रेखा मानचित्र में निम्नलिखित ऐतिहासिक स्थलों को अंकित कीजिए–
(i) इंद्रप्रस्थ (ii) बनावली (iii) सांची (iv) अहमदाबाद (v) लखनऊ

शेखावाटी मिशन–100

मानचित्र कार्य

प्रमुख सैन्धव पुरास्थल
N
300 km
200 mi
© d-maps.com
हड़प्पा
बनावली
कालीबंगा
राखीगढ़ी
मोहनजोदड़ो
कोटदीजी
चन्हुदड़ो
धौलावीरा
लोथल
नागेश्वर

प्रमुख बौद्ध स्थल
N
300 km
200 mi
© d-maps.com
श्रावस्ती
लुम्बिनी / कपिलवस्तु
कुशीनारा
सारनाथ
बोधगया
भरहूत
सांची
नासिक
अजंता
अमरावती
नागार्जुनकोंडा
Mercator

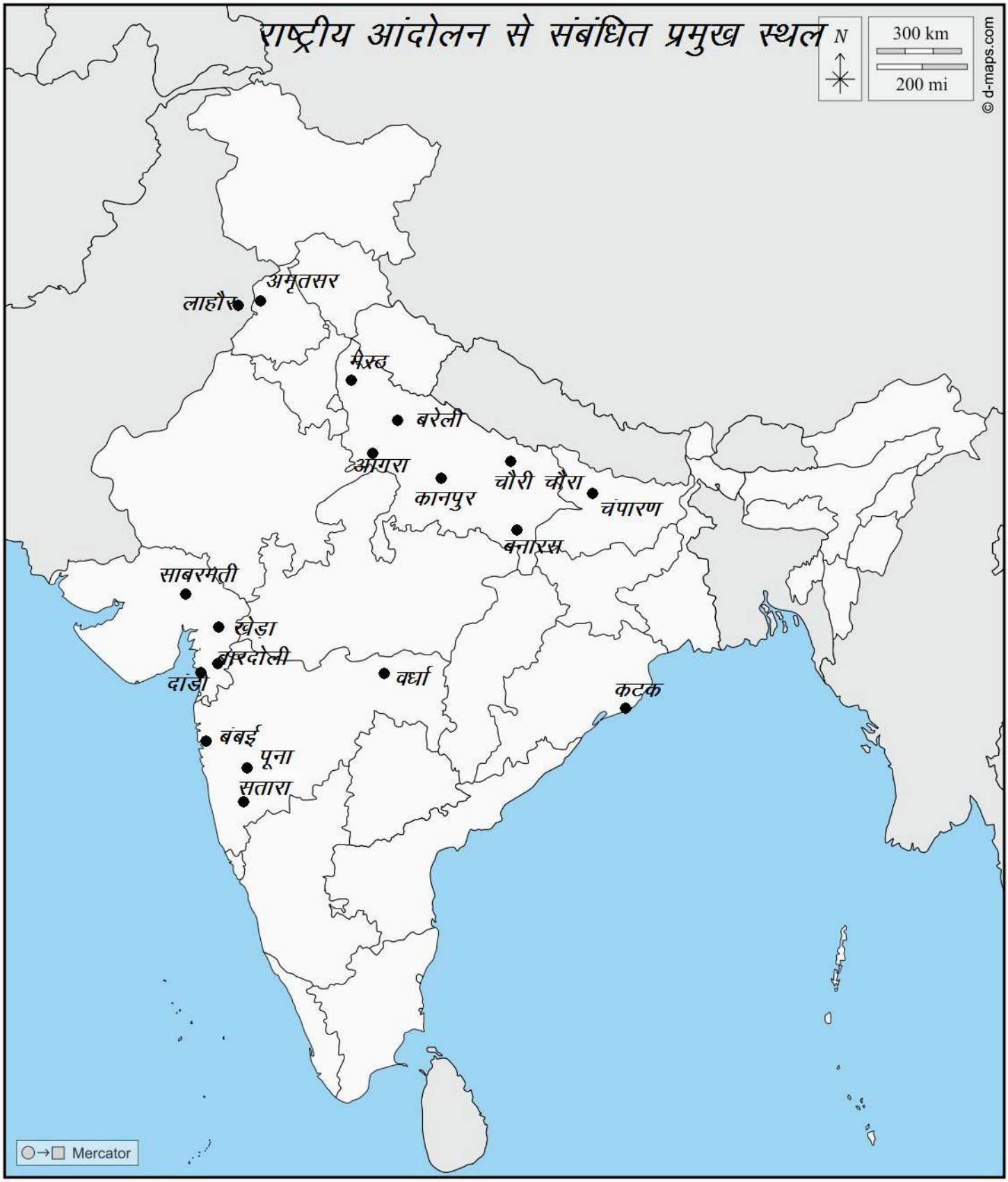
राष्ट्रीय आंदोलन से संबंधित प्रमुख स्थल
N
300 km
200 mi
© d-maps.com
अमृतसर
लाहौर
मेरठ
बरेली
आगरा
कानपुर
चौरी चौरा
चंपारण
बनारस
साबरमती
खेड़ा
बारदोली
दांडी
वर्धा
कटक
बंबई
पूना
सतारा
Mercator

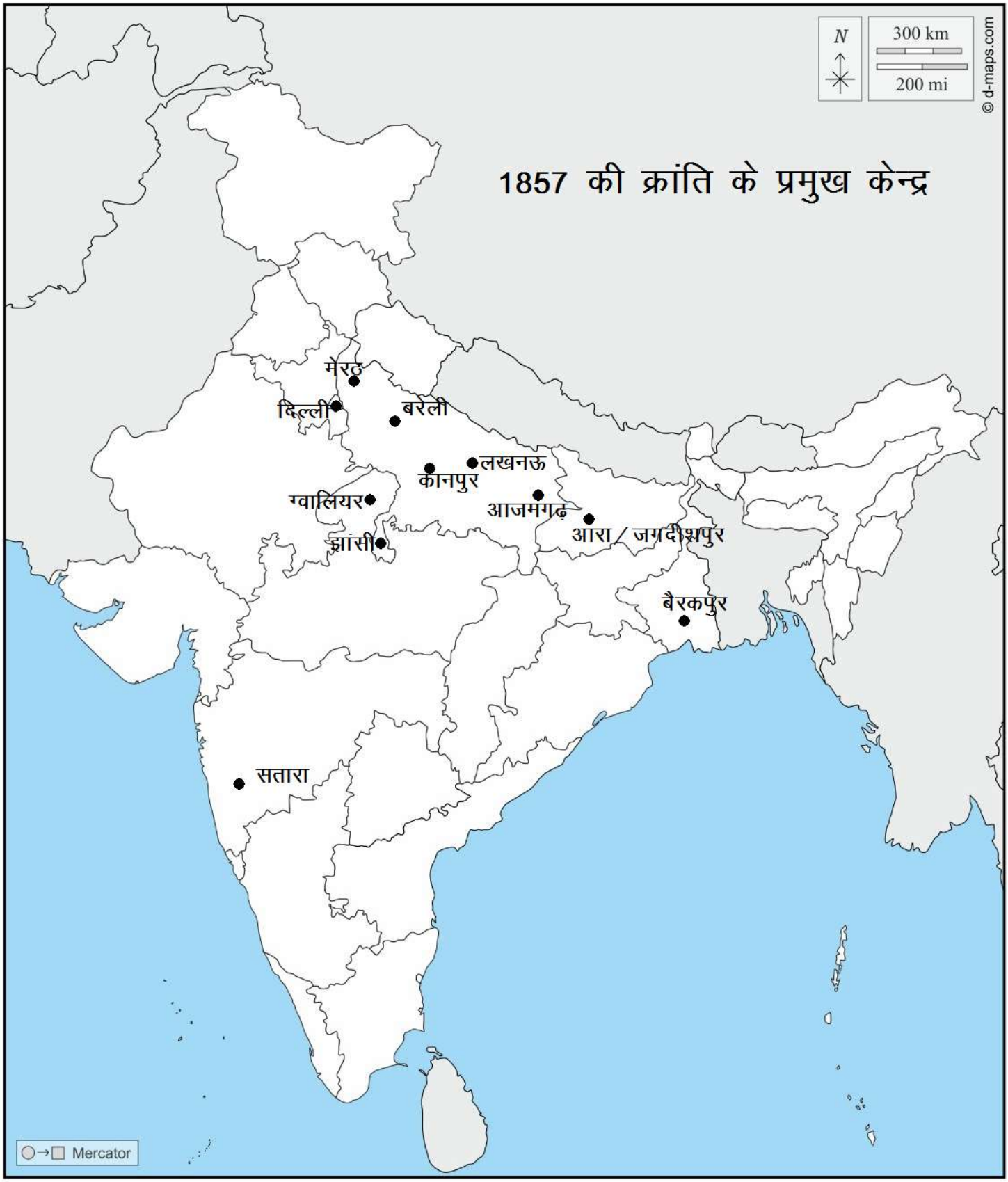
1857 की क्रांति के प्रमुख केन्द्र
N
300 km
200 mi
© d-maps.com
मेरठ
दिल्ली
बरेली
लखनऊ
कानपुर
ग्वालियर
आजमगढ़
आरा / जगदीशपुर
झांसी
बैरकपुर
सतारा
Mercator

प्रमुख ऐतिहासिक स्थल
N
300 km
200 mi
© d-maps.com
तक्षशिला
पानीपत
मथुरा
आमेर
फतेहपुर सीकरी
अजमेर
इलाहबाद
पाटलीपुत्र
बर्धमान
मंदसौर
कलकत्ता
सूरत
बम्बई
मद्रास / चेन्नई
Mercator

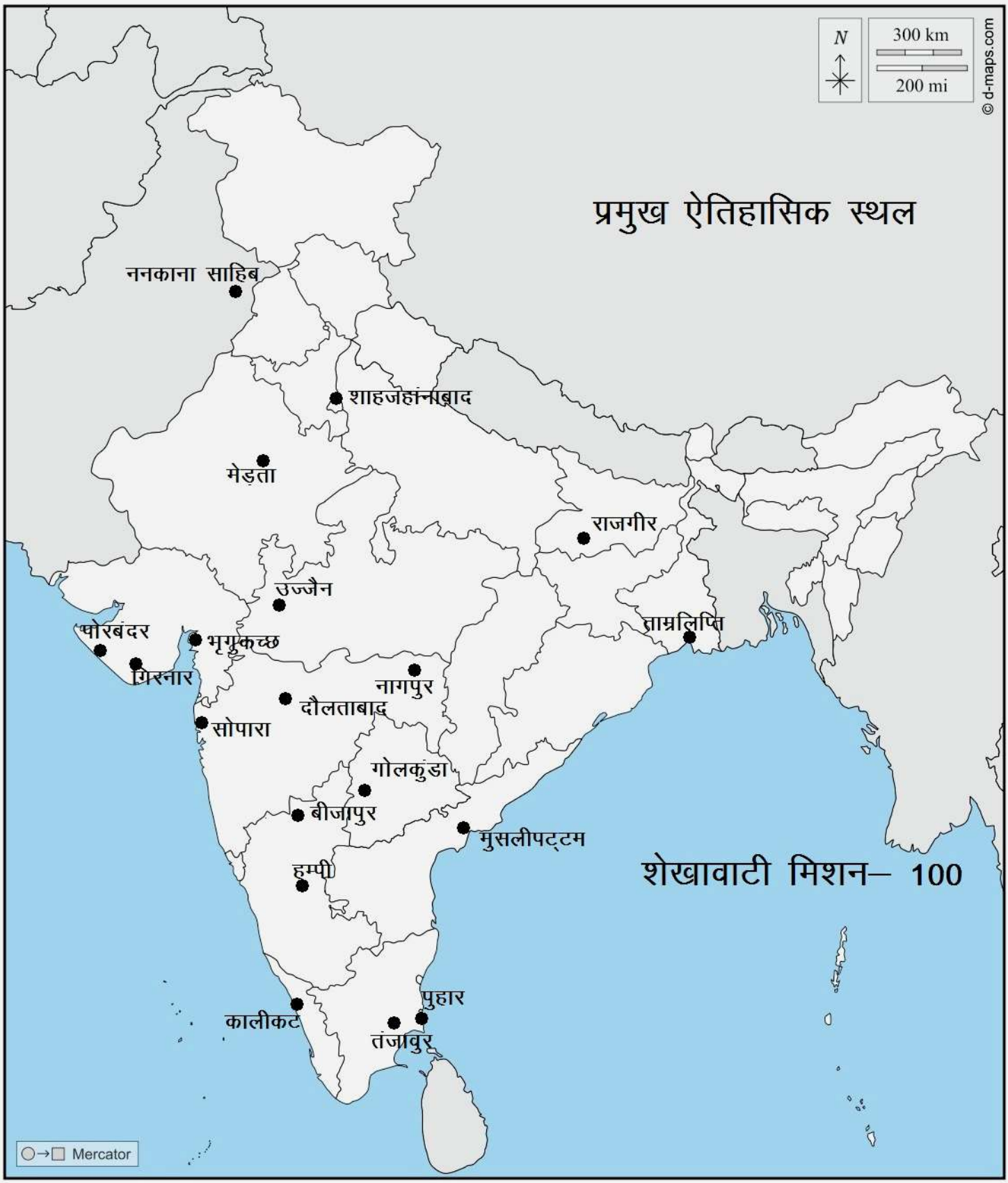
प्रमुख ऐतिहासिक स्थल
N
300 km
200 mi
© d-maps.com
ननकाना साहिब
शाहजहांनाबाद
मेड़ता
राजगीर
उज्जैन
ताम्रलिप्ति
पोरबंदर
भृगुकच्छ
गिरनार
नागपुर
दौलताबाद
सोपारा
गोलकुंडा
बीजापुर
मुसलीपट्टम
हम्पी
शेखावाटी मिशन– 100
पुहार
कालीकट
तंजावुर
Mercator

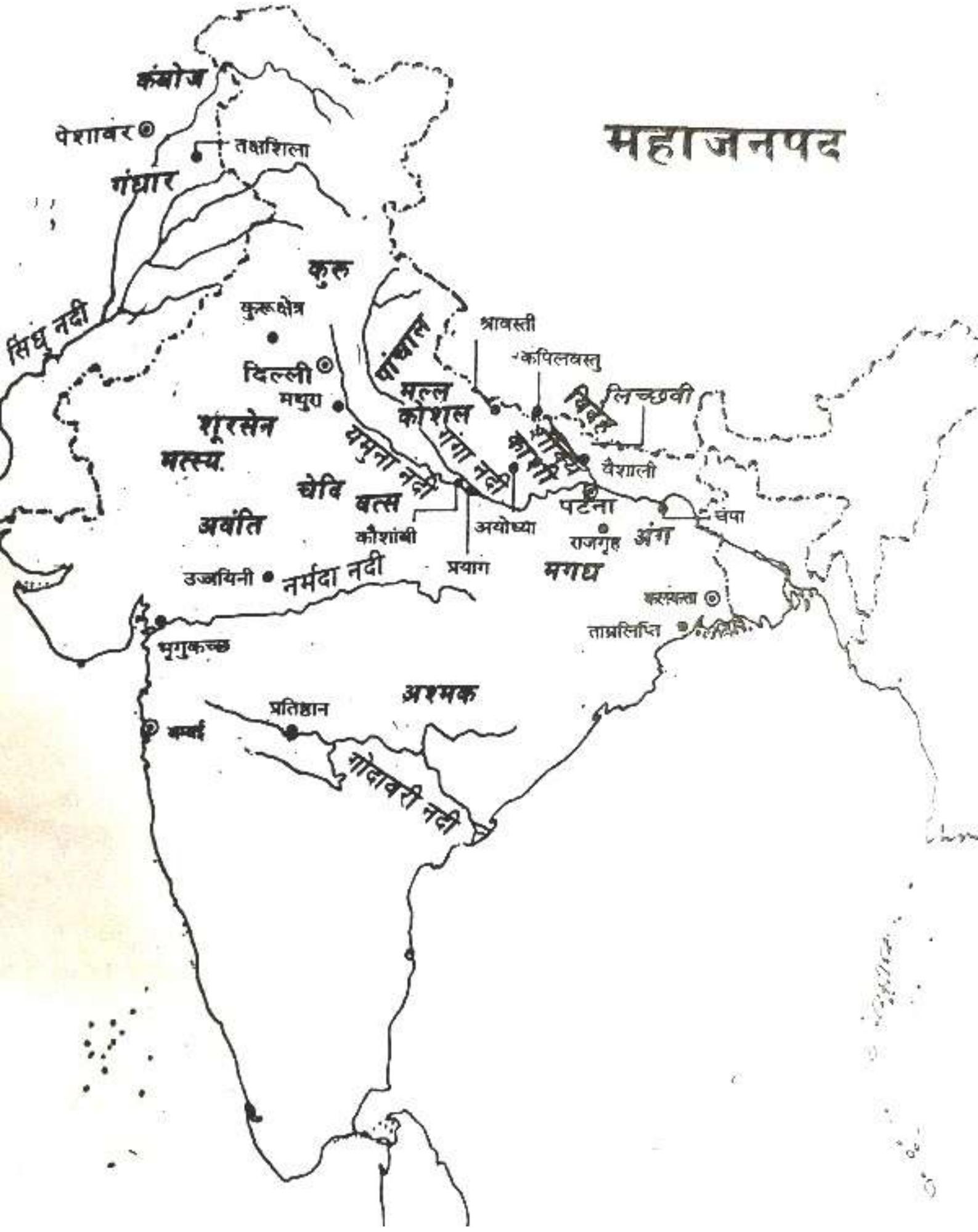

महाजनपद

कंबोज
पेशावर
तक्षशिला
गंधार
कुरु
कुरुक्षेत्र
सिंधु नदी
दिल्ली
मथुरा
शूरसेन
मत्स्य
पांचाल
मल्ल
कौशल
श्रावस्ती
कपिलवस्तु
लिच्छवी
काशी
यमुना नदी
गंगा नदी
वैशाली
चेदि
वत्स
अवंति
कौशांबी
अयोध्या
पटना
चंपा
राजगृह
अंग
प्रयाग
मगध
उज्जयिनी
नर्मदा नदी
कलकत्ता
ताम्रलिप्ति
भृगुकच्छ
अश्मक
प्रतिष्ठान
बम्बई
गोदावरी नदी